PRODUCT INDEX

INDEX

1. MARGDARSHIKA
2. THEORY NOTES
3. UNIT WISE MCQ
4. AMRIUT BOOKLET
5. PYQ
6. TREND ANALYSIS
7. TOPPERS TOOL KIT (TTK)
8. MODEL PAPER

CLICK HERE TO GET

sample Notes/
Expert Guidance/Courier Facility Available
Download PROFESSORS ADDA APP
+91 7690022111 +91 9216228788

PROFESSORS ADDA
Trusted By Toppers

GET BEST SELLER HARD COPY NOTES

PROFESSORS ADDA

CLICK HERE TO GET

+91 7690022111 +91 9216228788

UGC NET Commerce

Margdarshika Booklet

One-Stop Syllabus Coverage

Covers the entire Commerce UGC NET syllabus – 10 units from Business Environment to Tax Planning – all in one concise guide.

Unit-Wise 'What to Study' Focus

Each unit begins with a clear list of highly-focused topics, ensuring you spend time oly on what's most important.

How-to Study'-Strategies

Includes proven techniques – mind maps, case-study deep dives, comparative tables, and formula cheets – to make your revision an efficient

Exam-Oriented Tips

For every unit, you get MCQ-focused advice: high-yield areas, common question formats (match-the-following, true/false, scenario-baed), and quick shortcuts

Ready-Made Study Kit with Support

Complete study material -PDF booklet, structured guidelines, plus WhatsApp support (76900 22111 / 92162 28788) for anv dobts

All Subject's Complete Study Material KIT available.
Professor Adda Call WhatsApp Now 7690022111 / 9216228788

PROFESSORS ADDA 2025

One Stop Solution for NET / JRF / A. Professor / CUET

PROFESSORS ADDA मार्गदर्शिका बुकलेट UPDATED 2025 संस्करण

मार्गदर्शिका बुकलेट यह क्या है,

क्यो पढ़े इसे ?

- यह UGC NET के विशाल और जटिल पाठ्यक्रम को सरल बनाने वाला एक सुनियोजित रोडमैप है। यह एक गुरु के द्वारा SUBJECT मे success मार्ग को दिखाने की तरह है। आपको किसी पर निर्भर होने की जरूरत नही है।
- इसका मुख्य लक्ष्य "क्या पढ़ें, कहाँ से शुरू करें, और कितना गहरा पढ़ें" जैसे सवालों का स्पष्ट समाधान देना है। Focus पॉइंट्स को समझाया गया है
- यह आपकी तैयारी को छोटे (manageable) हिस्सों में बाँटकर एक व्यवस्थित दिशा देती है। आजकल परीक्षा का क्या नया ट्रेंड है, वह बताती है

यह किसके लिए है?

- UGC NET, PGT,Asst Professor) की तैयारी कर रहे छात्रों के लिए उपयोगी है
- जो घर पर तैयारी कर रहे है, जो वर्किंग है, जिन्हे उचित Guidance नहीं मिल रहा है, जो वीडियो नही देखना चाहते है, उनके लिए बेहद उपयोगी है। उनके लिए One stop solution है

मुख्य विशेषताएँ और लाभ

- **लाभ :** विषय की महत्वपूर्ण अवधारणाओं, सिद्धांतों और उदाहरणों को स्पष्ट करती है।
- **समय की बचत:** आपको अनावश्यक जानकारी से बचाकर सही दिशा दिखाती है। 100% exam oriented है
- **संपूर्ण कवरेज:** सुनिश्चित करती है कि पाठ्यक्रम का कोई भी महत्वपूर्ण हिस्सा न छूटे।
- **आत्मविश्वास में वृद्धि:** एक स्पष्ट योजना होने से तैयारी को लेकर घबराहट कम होती है।

इसका सर्वोत्तम उपयोग कैसे करें?

- Most important को जरूर याद करे
- गाइड में दिए गए क्रम का पालन करें।
- प्रत्येक टॉपिक की बुनियादी बातों पर मज़बूत पकड़ बनाएं।
- पढ़ते समय ProfessorsAdda Booklets मे उन टॉपिक पर अवश्य फोकस करे
- विभिन्न अवधारणाओं के बीच संबंध स्थापित करने का प्रयास करें।
- गाइड को आधार बनाकर MCQ अभ्यास प्रश्न और पुराने प्रश्नपत्र हल करें। ProfessorsAdda MCQ + PYQ booklet मे यह सब दिया गया है जो की सम्पूर्ण, गुणवत्ता सहित updated है
- यह आपके व्यक्तिगत मार्गदर्शक (personal guide) की तरह काम करती है।

वाणिज्य मार्गदर्शिका पुस्तिका

इकाई 1: व्यावसायिक वातावरण और अंतर्राष्ट्रीय व्यापार

क्या अध्ययन करें (इन टॉपिक पर अत्यधिक ध्यान दें)

- **व्यावसायिक वातावरण की अवधारणाएं और तत्व:** इस आधारभूत विषय में विभिन्न आंतरिक और बाह्य कारकों को समझना आवश्यक है जो व्यावसायिक परिचालन और निर्णय लेने को प्रभावित करते हैं।
  - **आर्थिक वातावरण:** एक महत्वपूर्ण घटक। ध्यान दें:
    - आर्थिक प्रणालियाँ: पूंजीवाद, समाजवाद और मिश्रित अर्थव्यवस्थाओं की विशेषताएं , और वे व्यवसाय को कैसे आकार देते हैं।
    - आर्थिक नीतियां: विशेष रूप से, मौद्रिक नीति (केन्द्रीय बैंक द्वारा की जाने वाली कार्रवाइयां जैसे ब्याज दर में परिवर्तन , मुद्रा आपूर्ति और ऋण के प्रबंधन के लिए आरक्षित निधि की आवश्यकता) और राजकोषीय नीतियां (अर्थव्यवस्था को प्रभावित करने के लिए सरकार द्वारा कराधान और सार्वजनिक व्यय का उपयोग)।
  - **राजनीतिक वातावरण:** व्यवसाय में सरकार की महत्वपूर्ण भूमिका को समझें , जो नियामक (नियम निर्धारित करना), प्रमोटर (प्रोत्साहन प्रदान करना) से लेकर उद्यमी (सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम) तक हो सकती है।
  - **कानूनी वातावरण:** प्रमुख कानून का ज्ञान महत्वपूर्ण है।
    - उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम: उपभोक्ता अधिकारों, शिकायत निवारण तंत्र और उपभोक्ताओं के अधिकारों की सुरक्षा के लिए इसके मुख्य प्रावधान।
    - फेमा (विदेशी मुद्रा प्रबंधन अधिनियम): इसके उद्देश्य, प्रमुख प्रावधान और भारत में विदेशी मुद्रा लेनदेन के प्रबंधन के लिए तंत्र।
  - **सामाजिक-सांस्कृतिक कारक:** विश्लेषण करें कि सामाजिक मूल्य , विश्वास, रीति-रिवाज, परंपराएं, नैतिकता और जीवन शैली व्यवसाय प्रथाओं, उत्पाद डिजाइन, विपणन रणनीतियों और उपभोक्ता व्यवहार को कैसे प्रभावित करते हैं।
  - **कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर):** सीएसआर की अवधारणा , आधुनिक व्यवसाय में इसका महत्व, इसके पक्ष और विपक्ष में तर्क, सीएसआर के विभिन्न मॉडल/दृष्टिकोण, तथा विभिन्न

हितधारकों (शेयरधारकों, कर्मचारियों, ग्राहकों, समाज, पर्यावरण) के प्रति कंपनी की जिम्मेदारी को समझना।

- **अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मूल बातें**
  - **अंतर्राष्ट्रीय व्यापार का दायरा और महत्व:** उन कारणों को समझें कि क्यों कंपनियां अंतर्राष्ट्रीय व्यापार में संलग्न होती हैं (बाजार की तलाश, संसाधन की तलाश, दक्षता की तलाश, रणनीतिक परिसंपत्ति की तलाश) और राष्ट्रीय अर्थव्यवस्थाओं के लिए वैश्विक व्यापार और निवेश का समग्र महत्व।
  - **वैश्वीकरण और इस के चालक :** वैश्वीकरण को इसके विभिन्न आयामों (आर्थिक, राजनीतिक, सांस्कृतिक, तकनीकी) में परिभाषित करें तथा वैश्वीकरण की प्रक्रिया को प्रेरित और आकार देने वाले प्रमुख तकनीकी, राजनीतिक, बाजार, लागत और प्रतिस्पर्धी कारकों की पहचान करें।
  - **अंतर्राष्ट्रीय व्यापार में प्रवेश के तरीके:** विदेशी बाज़ारों में प्रवेश करने के लिए कंपनियों द्वारा इस्तेमाल किए जाने वाले विभिन्न तरीकों का अध्ययन करें, जिसमें निर्यात (प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष), लाइसेंसिंग, फ्रेंचाइज़िंग, प्रबंधन अनुबंध, टर्नकी परियोजनाएँ, अनुबंध निर्माण, संयुक्त उद्यम, रणनीतिक गठबंधन और पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनियाँ (ग्रीनफ़ील्ड बनाम अधिग्रहण) शामिल हैं। प्रत्येक तरीके के लाभ और हानि को समझें।
- **अंतर्राष्ट्रीय व्यापार सिद्धांत और नीतियाँ**
  - **अंतर्राष्ट्रीय व्यापार के सिद्धांत :** शास्त्रीय सिद्धांतों (मर्केंटिलिज्म, एडम स्मिथ का पूर्ण लाभ, डेविड रिकार्डो का तुलनात्मक लाभ, हेक्सचर-ओहलिन सिद्धांत) और आधुनिक फर्म-आधारित सिद्धांतों (उत्पाद जीवन चक्र सिद्धांत, नया व्यापार सिद्धांत, माइकल पोर्टर का राष्ट्रीय प्रतिस्पर्धात्मक लाभ या डायमंड मॉडल) के विकास और मूल सिद्धांतों को जानें।
  - **अंतर्राष्ट्रीय व्यापार में सरकारी हस्तक्षेप :** सरकारी हस्तक्षेप (राजनीतिक, आर्थिक, सामाजिक तर्क) और प्रयुक्त विभिन्न साधनों के पीछे के तर्क को समझें।
  - **टैरिफ और गैर-टैरिफ बाधाएं:** विभिन्न प्रकार के टैरिफ (उदाहरण: विशिष्ट, यथामूल्य, मिश्रित) और गैर-टैरिफ बाधाओं (एनटीबी) की एक विस्तृत श्रृंखला जैसे कोटा, स्वैच्छिक निर्यात प्रतिबंध (वीईआर), सब्सिडी, स्थानीय सामग्री आवश्यकताएं, प्रतिबंध, एंटी-डंपिंग शुल्क और प्रशासनिक/तकनीकी बाधाओं के बीच स्पष्ट रूप से अंतर करें।
  - **भारत की विदेश व्यापार नीति (एफटीपी):** भारत की मौजूदा एफटीपी के व्यापक उद्देश्यों, प्रमुख विशेषताओं, निर्यात प्रोत्साहन योजनाओं तथा हालिया घोषणाओं या अद्यतनों से अवगत रहें।
- **विदेशी निवेश: एफडीआई और एफपीआई**
  - **प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) और विदेशी पोर्टफोलियो निवेश (एफपीआई):** एफडीआई (किसी विदेशी देश में संचालित उद्यम में स्थायी प्रबंधन हित प्राप्त करने के लिए निवेश) और एफपीआई

(प्रबंधन नियंत्रण के बिना स्टॉक और बांड जैसी प्रतिभूतियों में निष्क्रिय निवेश) के बीच स्पष्ट रूप से अंतर करें।

- **एफडीआई के प्रकार :** क्षैतिज एफडीआई, ऊर्ध्वाधर एफडीआई (पिछड़ा और आगे), और समूह एफडीआई जैसे विभिन्न वर्गीकरणों को समझें।
- **घरेलू और मेजबान देशों में एफडीआई की लागत और लाभ :** रोजगार, भुगतान संतुलन, प्रौद्योगिकी हस्तांतरण, कौशल विकास, प्रतिस्पर्धा, आर्थिक विकास, राष्ट्रीय संप्रभुता और सांस्कृतिक प्रभाव जैसे पहलुओं पर विचार करते हुए , निवेशक (घरेलू) और प्राप्तकर्ता (मेजबान) दोनों देशों पर एफडीआई के विविध प्रभावों का विश्लेषण करें।
- **एफडीआई में रुझान:** एफडीआई के अंतर्वाह और बहिर्वाह में वैश्विक और भारतीय रुझानों से अवगत रहें।
- **भारत की एफडीआई नीति :** एफडीआई के लिए प्रमुख क्षेत्रों , प्रवेश मार्गों (स्वचालित बनाम अनुमोदन), क्षेत्रीय सीमाओं तथा भारत की एफडीआई व्यवस्था में हाल के महत्वपूर्ण परिवर्तनों या उदारीकरणों को समझें।

- **भुगतान संतुलन (बीओपी): अंतर्राष्ट्रीय लेनदेन पर नज़र रखना**
  - **बीओपी का महत्व और घटक :** किसी देश के निवासियों और बाकी दुनिया के बीच सभी आर्थिक लेन-देन के व्यवस्थित रिकॉर्ड के रूप में बीओपी विवरण के महत्व को समझें। इसके मुख्य घटकों को समझें : चालू खाता (माल और सेवाओं में व्यापार , आय, चालू हस्तांतरण), पूंजी खाता (एफडीआई, एफपीआई, ऋण, बैंकिंग पूंजी), और आधिकारिक रिजर्व खाता।
- **क्षेत्रीय आर्थिक एकीकरण: विकास के लिए सहयोग**
  - **क्षेत्रीय आर्थिक एकीकरण के स्तर:** आर्थिक एकीकरण के विभिन्न चरणों या स्तरों का अध्ययन करें , शिथिल रूपों से लेकर गहन एकीकरण तक : अधिमान्य व्यापार क्षेत्र (PTA), मुक्त व्यापार क्षेत्र (FTA), सीमा शुल्क संघ , साझा बाज़ार, आर्थिक संघ और राजनीतिक संघ। प्रत्येक स्तर की विशेषताओं को समझें।
  - **व्यापार सृजन और विपथन प्रभाव :** क्षेत्रीय व्यापार ब्लॉकों के गठन से होने वाले इन दो महत्वपूर्ण आर्थिक प्रभावों को समझें। व्यापार सृजन तब होता है जब उच्च लागत वाले घरेलू उत्पादन को किसी सदस्य देश से कम लागत वा ले आयातों द्वारा प्रतिस्थापित किया जाता है। व्यापार विपथन तब होता है जब किसी गैर-सदस्य देश से कम लागत वाले आयात को किसी सदस्य देश से उच्च लागत वाले आयातों द्वारा प्रतिस्थापित किया जाता है।
  - **क्षेत्रीय व्यापार समझौते (आरटीए):** यूरोपीय संघ (ईयू), दक्षिण पूर्व एशियाई राष्ट्र संघ (आसियान), दक्षिण एशियाई क्षेत्रीय सहयोग संगठन (सार्क), और उत्तरी अमेरिकी मुक्त व्यापार समझौता (नाफ्टा) (अब यूएसएमसीए द्वारा प्रतिस्थापित, लेकिन नाफ्टा ही सूचीबद्ध है) जैसे प्रमुख आरटीए

के उद्देश्यों, सदस्यता, प्रमुख विशेषताओं और उपलब्धियों /चुनौतियों के बारे में जानकारी प्राप्त करें।

- **अंतर्राष्ट्रीय आर्थिक संस्थाएँ: वैश्विक अर्थव्यवस्था को आकार देना**
  - प्रमुख संस्थाओं की प्राथमिक भूमिकाओं, उद्देश्यों, कार्यों और ऋण देने की प्रणालियों/सुविधाओं को समझें: अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ; वित्तीय स्थिरता, भुगतान संतुलन समर्थन पर ध्यान केंद्रित), विश्व बैंक समूह (आईबीआरडी और इसके सहयोगी जैसे आईडीए, आईएफसी, एमआईजीए; विकास और गरीबी में कमी पर ध्यान केंद्रित), और व्यापार और विकास पर संयुक्त राष्ट्र सम्मेलन (यूएनसीटीएडी; विकासशील देशों के विश्व अर्थव्यवस्था में विकास-अनुकूल एकीकरण पर ध्यान केंद्रित)।
- **विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ): वैश्विक व्यापार का संचालन**
  - **विश्व व्यापार संगठन के कार्य और उद्देश्य :** विश्व व्यापार संगठन के व्यापार समझौतों को प्रशासित करने, बहुपक्षीय व्यापार वार्ता के लिए एक मंच के रूप में कार्य करने, सदस्य देशों के बीच व्यापार विवादों को निपटाने, विकासशील देशों को तकनीकी सहायता प्रदान करने और व्यापार नीतियों की पारदर्शिता सुनिश्चित करने में इसकी भूमिका पर ध्यान केंद्रित करना।
  - **विश्व व्यापार संगठन के अंतर्गत प्रमुख समझौते:** कृषि पर समझौते (एओए; जिसका उद्देश्य कृषि में व्यापार को विकृत करने वाली सब्सिडी और बाजार पहुंच बाधाओं को कम करना है), जीएटीएस (सेवाओं में व्यापार पर सामान्य समझौता; सेवाओं में अंतर्राष्ट्रीय व्यापार को उदार बनाने के लिए रूपरेखा), टीआरआईपीएस (बौद्धिक संपदा अधिकारों के व्यापार-संबंधित पहलू; आईपीआर के संरक्षण के लिए न्यूनतम मानक निर्धारित करना) और टीआरआईएमएस (व्यापार-संबंधित निवेश उपाय; निवेश उपायों को विनियमित करना जो व्यापार को प्रतिबंधित या विकृत कर सकते हैं) के मूल सिद्धांतों और उद्देश्यों को समझना।

अध्ययन कैसे करें (प्रभावी एवं विस्तृत रणनीतियाँ):

- **व्यावसायिक पर्यावरण घटकों के लिए माइंड मैप्स** व्यावसायिक पर्यावरण के प्रत्येक तत्व (PESTLE - राजनीतिक, आर्थिक, सामाजिक-सांस्कृतिक, तकनीकी, कानूनी, पर्यावरणीय) के लिए विस्तृत माइंड मैप बनाएं। प्रत्येक घटक के लिए, मुख्य कारकों और विशिष्ट उदाहरणों की सूची बनाएं कि वे किसी व्यवसाय को कैसे प्रभावित कर सकते हैं (उदाहरण: आर्थिक के अंतर्गत, मुद्रास्फीति, ब्याज दरें, विनिमय दरें सूचीबद्ध करें; कानूनी के अंतर्गत, उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम जैसे विशिष्ट अधिनियमों की सूची बनाएं)।

- **अंतर्राष्ट्रीय व्यापार के लिए केस स्टडी डीप डाइव्स :** 2-3 वास्तविक दुनिया की कंपनियों का चयन करें जिन्होंने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सफलतापूर्वक (या असफल रूप से) विस्तार किया है। उनके प्रवेश के तरीके, उनके सामने आने वाली चुनौतियों (सांस्कृतिक, राजनीतिक, आर्थिक), उनके द्वारा अपनाई गई रणनीतियों और परिणामों का विश्लेषण करें। इससे "प्रवेश के तरीके" और "वैश्वीकरण चालकों" जैसी अवधारणाएँ अधिक मूर्त हो जाती हैं।
- **सिद्धांत एवं एकीकरण के लिए तुलनात्मक तालिकाएँ**
  - **अंतर्राष्ट्रीय व्यापार सिद्धांत :** विभिन्न व्यापार सिद्धांतों की तुलना करते हुए एक तालिका बनाएं : प्रस्तावक, मूल विचार/सिद्धांत, मान्यताएं, प्रासंगिकता/आलोचनाएं।
  - **क्षेत्रीय आर्थिक एकीकरण के स्तर :** स्तरों (एफटीए, सीमा शुल्क संघ , साझा बाजार, आदि) की तुलना करने के लिए एक तालिका का उपयोग करें : सदस्यों के बीच टैरिफ को हटाना , सामान्य बाहरी टैरिफ , उत्पादन के कारकों (श्रम, पूंजी) की मुक्त आवाजाही , आर्थिक नीतियों का सामंजस्य।
- **संक्षिप्त नाम निपुणता और कीवर्ड एसोसिएशन**
  - सभी संक्षिप्त नामों (FDI, FPI, BOP, EU, ASEAN, WTO, GATS, TRIPS, TRIMS, FEMA, CSR, आदि) की एक सूची बनाए रखें। प्रत्येक के लि ए, पूर्ण रूप और उसके मुख्य कार्य या उद्देश्य का एक-वाक्य में स्पष्टीकरण लिखें।
- **गतिशील नीति ट्रैकिंग:**
  - भारत की विदेश व्यापार नीति और FDI नीति के लिए सिर्फ़ किताबों पर निर्भर न रहें। नीतिगत ताज़ा जानकारी या हाल ही में हुए महत्वपूर्ण बदलावों के लिए आधिकारिक वे बसाइट (वाणिज्य मंत्रालय, DPIIT) पर नज़र डालें, क्योंकि सवाल मौजूदा परिदृश्यों को दर्शा सकते हैं।
- **बीओपी संरचना और समस्या समाधान**
  - भुगतान संतुलन खाते की विस्तृत संरचना बनाएं। विभिन्न अंतर्राष्ट्रीय लेन-देन (उदाहरण: सॉफ्टवेयर निर्यात, पर्यटक व्यय, एफडीआई प्रवाह, एनआरआई द्वारा धन प्रेषण) को सही बीओपी खाते (चालू या पूंजी) और उप-खाते (उदाहरण: व्यापार संतुलन, अदृश्य, निवेश आय) में वर्गीकृत करने का अभ्यास करें।
- **विश्व व्यापार संगठन समझौते – मुख्य उद्देश्यों और निहितार्थों पर ध्यान**
  - GATS, TRIPS, TRIMS और AoA के लिए, निम्न बातों पर ध्यान केंद्रित करते हुए संक्षिप्त सारांश बनाएँ: यह समझौता मुख्य रूप से किससे संबंधित है ? इसके मुख्य उद्देश्य क्या हैं? भारत जैसे विकासशील देश के लिए इसके कुछ मुख्य निहितार्थ क्या हैं? जब तक कि आपकी सामग्री में विशेष रूप से जोर न दिया गया हो, तब तक छोटे-छोटे कानूनी विवरणों में उलझने से बचें।
- **एकीकरण एवं प्रभाव के लिए आरेख**

  - क्षेत्रीय आर्थिक एकीकरण की प्रगति को दर्शाने के लिए सरल आरेखों का उपयोग करें।
  - व्यापार सृजन और विचलन के लिए, उन्हें ग्राफिक रूप में दर्शाने का प्रयास करें (यदि आप सहज हों तो सरलीकृत आपूर्ति-मांग वक्रों के साथ भी) या काल्पनिक संख्यात्मक उदाहरणों के साथ यह समझने का प्रयास करें कि प्रत्येक परिदृश्य में किस देश को लाभ/हानि होती है।
- **अवधारणाओं को वर्तमान घटनाओं से जोड़ें :** वैश्वीकरण, एफडीआई प्रवाह, व्यापार बाधाओं और डब्ल्यूटीओ विवादों जैसी अवधारणाओं को वर्तमान अंतर्राष्ट्रीय व्यापार समाचारों से जोड़ने का प्रयास करें। इससे समझ और धारणा बढ़ती है।

यूनिट 1 के लिए परीक्षा टिप्स (एमसीक्यू फोकस):

- **संकल्पनात्मक परिभाषाएँ:** वैश्वीकरण, एफडीआई बनाम एफपीआई, प्रवेश के विभिन्न तरीके, व्यापार बाधाओं के प्रकार (टैरिफ बनाम गैर-टैरिफ), आर्थिक एकीकरण के स्तर और सीएसआर जैसी मुख्य अवधारणाओं की परिभाषाओं पर बहुत स्पष्ट रहें।
- **नीतिगत कुशाग्रता:** मौद्रिक/राजकोषीय नीतियों (उनके उपकरण और उद्देश्य), उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम और फेमा के प्रमुख प्रावधान और उद्देश्य, तथा भारत की वर्तमान विदेश व्यापार नीति और एफडीआई नीति की मुख्य बातें आम हैं।
- **अंतर्राष्ट्रीय निकाय एवं समझौते (उच्च प्रतिफल):**
  - आईएमएफ, विश्व बैंक, यूएनसीटीएडी और डब्ल्यूटीओ के प्राथमिक कार्यों, उद्देश्यों, मुख्यालयों और प्रमुख पहलों/रिपोर्टों पर MCQ की अपेक्षा करें।
  - डब्ल्यूटीओ समझौतों (जीएटीएस, ट्रिप्स, ट्रिम्स, एओए) के लिए, प्रश्न आमतौर पर इस बात पर केंद्रित होते हैं कि प्रत्येक समझौता किससे संबंधित है (उदाहरण के लिए ट्रिप्स बौद्धिक संपदा से संबंधित है)।
  - आरटीए (ईयू, आसियान, सार्क, नाफ्टा) के लिए, उनके पूर्ण रूप, प्रमुख उद्देश्यों और कभी-कभी प्रमुख सदस्य देशों या हाल के महत्वपूर्ण घटनाक्रमों (यदि कोई हो) के बारे में जानें।
- **बीओपी लेखांकन:** यह पहचानने के लिए तैयार रहें कि कौन से विशिष्ट लेन-देन बीओपी के चालू खाते (उदाहरणार्थ व्यापारिक व्यापार, सॉफ्टवेयर सेवाएं, विप्रेषण जैसी अदृश्य वस्तुएं) से संबंधित हैं, तथा कौन से विशिष्ट लेन-देन बीओपी के पूंजी खाते (उदाहरणार्थ एफडीआई, एफपीआई, बाह्य उधारी) से संबंधित हैं।
- **व्यापार सिद्धांत:** प्रश्नों में आपसे सिद्धांतों को उनके समर्थकों से मिलान करने के लिए कहा जा सकता है (उदाहरण: तुलनात्मक लाभ - रिकार्डो) या किसी विशिष्ट सिद्धांत के मूल विचार की पहचान करने के लिए कहा जा सकता है।

All Subject's Complete Study Material KIT available.
Professor Adda Call WhatsApp Now 7690022111 / 9216228788

- **अंतर महत्वपूर्ण है:** इनके बीच स्पष्ट रूप से अंतर करने में सक्षम बनें:
  - टैरिफ और गैर-टैरिफ बाधाएं (उदाहरण सहित)।
  - एफडीआई और एफपीआई।
  - व्यापार सृजन और व्यापार विचलन।
  - अंतर्राष्ट्रीय बाजार में प्रवेश के विभिन्न तरीके (उदाहरण: लाइसेंसिंग बनाम फ्रेंचाइज़िंग)।
- **सीएसआर प्रश्न:** सीएसआर के दायरे, हितधारक सिद्धांत, या सीएसआर के पक्ष /विपक्ष में तर्कों पर ध्यान केंद्रित किया जा सकता है।
- **"निम्नलिखित का मिलान करें" और "सही/गलत कथन की पहचान करें":** इन प्रारूपों का उपयोग इस इकाई के लिए अक्सर किया जाता है , जिसमें सिद्धांत, संस्थाएं, समझौते और नीतिगत विशेषताएं शामिल होती हैं।
- **अनुप्रयोग-आधारित प्रश्न :** कुछ प्रश्न एक संक्षिप्त परिदृश्य प्रस्तुत कर सकते हैं और आपसे एक अवधारणा को लागू करने के लिए कह सकते हैं (उदाहरण: किसी कंपनी द्वारा उपयोग की जाने वाली प्रवेश पद्धति की पहचान करें)।

All Subject's Complete Study Material KIT available.
Professor Adda Call WhatsApp Now 7690022111 / 9216228788

Professors Adda

PAID STUDENTS' BENEFITS

- Access to PYQs of the last 1 year
- Entry into Quiz Group + Premium Materials

- 20% Discount on Future Purchases / For Referring a Friend
- Access to Current Affairs + Premium Study Group

NOTE: Please share your *Fee Receipt* or Payment Screenshot for activation.

Call/Whapp 76900-22111, 9216228788

वाणिज्य ई-बुकलेट INDEX

इकाई 1: व्यावसायिक वातावरण और अंतर्राष्ट्रीय व्यापार

- **व्यावसायिक वातावरण की अवधारणाएँ और तत्व:**
  - आर्थिक वातावरण: आर्थिक प्रणालियाँ, आर्थिक नीतियाँ (मौद्रिक और राजकोषीय नीतियाँ)
  - राजनीतिक वातावरण: व्यवसाय में सरकार की भूमिका
  - कानूनी माहौल: उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम, FEMA
  - सामाजिक-सांस्कृतिक कारक और व्यवसाय पर उनका प्रभाव
  - कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर)
- **अंतर्राष्ट्रीय व्यापार का दायरा और महत्व**
- **वैश्वीकरण और इसके चालक**
- **अंतर्राष्ट्रीय व्यापार में प्रवेश के तरीके**
- **अंतर्राष्ट्रीय व्यापार के सिद्धांत**
- **अंतर्राष्ट्रीय व्यापार में सरकारी हस्तक्षेप**
- **टैरिफ और गैर-टैरिफ बाधाएं**
- **भारत की विदेश व्यापार नीति**
- **प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) और विदेशी पोर्टफोलियो निवेश (एफपीआई)**
  - एफडीआई के प्रकार
  - घरेलू और मेजबान देशों में एफडीआई की लागत और लाभ
  - एफडीआई में रुझान
  - भारत की एफडीआई नीति
- **भुगतान संतुलन (बीओपी): बीओपी का महत्व और घटक**
- **क्षेत्रीय आर्थिक एकीकरण:**
  - क्षेत्रीय आर्थिक एकीकरण के स्तर
  - व्यापार सृजन और मोड़ प्रभाव
  - क्षेत्रीय व्यापार समझौते: यूरोपीय संघ (ईयू), आसियान, सार्क, नाफ्टा
- **अंतर्राष्ट्रीय आर्थिक संस्थाएँ: आईएमएफ, विश्व बैंक, यूएनसीटीएडी**
- **विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ):**
  - विश्व व्यापार संगठन के कार्य और उद्देश्य
  - कृषि समझौता
  - जीएटीएस
  - ट्रिप्स
  - ट्रिम्स

All Subject's Complete Study Material KIT available.
Professor Adda Call WhatsApp Now 7690022111 / 9216228788

इकाई 2: लेखांकन और लेखा परीक्षा

- **बुनियादी लेखांकन सिद्धांत, अवधारणाएं और सिद्धांत**
- **साझेदारी खाते: साझेदारी फर्मों का प्रवेश, सेवानिवृत्ति, मृत्यु, विघटन और दिवालियापन**
- **निगमित लेखांकन:**
  - शेयरों का निर्गम, जब्ती और पुनः निर्गम
  - कंपनियों का परिसमापन
  - कंपनियों का अधिग्रहण, विलयन, समामेलन और पुनर्निर्माण
- **होल्डिंग कंपनी खाते**
- **लागत और प्रबंधन लेखांकन:**
  - सीमांत लागत और लाभ-समतुल्य विश्लेषण
  - मानक लागत
  - बजट नियंत्रण
  - प्रक्रिया की लागत
  - गतिविधि आधारित लागत निर्धारण (एबीसी)
  - निर्णय लेने के लिए लागत निर्धारण
  - जीवन चक्र लागत निर्धारण, लक्ष्य लागत निर्धारण, काइज़ेन लागत निर्धारण और जेआईटी
- **वित्तीय विवरण विश्लेषण:**
  - अनुपात विश्लेषण
  - निधि प्रवाह विश्लेषण
  - नकदी प्रवाह विश्लेषण
- **मानव संसाधन लेखांकन**
- **मुद्रास्फीति लेखांकन**
- **पर्यावरण लेखांकन**
- **भारतीय लेखा मानक और आईएफआरएस**
- **लेखा परीक्षा:**
  - स्वतंत्र वित्तीय लेखा परीक्षा
  - प्रत्ययन
  - परिसंपत्तियों और देनदारियों का सत्यापन और मूल्यांकन
  - वित्तीय विवरणों और लेखापरीक्षा रिपोर्ट का लेखापरीक्षण
  - लागत लेखापरीक्षा
- **लेखापरीक्षा में नवीनतम रुझान:**
  - प्रबंधन लेखा परीक्षा
  - ऊर्जस्विता का लेखापरीक्षण
  - पर्यावरण लेखा परीक्षा

All Subject's Complete Study Material KIT available.
Professor Adda Call WhatsApp Now 7690022111 / 9216228788

- सिस्टम ऑडिट
- सुरक्षा ऑडिट

इकाई 3: व्यवसाय अर्थशास्त्र

- **व्यवसाय अर्थशास्त्र का अर्थ और दायरा**
- **व्यावसायिक फर्मों के उद्देश्य**
- **मांग विश्लेषण:**
  - मांग का नियम
  - मांग की लोच और उसका मापन
  - ए.आर. और एम.आर. के बीच संबंध
- **उपभोक्ता व्यवहार:**
  - उपयोगिता विश्लेषण
  - उदासीनता वक्र विश्लेषण
- **परिवर्तनशील अनुपात का नियम: पैमाने पर प्रतिफल का नियम**
- **लागत का सिद्धांत: अल्पावधि और दीर्घावधि लागत वक्र**
- **विभिन्न बाजार स्वरूपों के अंतर्गत मूल्य निर्धारण:**
  - संपूर्ण प्रतियोगिता
  - एकाधिकार बाजार
  - अल्पाधिकार- मूल्य नेतृत्व मॉडल
  - एकाधिकार
  - मूल्य निर्णय
- **कीमत तय करने की रणनीति:**
  - मूल्य में हेराफेरी
  - मूल्य प्रवेश
  - पीक लोड मूल्य निर्धारण

इकाई 4: व्यवसाय वित्त

- **वित्त का दायरा और स्रोत**
- **पट्टा वित्तपोषण**
- **पूंजी की लागत और धन का समय मूल्य**
- **पूंजी संरचना**
- **पूंजी बजट निर्णय: पूंजी बजट विश्लेषण की पारंपरिक और वैज्ञानिक तकनीकें**
- **चालू धनराशि का प्रबंधन**
- **लाभांश निर्णय: सिद्धांत और नीतियां**
- **जोखिम और प्रतिफल विश्लेषण**

All Subject's Complete Study Material KIT available.
Professor Adda Call WhatsApp Now 7690022111 / 9216228788

- परिसंपत्ति प्रतिभूतिकरण
- अंतर्राष्ट्रीय मौद्रिक प्रणाली
- विदेशी मुद्रा बाजार
- विनिमय दर जोखिम और हेजिंग तकनीक
- अंतर्राष्ट्रीय वित्तीय बाज़ार और उपकरण: यूरो मुद्रा, जी.डी.आर., ए.डी.आर.
- अंतर्राष्ट्रीय मध्यस्थता
- बहुराष्ट्रीय पूंजी बजट

इकाई 5: व्यवसाय सांख्यिकी और अनुसंधान विधियाँ

- केंद्रीय प्रवृत्ति के उपाय
- फैलाव के उपाय
- तिरछापन के उपाय
- दो चरों का सहसंबंध और प्रतिगमन
- संभावना:
    - संभाव्यता के दृष्टिकोण
    - बेयस प्रमेय
- संभाव्यता वितरण: द्विपद, पॉइसन और सामान्य वितरण
- अनुसंधान: अवधारणा और प्रकार
- अनुसंधान डिजाइन
- डेटा: डेटा का संग्रह और वर्गीकरण
- नमूनाकरण और आकलन:
    - अवधारणाओं
    - नमूनाकरण की विधियाँ संभाव्यता और गैर-संभाव्यता विधियाँ
    - नमूना वितरण
    - केंद्रीय सीमा प्रमेय
    - मानक त्रुटि
    - सांख्यिकीय अनुमान
- परिकल्पना परीक्षण: z-परीक्षण, t-परीक्षण, ANOVA, ची-स्क्वायर परीक्षण, मान-व्हिटनी परीक्षण (U-परीक्षण), क्रुस्कल-वालिस परीक्षण (H-परीक्षण), रैंक सहसंबंध परीक्षण
- रिपोर्ट लेखन

इकाई 6: व्यवसाय प्रबंधन और मानव संसाधन प्रबंधन

- प्रबंधन के सिद्धांत और कार्य
- संगठनात्मक संरचना: औपचारिक और अनौपचारिक संगठन; नियंत्रण का दायरा
- उत्तरदायित्व और अधिकार: अधिकार का प्रत्यायोजन और विकेंद्रीकरण

All Subject's Complete Study Material KIT available.
Professor Adda Call WhatsApp Now 7690022111 / 9216228788

- **प्रेरणा और नेतृत्व: अवधारणा और सिद्धांत**
- **कॉर्पोरेट प्रशासन और व्यावसायिक नैतिकता**
- **मानव संसाधन प्रबंधन:**
  - मानव संसाधन प्रबंधन की अवधारणा, भूमिका और कार्य
  - मानव संसाधन योजना
  - भर्ती और चयन
  - प्रशिक्षण एवं विकास
  - उत्तराधिकार की योजना बना
- **मुआवज़ा प्रबंधन:**
  - नौकरी का मूल्यांकन
  - प्रोत्साहन और अतिरिक्त लाभ
- **360 डिग्री प्रदर्शन मूल्यांकन सहित प्रदर्शन मूल्यांकन**
- **सामूहिक सौदेबाजी और प्रबंधन में श्रमिकों की भागीदारी**
- **व्यक्तित्व: धारणा; दृष्टिकोण; भावनाएँ; समूह गतिशीलता; शक्ति और राजनीति; संघर्ष और बातचीत; तनाव प्रबंधन**
- **संगठनात्मक संस्कृति: संगठनात्मक विकास और संगठनात्मक परिवर्तन**

इकाई 7: बैंकिंग और वित्तीय संस्थान

- **भारतीय वित्तीय प्रणाली का अवलोकन**
- **बैंकों के प्रकार: वाणिज्यिक बैंक; क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक (आरआरबी); विदेशी बैंक; सहकारी बैंक**
- **भारतीय रिज़र्व बैंक: कार्य; भूमिका और मौद्रिक नीति प्रबंधन**
- **भारत में बैंकिंग क्षेत्र सुधार: बेसल मानदंड; जोखिम प्रबंधन; एनपीए प्रबंधन**
- **वित्तीय बाजार: मुद्रा बाजार; पूंजी बाजार; सरकारी प्रतिभूति बाजार**
- **वित्तीय संस्थाएँ: विकास वित्त संस्थाएँ (डीएफआई); गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियाँ (एनबीएफसी); म्यूचुअल फंड; पेंशन फंड**
- **भारत में वित्तीय नियामक**
- **वित्तीय समावेशन सहित वित्तीय क्षेत्र में सुधार**
- **बैंकिंग और अन्य वित्तीय सेवाओं का डिजिटलीकरण: इंटरनेट बैंकिंग; मोबाइल बैंकिंग; डिजिटल भुगतान प्रणाली**
- **बीमा:**
  - बीमा के प्रकार- जीवन और गैर-जीवन बीमा
  - जोखिम वर्गीकरण और प्रबंधन
  - जोखिम की बीमायोग्यता को सीमित करने वाले कारक
  - पुन: बीमा
  - बीमा का नियामक ढांचा- आईआरडीए और इसकी भूमिका

इकाई 8: विपणन प्रबंधन

- **विपणन: अवधारणा और दृष्टिकोण; विपणन चैनल; विपणन मिश्रण; रणनीतिक विपणन योजना; बाजार विभाजन, लक्ष्यीकरण और स्थिति निर्धारण**
- **उत्पाद निर्णय: अवधारणा; उत्पाद लाइन; उत्पाद मिश्रण निर्णय; उत्पाद जीवन चक्र; नए उत्पाद का विकास**
- **मूल्य निर्धारण निर्णय: मूल्य निर्धारण को प्रभावित करने वाले कारक; मूल्य निर्धारण नीतियां और रणनीतियां**
- **पदोन्नति संबंधी निर्णय:**
  - विपणन में प्रमोशन की भूमिका
  - प्रचार विधियाँ - विज्ञापन; व्यक्तिगत विक्रय; प्रचार; विक्रय प्रचार उपकरण और तकनीकें
  - प्रोमोशन मिक्स
- **वितरण निर्णय: वितरण के चैनल; चैनल प्रबंधन**
- **उपभोक्ता व्यवहार: उपभोक्ता खरीद प्रक्रिया; उपभोक्ता खरीद निर्णयों को प्रभावित करने वाले कारक**
- **सेवा विपणन**
- **विपणन में रुझान: सामाजिक विपणन; ऑनलाइन विपणन; हरित विपणन; प्रत्यक्ष विपणन; ग्रामीण विपणन; सीआरएम**
- **तार्किक प्रबंधन**

इकाई 9: व्यवसाय के कानूनी पहलू

- **भारतीय संविदा अधिनियम, 1872:**
  - वैध अनुबंध के तत्व
  - पार्टियों की क्षमता
  - स्वतंत्र सहमति
  - अनुबंध का निर्वहन
  - अनुबंध का उल्लंघन और उल्लंघन के विरुद्ध उपाय
  - अर्ध अनुबंध
- **विशेष अनुबंध:**
  - क्षतिपूर्ति और गारंटी के अनुबंध
  - निक्षेप और प्रतिज्ञा के अनुबंध
  - एजेंसी के अनुबंध
- **माल विक्रय अधिनियम, 1930:**
  - बिक्री और बिक्री के लिए समझौता
  - कैवेट एम्प्टर का सिद्धांत

All Subject's Complete Study Material KIT available.
Professor Adda Call WhatsApp Now 7690022111 / 9216228788

- ○ अवैतनिक विक्रेता के अधिकार और खरीदार के अधिकार
- **परक्राम्य लिखत अधिनियम, 1881:**
  - ○ परक्राम्य लिखतों के प्रकार
  - ○ बातचीत और असाइनमेंट
  - ○ परक्राम्य लिखतों का अनादर और उन्मोचन
- **कंपनी अधिनियम, 2013:**
  - ○ कंपनियों की प्रकृति और प्रकार
  - ○ कंपनी निर्माण
  - ○ संयुक्त स्टॉक कंपनी का प्रबंधन, बैठकें और समापन
- **सीमित देयता भागीदारी: भारत में एलएलपी के गठन की संरचना और प्रक्रिया**
- **प्रतिस्पर्धा अधिनियम, 2002: उद्देश्य और मुख्य प्रावधान**
- **सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम, 2000: उद्देश्य और मुख्य प्रावधान; साइबर अपराध और दंड**
- **आरटीआई अधिनियम, 2005: उद्देश्य और मुख्य प्रावधान**
- **बौद्धिक संपदा अधिकार (आईपीआर): पेटेंट, ट्रेडमार्क और कॉपीराइट; बौद्धिक संपदा में उभरते मुद्दे**
- **वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी): उद्देश्य एवं मुख्य प्रावधान; जीएसटी के लाभ; कार्यान्वयन तंत्र; दोहरे जीएसटी की कार्यप्रणाली**

इकाई 10: आयकर और कॉर्पोरेट कर योजना

- **आयकर:**
  - ○ बुनियादी अवधारणाओं
  - ○ आवासीय स्थिति और कर प्रभाव
  - ○ छूट प्राप्त आय
  - ○ कृषि आय
  - ○ विभिन्न शीर्षों के अंतर्गत कर योग्य आय की गणना
  - ○ सकल कुल आय से कटौती
  - ○ व्यक्तियों का मूल्यांकन
  - ○ आय का संयोजन
- **अंतर्राष्ट्रीय कराधान:**
  - ○ दोहरा कराधान और उसके परिहार तंत्र
  - ○ हस्तांतरण मूल्य निर्धारण
- **कॉर्पोरेट कर योजना:**
  - ○ कॉर्पोरेट कर नियोजन की अवधारणाएँ और महत्व
  - ○ कर परिहार बनाम कर चोरी
  - ○ कॉर्पोरेट कर नियोजन की तकनीकें

- विशिष्ट व्यावसायिक स्थितियों में कर संबंधी विचार: निर्णय लेना या खरीदना; किसी परिसंपत्ति का स्वामित्व या पट्टे पर लेना; बनाए रखना; परिसंपत्ति का नवीनीकरण या प्रतिस्थापन; परिचालन बंद करना या जारी रखना

- **स्रोत पर कर की कटौती और संग्रहण**
- **कर का अग्रिम भुगतान**
- **आयकर रिटर्न की ई-फाइलिंग**

PAID STUDENTS BENEFITS

- ✓ Access to PYQs of the Upcoming 1 year Exams
- ✓ Entry into Quiz Group + Premium Materials
- ✓ 20% Discount on Future Purchases /For Referring a Friend
- ✓ Access to Current Affairs + Premium Study Group

NOTE: Please share your Fee Receipt or Payment Screenshot for activation.

Click here to join

Call us/whatapp +91 7690022111 +91 9216228788

यूजीसी नेट कॉमर्स यूनिट -1 ई-बुक

5. अंतर्राष्ट्रीय व्यापार के सिद्धांत

ये सिद्धांत यह समझने के लिए रूपरेखा प्रदान करते हैं कि देश अंतर्राष्ट्रीय व्यापार में क्यों संलग्न होते हैं और उन्हें क्या लाभ प्राप्त होते हैं।

1. वणिकवाद (16वीं-18वीं शताब्दी):

- **मुख्य विचार:** किसी देश की संपत्ति और शक्ति सीधे तौर पर उसके सोने और चांदी (बुलियन) के संचय से संबंधित होती है। इसे प्राप्त करने के लिए, किसी देश को निर्यात को अधिकतम करना चाहिए और आयात को न्यूनतम करना चाहिए, ताकि लगातार व्यापार अधिशेष का लक्ष्य रखा जा सके।
- **सरकार की भूमिका:** घरेलू उद्योगों की रक्षा (आयात पर शुल्क), निर्यात को सब्सिडी, तथा कच्चे माल और बाजारों को सुरक्षित करने के लिए औपनिवेशिक विस्तार को बढ़ावा देने हेतु सशक्त सरकारी हस्तक्षेप।
- **व्यापार का दृष्टिकोण: शून्य-योग खेल** , जहां एक देश का लाभ दूसरे देश की कीमत पर होता है।
- **आलोचना: डेविड ह्यूम** (1752, व्यापार संतुलन के बारे में) ने "मूल्य-प्रजाति प्रवाह तंत्र" के साथ व्यापारिकता को गलत साबित किया, तर्क देते हुए कि लगातार व्यापार अधिशेष (सोने का प्रवाह) घरेलू मुद्रास्फीति को बढ़ावा देगा, जिससे निर्यात कम प्रतिस्पर्धी और आयात अधिक आकर्षक हो जाएगा, अंततः अधिशेष को सही करेगा। इसके अलावा, यह समग्र वैश्विक उत्पादन को प्रतिबंधित करता है।

2. पूर्ण लाभ का सिद्धांत: एडम स्मिथ (1776, द वेल्थ ऑफ नेशंस)।

- **मुख्य विचार:** किसी देश को उन वस्तुओं के उत्पादन और निर्यात में विशेषज्ञता हासिल करनी चाहिए जिसमें उसे **पूर्ण लाभ हो** (किसी अन्य देश की तुलना में अधिक कुशलता से या कम श्रम/संसाधनों के साथ उत्पादन कर सकता है)। उसे उन वस्तुओं का आयात करना चाहिए जिनमें अन्य देशों को पूर्ण लाभ हो।
- **मान्यताएँ:** दो देश, दो वस्तुएँ, श्रम ही उत्पादन का एकमात्र कारक है, पूर्ण प्रतिस्पर्धा, मुक्त व्यापार, पैमाने पर निरंतर प्रतिफल।
- **लाभ:** विशेषज्ञता के माध्यम से वैश्विक उत्पादन और दक्षता में वृद्धि होती है, जिससे व्यापार एक **सकारात्मक-योग खेल बन जाता है** ।
- **सीमा:** यदि किसी देश को सभी वस्तुओं के उत्पादन में पूर्ण लाभ प्राप्त है, तो व्यापार पैटर्न की व्याख्या करने में यह विफल रहता है।

3. **तुलनात्मक लाभ का सिद्धांत: डेविड रिकार्डो** (1817, राजनीतिक अर्थव्यवस्था और कराधान के सिद्धांतों पर)।
   - **मुख्य विचार:** भले ही किसी देश को सभी वस्तुओं के उत्पादन में पूर्ण लाभ हो, फिर भी पारस्परिक रूप से लाभकारी व्यापार हो सकता है। किसी देश को उन वस्तुओं के उत्पादन और निर्यात में विशेषज्ञता हासिल करनी चाहिए जिनमें उसे **तुलनात्मक लाभ हो** (दूसरे देश के सापेक्ष कम अवसर लागत पर उत्पादन कर सकता है)।
   - **अवसर लागत:** किसी वस्तु की एक इकाई का उत्पादन करने के लिए अगले सर्वोत्तम विकल्प का मूल्य जिसे त्यागना पड़ता है।
   - **मान्यताएँ:** पूर्ण लाभ के समान।
   - **लाभ:** व्यापार एक **सकारात्मक-योग खेल है** , जिससे सभी व्यापारिक साझेदारों के लिए, यहां तक कि कम कुशल देशों के लिए भी, समग्र दक्षता और उपभोग की संभावनाएं बढ़ जाती हैं।
   - **उदाहरण:** यदि देश A समान श्रम से 10 यूनिट वाइन या 20 यूनिट कपड़ा बनाता है, और देश B 5 यूनिट वाइन या 8 यूनिट कपड़ा बनाता है, तो A को दोनों में पूर्ण लाभ है। लेकिन 1 वाइन के लिए A की अवसर लागत 2 कपड़ा है, जबकि B की 1.6 कपड़ा है। इसलिए B को वाइन में तुलनात्मक लाभ है। A को कपड़े में तुलनात्मक लाभ है (A के लिए 1 कपड़े की अवसर लागत 0.5 वाइन है, जबकि B के लिए 0.625 है)। दोनों ही विशेषज्ञता और व्यापार करके लाभ उठा सकते हैं।

- **निहितार्थ:** व्यापार पैटर्न सापेक्ष उत्पादकता अंतर से निर्धारित होते हैं।

4. **हेक्स्चर-ओहलिन सिद्धांत (कारक बंदोबस्ती सिद्धांत): एली हेक्सचर** (1919) और **बर्टिल ओहलिन** (1933)।
   - **मुख्य विचार: उत्पादकता अंतर के बजाय कारक निधि (भूमि, श्रम, पूंजी की सापेक्ष बहुतायत)** में अंतर , व्यापार पैटर्न की व्याख्या करते हैं। एक देश उन वस्तुओं का निर्यात करेगा जो उसके अपेक्षाकृत प्रचुर और सस्ते उत्पादन कारक का गहन उपयोग करते हैं, और उन वस्तुओं का आयात करते हैं जो उसके अपेक्षाकृत दुर्लभ और महंगे कारक का गहन उपयोग करते हैं।
   - **मान्यताएँ:** दो देश, दो वस्तुएँ, उत्पादन के दो कारक (श्रम और पूंजी), विभिन्न देशों में समान उत्पादन तकनीक, समान रुचि और प्राथमिकताएँ, कारक अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर अचल लेकिन घरेलू स्तर पर गतिशील, पूर्ण प्रतिस्पर्धा।
   - **उदाहरण:** भारत जैसा श्रम-प्रचुर देश श्रम-प्रधान वस्तुओं (जैसे, वस्त्र, हस्तशिल्प) का निर्यात करेगा, जबकि जर्मनी जैसा पूंजी-प्रचुर देश पूंजी-प्रधान वस्तुओं (जैसे, मशीनरी, ऑटोमोबाइल) का निर्यात करेगा।
   - **आलोचना: लियोन्टीफ विरोधाभास (वासिली लियोन्टीफ, 1953):** अनुभवजन्य अध्ययन में पाया गया कि अमेरिका (एक पूंजी-प्रचुर देश) अपेक्षाकृत श्रम-प्रधान वस्तुओं का निर्यात कर रहा था और पूंजी-प्रधान वस्तुओं का आयात कर रहा था। यह एचओ सिद्धांत का खंडन करता है, यह सुझाव देते हुए कि अन्य कारक (जैसे, मानव पूंजी, प्रौद्योगिकी) भी इसमें भूमिका निभा रहे थे।

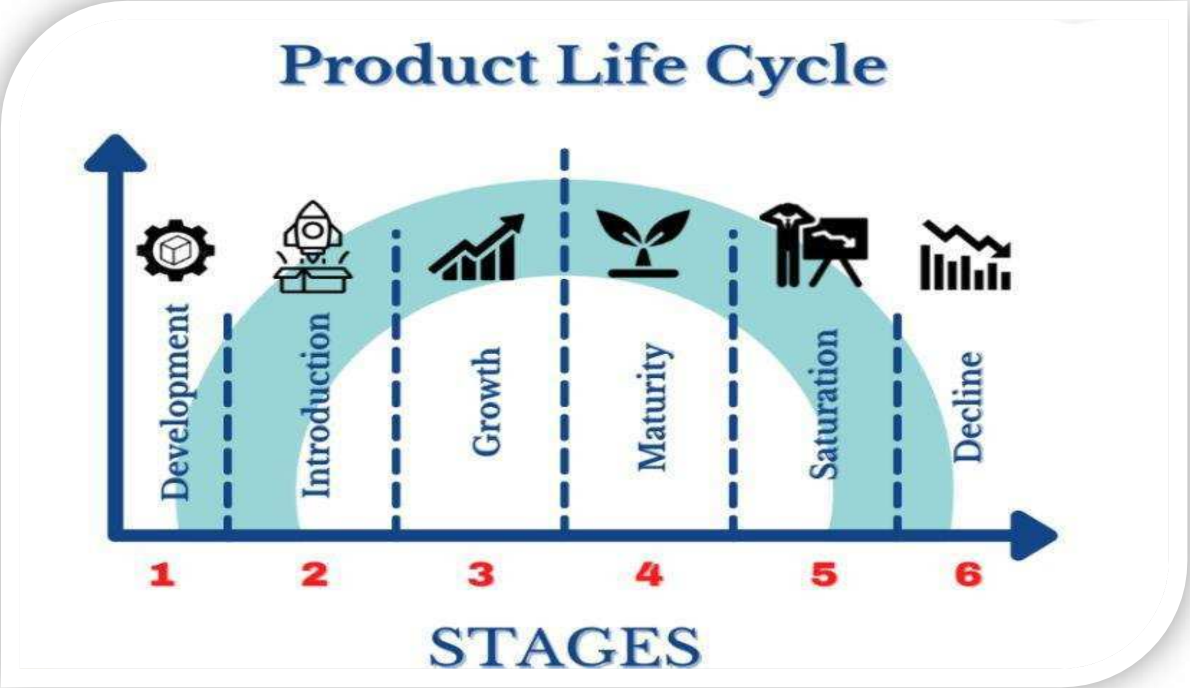

5. **उत्पाद जीवन चक्र सिद्धांत: रेमंड वर्नोन** (1966, "उत्पाद चक्र में अंतर्राष्ट्रीय निवेश और अंतर्राष्ट्रीय व्यापार").

- **मुख्य विचार:** किसी नए उत्पाद के उत्पादन और निर्यात का स्थान उसके जीवन चक्र के दौरान बदलता रहता है, जो आमतौर पर नवप्रवर्तन करने वाले विकसित देश से शुरू होता है, फिर अन्य विकसित देशों में जाता है, और अंततः विकासशील देशों में पहुंचता है।
- **चरण:**
  - **नया उत्पाद चरण (नवाचार करने वाला देश - जैसे, अमेरिका):** उत्पाद नया है, मांग अनिश्चित है, उत्पादन लचीला है, कुशल श्रम महत्वपूर्ण है। नवाचार करने वाला देश उत्पाद का निर्यात करता है।
  - **परिपक्व उत्पाद चरण (अन्य विकसित देश):** अन्य विकसित देशों में मांग बढ़ती है। उत्पादन मानकीकरण बड़े पैमाने पर उत्पादन की अनुमति देता है। विदेशी प्रतिस्पर्धा बढ़ जाती है, इसलिए फर्म अन्य विकसित देशों में उत्पादन शुरू कर देती हैं। नवप्रवर्तन करने वाले देश के निर्यात में गिरावट आ सकती है, और वह अन्य विकसित देशों से आयात करना शुरू कर सकता है।
  - **मानकीकृत उत्पाद चरण (विकासशील देश):** उत्पाद व्यापक रूप से स्वीकार किया जाता है, उत्पादन अत्यधिक मानकीकृत होता है, लागत में कमी पर जोर दिया जाता है। उत्पादन कम श्रम लागत वाले विकासशील देशों में

चला जाता है। नवप्रवर्तन करने वाला देश उत्पाद का आयातक बन जाता है।

- **निहितार्थ:** व्यापार और निवेश के बदलते पैटर्न, विशेष रूप से निर्मित वस्तुओं के लिए, की व्याख्या करता है।
- **सीमाएं:** बहुत कम जीवन चक्र वाले उत्पादों के लिए या एक साथ वैश्विक उत्पाद प्रस्तुत करने वाले उद्योगों के लिए कम प्रासंगिक (जैसे, कई उच्च तकनीक वाले उत्पाद)।

6. नया व्यापार सिद्धांत: पॉल क्रुगमैन (1970-1980 के दशक, 2008 में आंशिक रूप से इसी कार्य के लिए अर्थशास्त्र में नोबेल पुरस्कार से सम्मानित)

- **मुख्य विचार: व्यापार पैटर्न केवल कारक बंदोबस्ती के आधार पर तुलनात्मक लाभ से ही निर्धारित नहीं होते हैं, बल्कि पैमाने की अर्थव्यवस्थाओं** और **नेटवर्क प्रभावों** की उपस्थिति से भी निर्धारित होते हैं । यह सिद्धांत **अंतर-उद्योग व्यापार** (समान वस्तुओं का व्यापार करने वाले देश) की व्याख्या करता है।
- **पैमाने की अर्थव्यवस्थाएँ:** जैसे-जैसे किसी फर्म का उत्पादन बढ़ता है, उसके उत्पादन की औसत लागत घटती जाती है। यह फर्मों को कुछ किस्मों में विशेषज्ञता हासिल करने और वैश्विक बाजार के लिए उनका उत्पादन करने के लिए प्रोत्साहन प्रदान करता है, भले ही देश कारक संपदा में समान हों।
- **प्रथम-प्रवर्तक लाभ:** वे कम्पनियां जो किसी उद्योग में शीघ्र उपस्थिति स्थापित कर लेती हैं (विशेष रूप से वे जिनकी निश्चित लागत अधिक होती है और सीखने के प्रभाव अधिक होते हैं) वे पैमाने की अर्थव्यवस्थाएं प्राप्त कर सकती हैं, ब्रांड निष्ठा का निर्माण कर सकती हैं, तथा बाद में प्रवेश करने वालों के लिए प्रवेश में बाधाएं उत्पन्न कर सकती हैं, इस प्रकार उस उद्योग में वैश्विक व्यापार पर प्रभुत्व स्थापित कर सकती हैं।
- **अंतर-उद्योग व्यापार:** यह बताता है कि क्यों देश एक ही उद्योग के भीतर अलग-अलग उत्पादों का व्यापार करते हैं (उदाहरण के लिए, जर्मनी जापान को BMW का निर्यात करता है, और जापान जर्मनी को टोयोटा का निर्यात करता है)। उत्पादों की अधिक विविधता से उपभोक्ताओं को लाभ होता है।
- **निहितार्थ:** सरकारें विशिष्ट उद्योगों को प्रथम-प्रवर्तक लाभ प्राप्त करने के लिए रणनीतिक व्यापार नीति का उपयोग कर सकती हैं।

7. राष्ट्रीय प्रतिस्पर्धात्मक लाभ (पोर्टर डायमंड): माइकल पोर्टर (1990, राष्ट्रों का प्रतिस्पर्धात्मक लाभ)।

- **मुख्य विचार:** यह बताता है कि किसी देश के भीतर कुछ उद्योग अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रतिस्पर्धी क्यों हैं। यह चार व्यापक विशेषताओं ("हीरा") की पहचान करता है जो उस वातावरण को आकार देते हैं जिसमें स्थानीय फर्म प्रतिस्पर्धा करती हैं, प्रतिस्पर्धी लाभ के निर्माण को बढ़ावा देती हैं या बाधा डालती हैं।
- **चार विशेषताएँ:**
  - **कारक निधि:** उत्पादन के कारकों में एक राष्ट्र की स्थिति (जैसे, कुशल श्रम, बुनियादी ढाँचा)। पोर्टर इनमें अंतर करते हैं:
    - मूल कारक: प्राकृतिक संसाधन, जलवायु, अकुशल श्रम (विरासत में मिला)।
    - उन्नत कारक: कुशल श्रम, अनुसंधान क्षमताएं, तकनीकी अवसंरचना (निवेश के माध्यम से निर्मित, निरंतर लाभ के लिए महत्वपूर्ण)।
  - **मांग की स्थिति:** उद्योग के उत्पाद या सेवा के लिए घर की मांग की प्रकृति। परिष्कृत और मांग करने वाले घरेलू खरीदार फर्मों को तेजी से नवाचार करने और गुणवत्ता को उन्नत करने के लिए प्रेरित करते हैं।
  - **संबंधित और सहायक उद्योग:** अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर प्रतिस्पर्धी आपूर्तिकर्ता उद्योगों और संबंधित उद्योगों की उपस्थिति या अनुपस्थिति। प्रतिस्पर्धी उद्योगों के [10] समूह (जैसे, आईटी के लिए सिलिकॉन वैली) विशेष आपूर्तिकर्ताओं के बीच सूचना के आदान-प्रदान और स्वस्थ प्रतिस्पर्धा के माध्यम से नवाचार को बढ़ावा दे सकते हैं।
  - **फर्म की रणनीति, संरचना और प्रतिद्वंद्विता:** कंपनियों के निर्माण, संगठन और प्रबंधन को नियंत्रित करने वाली स्थितियाँ और घरेलू प्रतिद्वंद्विता की प्रकृति। [11] तीव्र घरेलू प्रतिद्वंद्विता फर्मों को नवाचार करने, गुणवत्ता में सुधार करने और लागत कम करने के लिए मजबूर करती है, जिससे वे वैश्विक प्रतिस्पर्धा के लिए तैयार हो जाते हैं।
- **सरकार की भूमिका:** सरकारी नीतियां (जैसे, सब्सिडी, शिक्षा नीतियां, एंटी-ट्रस्ट कानून) चारों विशेषताओं को प्रभावित कर सकती हैं।
- **संयोग की भूमिका:** अप्रत्याशित घटनाएं (जैसे, युद्ध, तकनीकी सफलताएं) उद्योग संरचना को बदल सकती हैं और नए अवसर पैदा कर सकती हैं।
- **निहितार्थ:** विशिष्ट उद्योगों में राष्ट्रीय प्रतिस्पर्धात्मकता को समझने और बढ़ावा देने के लिए एक समग्र रूपरेखा प्रदान करता है, तथा सुझाव देता है कि सरकारी नीतियों को हीरे की इन विशेषताओं को बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए।

All Subject's Complete Study Material KIT available.
Professor Adda Call WhatsApp Now 7690022111 / 9216228788

अंतर्राष्ट्रीय व्यापार के सिद्धांत

सिद्धांत का नाम	मुख्य प्रस्तावक	मुख्य विचार/फोकस	मुख्य मान्यताएँ/विशेषताएँ
शास्त्रीय सिद्धांत			
वणिकवाद	(16वीं-18वीं शताब्दी के विचारक)	राष्ट्रीय संपत्ति को बहुमूल्य धातुओं (सोना और चांदी) के संचय से मापा जाता है। निर्यात को बढ़ावा दें और आयात को प्रतिबंधित करें।	व्यापार एक शून्य-योग खेल है (एक देश का लाभ दूसरे देश का नुकसान है)। सरकारी हस्तक्षेप महत्वपूर्ण है (टैरिफ, सब्सिडी)। व्यापार अधिशेष पर ध्यान दें।
पूर्ण लाभ	एडम स्मिथ (1776)	किसी देश को उन वस्तुओं में विशेषज्ञता हासिल करनी चाहिए और उनका निर्यात करना चाहिए जिन्हें वह अन्य देशों की तुलना में अधिक कुशलता से (कम संसाधनों के साथ) उत्पादित कर सकता है।	श्रम उत्पादन का प्राथमिक कारक है और समरूप है। मुक्त व्यापार। कोई परिवहन लागत नहीं। पैमाने पर निरंतर रिटर्न।
तुलनात्मक लाभ	डेविड रिकार्डो (1817)	किसी देश को उन वस्तुओं में विशेषज्ञता हासिल करनी चाहिए और उनका निर्यात करना चाहिए जिनकी उत्पादन लागत कम हो, भले ही उसे सभी वस्तुओं में पूर्ण लाभ प्राप्त हो।	श्रम उत्पादन का एकमात्र कारक है। विभिन्न देशों में अलग-अलग श्रम उत्पादकताएँ होती हैं। पैमाने पर निरंतर रिटर्न। कोई परिवहन लागत नहीं। पूर्ण प्रतिस्पर्धा।
हेक्सचर-ओहलिन (कारक अनुपात) सिद्धांत	एली हेक्शर और बर्टिल ओहलिन (20वीं सदी की शुरुआत)	देश ऐसी वस्तुओं का निर्यात करते हैं जिनमें उनके उत्पादन के स्थानीय रूप से प्रचुर कारकों का गहन उपयोग होता है, तथा ऐसी वस्तुओं का आयात करते हैं जिनमें उनके स्थानीय रूप से दुर्लभ कारकों का गहन उपयोग होता है।	दो देश, दो वस्तुएँ, उत्पादन के दो कारक (जैसे, श्रम और पूंजी)। विभिन्न देशों में कारक संपदाएँ भिन्न-भिन्न होती हैं। सभी देशों में प्रौद्योगिकी एक जैसी है। पूर्ण प्रतिस्पर्धा। कारक घरेलू स्तर पर गतिशील होते हैं, लेकिन अंतरराष्ट्रीय स्तर पर स्थिर होते हैं।
आधुनिक सिद्धांत			
उत्पाद जीवन-चक्र सिद्धांत	रेमंड वर्नोन (1960 का दशक)	किसी उत्पाद का उत्पादन नवप्रवर्तनशील (विकसित) देश से अन्य उन्नत देशों में तथा उसके बाद उत्पाद के परिपक्व होने और मानकीकृत हो जाने पर विकासशील देशों में स्थानांतरित	नवाचार उच्च आय वाले देशों में होता है। चरण: नया उत्पाद, परिपक्व उत्पाद, मानकीकृत उत्पाद। समय के साथ तकनीक और उत्पादन के तरीके बदलते हैं।

		हो जाता है।	
देश समानता सिद्धांत	स्टाफ़न लिंडर (1961)	प्रति व्यक्ति आय और वरीयता के समान स्तर वाले देश एक-दूसरे के साथ अधिक गहनता से व्यापार करेंगे, विशेष रूप से विभेदित निर्मित वस्तुओं के क्षेत्र में।	आपूर्ति के बजाय मांग पर ध्यान केंद्रित किया जाता है। अंतर-उद्योग व्यापार (समान उत्पादों में व्यापार) आम बात है। समान आय स्तर वाले देशों में उपभोक्ता प्राथमिकताएँ समान होती हैं।
नया व्यापार सिद्धांत	पॉल क्रुगमैन, केल्विन लैंकेस्टर (1970-1980)	पैमाने की अर्थव्यवस्थाओं (उत्पादन में वृद्धि के साथ औसत लागत में गिरावट) और नेटवर्क प्रभाव के कारण समान देशों के बीच व्यापार उत्पन्न हो सकता है, यहां तक कि तुलनात्मक लाभ में अंतर के बिना भी।	अपूर्ण प्रतिस्पर्धा (एकाधिकार प्रतियोगिता, अल्पाधिकार)। पैमाने पर प्रतिफल में वृद्धि। उत्पाद विभेदीकरण। पहले कदम उठाने वाले के लाभ।
राष्ट्रीय प्रतिस्पर्धात्मक लाभ (पोर्टर्स डायमंड)	माइकल पोर्टर (1990)	किसी उद्योग में किसी राष्ट्र की प्रतिस्पर्धात्मकता, उद्योग की नवप्रवर्तन और उन्नयन की क्षमता पर निर्भर करती है, जो चार परस्पर संबंधित विशेषताओं ("हीरा") द्वारा निर्धारित होती है।	चार विशेषताएँ: कारक स्थितियाँ (कुशल श्रम, बुनियादी ढाँचा), माँग स्थितियाँ (परिष्कृत घर की माँग), संबंधित और सहायक उद्योग (प्रतिस्पर्धी आपूर्तिकर्ताओं की उपस्थिति), फर्म की रणनीति, संरचना और प्रतिद्वंद्विता। सरकार और मौका भी भूमिका निभाते हैं।
व्यापार का गुरुत्व मॉडल	(अनुभवजन्य अवलोकन, वाल्टर इसार्ड, जान टिनबर्गेन)	यह पूर्वानुमान लगाया गया है कि दो देशों के बीच द्विपक्षीय व्यापार उनके सकल घरेलू उत्पाद के गुणनफल के समानुपाती तथा उनके बीच की दूरी के व्युत्क्रमानुपाती होता है। [1]	बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में व्यापार अधिक होता है। दूरी (परिवहन लागत, सांस्कृतिक अंतर) व्यापार में बाधा के रूप में कार्य करती है। आम भाषा, व्यापार समझौते जैसे अन्य कारक भी प्रभावित करते हैं।

PAID STUDENTS BENEFITS

- ✓ Access to PYQs of the Upcoming 1 year Exams
- ✓ Entry into Quiz Group + Premium Materials
- ✓ 20% Discount on Future Purchases /For Referring a Friend
- ✓ Access to Current Affairs + Premium Study Group

NOTE: Please share your Fee Receipt or Payment Screenshot for activation.

Click here to join

7. प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) और विदेशी पोर्टफोलियो निवेश (एफपीआई)

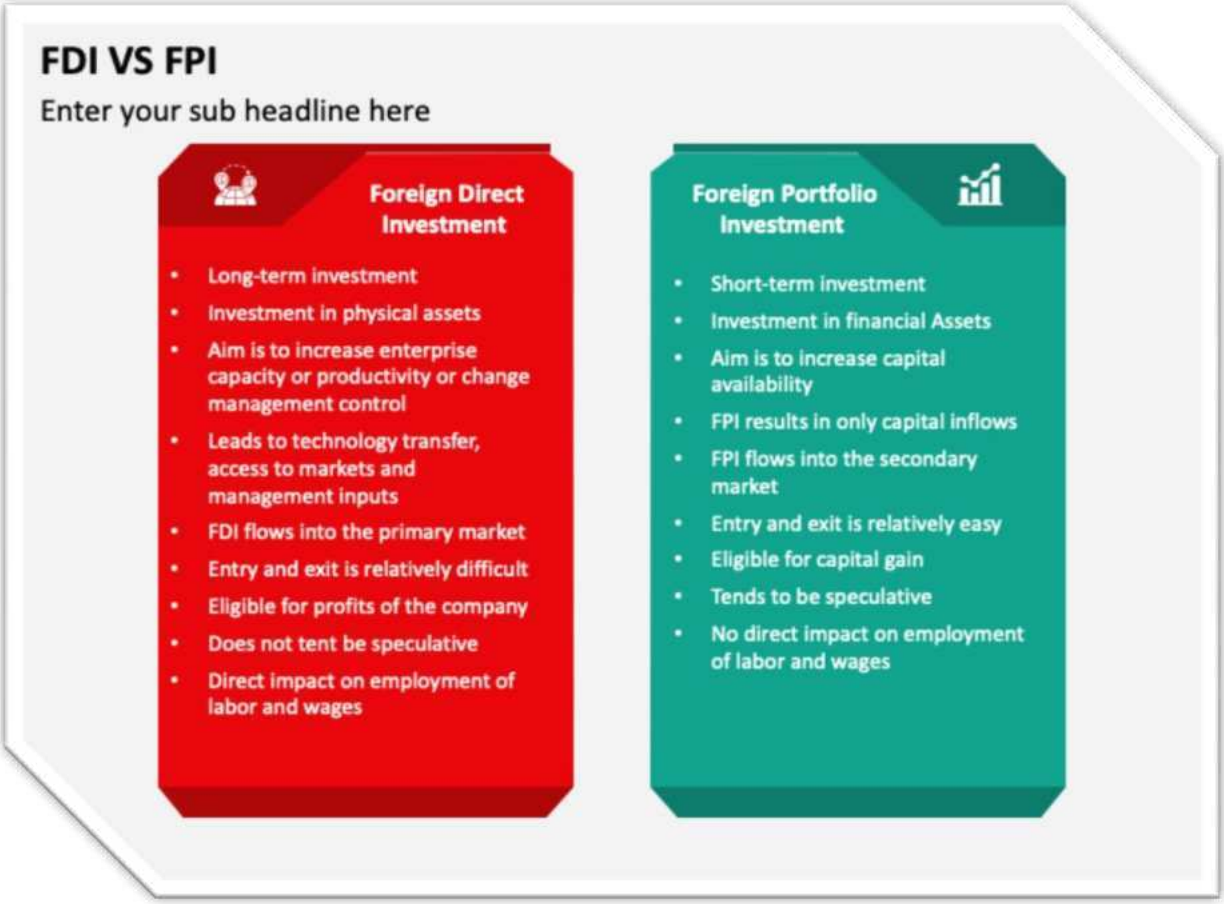

ये विदेशी पूंजी प्रवाह के दो प्राथमिक चैनल हैं, जो किसी देश के आर्थिक विकास के लिए महत्वपूर्ण हैं, लेकिन इनकी विशेषताएं अलग-अलग हैं।

A. प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई)

- **परिभाषा:** किसी देश (गृह देश) में स्थित किसी इकाई (कंपनी या व्यक्ति) द्वारा किसी अन्य देश (मेजबान देश) में स्थित व्यावसायिक हितों में किया गया निवेश, जिसका उद्देश्य **स्थायी हित स्थापित करना** और विदेशी इकाई पर **महत्वपूर्ण**

प्रबंधकीय प्रभाव या नियंत्रण का प्रयोग करना है। FDI के लिए सीमा आम तौर पर **10% या उससे अधिक की इक्विटी हिस्सेदारी है** ।

- **विशेषताएँ:**
  - **दीर्घकालिक:** इसमें पूंजी और संसाधनों की दीर्घकालिक प्रतिबद्धता शामिल है।
  - **नियंत्रण/प्रभाव:** विदेशी परिचालन पर नियंत्रण या महत्वपूर्ण प्रभाव प्राप्त करना।
  - **संसाधनों का हस्तांतरण:** इसमें पूंजी, प्रौद्योगिकी, प्रबंधकीय विशेषज्ञता और ज्ञान का हस्तांतरण शामिल है।
  - **कम तरलता:** शीघ्रता से बाहर निकलना कठिन।
  - **स्थिर:** अल्पकालिक सट्टा आंदोलनों के प्रति कम प्रवण।

- **एफडीआई के प्रकार (दिशा/उद्देश्य के आधार पर):**
  - **क्षैतिज एफडीआई:** एक कंपनी किसी विदेशी देश में उसी प्रकार की वस्तुओं या सेवाओं का उत्पादन करने के लिए निवेश करती है, जैसा वह अपने देश में करती है।
    - उदाहरण: एक जर्मन ऑटोमोबाइल निर्माता कंपनी भारत में कार असेंबली प्लांट खोल रही है।
  - **वर्टिकल एफडीआई:** एक कंपनी अपने घरेलू देश के परिचालन के सापेक्ष अपनी मूल्य श्रृंखला में अपस्ट्रीम या डाउनस्ट्रीम परिचालन स्थापित करने के लिए किसी विदेशी देश में निवेश करती है।
    - बैकवर्ड वर्टिकल एफडीआई: इनपुट के विदेशी आपूर्तिकर्ता का अधिग्रहण करना। (उदाहरण के लिए, एक कार निर्माता द्वारा विदेश में स्टील संयंत्र में निवेश करना)।
    - फॉरवर्ड वर्टिकल एफडीआई: किसी विदेशी वितरक या बिक्री केंद्र का अधिग्रहण करना (उदाहरण के लिए, किसी पेय पदार्थ कंपनी द्वारा विदेशी बाजार में बॉटलिंग प्लांट खरीदना)।
  - **समूह एफडीआई (Conglomerate FDI):** कोई कंपनी किसी विदेशी व्यवसाय में निवेश करती है, जो उसके गृह देश में स्थित मुख्य व्यवसाय से संबंधित नहीं होता।
    - उदाहरण: एक प्रौद्योगिकी कंपनी किसी विदेशी देश में फैशन खुदरा श्रृंखला में निवेश कर रही है।

All Subject's Complete Study Material KIT available.
Professor Adda Call WhatsApp Now 7690022111 / 9216228788

- **एफडीआई के प्रकार (प्रवेश मोड के आधार पर - अनुभाग 4 में शामिल, लेकिन यहां भी महत्वपूर्ण):**
  - **ग्रीनफील्ड निवेश:** किसी विदेशी देश में एकदम नई सुविधा (जैसे, कारखाना, कार्यालय) स्थापित करना। (उच्च नियंत्रण, उच्च जोखिम, उच्च लागत, समय लेने वाला)।
  - **विलय और अधिग्रहण (एम एंड ए):** किसी मौजूदा कंपनी को खरीदना (अधिग्रहण) या विदेशी देश में किसी स्थानीय कंपनी के साथ विलय करना (विलय)। (तेज़ प्रवेश, मौजूदा परिसंपत्तियों/बाज़ार हिस्सेदारी तक पहुंच, लेकिन एकीकरण चुनौतियां)।
  - **संयुक्त उद्यम:** दो या अधिक मूल कंपनियों (अक्सर विदेशी और स्थानीय) द्वारा संयुक्त रूप से स्वामित्व वाली एक नई इकाई का निर्माण। (साझा जोखिम, स्थानीय ज्ञान तक पहुंच, लेकिन संघर्ष की संभावना)।

बी. विदेशी पोर्टफोलियो निवेश (एफपीआई)

- **परिभाषा:** किसी विदेशी देश में वित्तीय परिसंपत्तियों (जैसे, स्टॉक, बॉन्ड, म्यूचुअल फंड, डेरिवेटिव) में निष्क्रिय निवेश, प्रबंधकीय नियंत्रण या स्थायी हित प्राप्त करने के इरादे के बिना। इक्विटी हिस्सेदारी आम तौर पर **10% से कम होती है** ।
- **विशेषताएँ:**
  - **अल्पावधि:** प्रायः अल्पावधि वित्तीय लाभ से प्रेरित।
  - **कोई नियंत्रण नहीं:** निवेशक प्रबंधन को प्रभावित नहीं करना चाहते।
  - **तरल:** खरीदना और बेचना आसान, जिससे शीघ्र प्रवेश और निकास संभव हो।
  - **अस्थिर:** आर्थिक और राजनीतिक समाचारों के प्रति अत्यधिक संवेदनशील, तीव्र अंतर्वाह ("हॉट मनी") और अचानक बहिर्वाह के प्रति प्रवण, जो वित्तीय बाजारों और विनिमय दरों को अस्थिर कर सकता है।
- **निवेशक:** विदेशी संस्थागत निवेशक (एफआईआई), विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक (एफपीआई), योग्य विदेशी निवेशक (क्यूएफआई), अनिवासी भारतीय (एनआरआई)। [12]

सी. घरेलू और मेजबान देशों में एफडीआई की लागत और लाभ

- **मेजबान देशों को (एफडीआई प्राप्त करने वाले):**
    - **फ़ायदे:**
        - **पूंजी प्रवाह:** घरेलू बचत को बढ़ाता है, निवेश और आर्थिक विकास के लिए धन उपलब्ध कराता है।
        - **प्रौद्योगिकी हस्तांतरण:** उन्नत उत्पादन प्रक्रियाएं, अनुसंधान एवं विकास क्षमताएं, प्रबंधन तकनीकें और तकनीकी जानकारी लाता है।
        - **रोजगार सृजन:** प्रत्यक्ष रूप से (विदेशी इकाई में) और अप्रत्यक्ष रूप से (सहायक उद्योगों, स्थानीय आपूर्तिकर्ताओं में) नए रोजगार सृजित होते हैं।
        - **कौशल विकास:** प्रशिक्षण, क्षमता निर्माण और अंतर्राष्ट्रीय सर्वोत्तम प्रथाओं से परिचित कराकर स्थानीय कार्यबल के कौशल में सुधार किया जाता है।
        - **प्रतिस्पर्धा में वृद्धि:** घरेलू फर्मों के बीच दक्षता और नवाचार को बढ़ावा मिलता है, जिससे उपभोक्ताओं को बेहतर उत्पाद और सेवाएं प्राप्त होती हैं।
        - **आर्थिक विकास और विविधीकरण:** सकल घरेलू उत्पाद वृद्धि, औद्योगिक आधार के विविधीकरण और निर्यात में योगदान देता है।
        - **भुगतान संतुलन (बीओपी) में सुधार:** प्रारंभिक निवेश वित्तीय खाते में जमा होता है। दीर्घावधि में, यदि एफडीआई से निर्यात में वृद्धि होती है, तो इससे चालू खाते में सुधार होता है।
        - **कर राजस्व में वृद्धि:** कॉर्पोरेट मुनाफे और रोजगार सृजन से।
    - **लागत:**
        - **क्राउडिंग आउट प्रभाव:** घरेलू फर्मों को विस्थापित करने या उनसे प्रतिस्पर्धा करने की क्षमता, जिसके परिणामस्वरूप स्थानीय उद्योगों में बंदियां और नौकरियां समाप्त हो सकती हैं।
        - **मुनाफे का प्रत्यावर्तन:** विदेशी कंपनियों द्वारा मुनाफे, लाभांश, रॉयल्टी को अपने देश में वापस भेजने के कारण विदेशी मुद्रा का दीर्घकालिक बहिर्वाह होता है, जिससे चालू खाता शेष की स्थिति और खराब हो सकती है।
        - **घरेलू नियंत्रण की हानि:** विदेशी कंपनियां मेजबान देश के हितों की अपेक्षा अपनी वैश्विक रणनीतियों को प्राथमिकता दे सकती हैं, तथा रणनीतिक क्षेत्र विदेशी नियंत्रण में आ सकते हैं।
        - **पर्यावरण संबंधी चिंताएं:** यदि विदेशी कंपनियां ढीले पर्यावरण नियमों या गैर-टिकाऊ प्रथाओं का फायदा उठाती हैं।

- **सांस्कृतिक प्रभाव:** विदेशी सांस्कृतिक मानदंडों से स्थानीय परंपराओं को कमजोर करने की संभावना।
- **श्रम का शोषण:** यदि विदेशी कंपनियां सस्ते श्रम या कमजोर श्रम कानूनों का शोषण करना चाहती हैं।
- **एन्क्लेव अर्थव्यवस्था:** विदेशी कंपनियां स्थानीय अर्थव्यवस्था से सीमित संपर्क के साथ पृथक "एन्क्लेव" के रूप में काम कर सकती हैं, जिससे स्पिलओवर लाभ में बाधा उत्पन्न होती है।

- **गृह देशों के लिए (एफडीआई निवेश):**
  - **फ़ायदे:**
    - **आय का प्रत्यावर्तन:** लाभ, लाभांश, रॉयल्टी और ब्याज स्वदेश में वापस आते हैं, जिससे उसके चालू खाते में सुधार होता है।
    - **निर्यात में वृद्धि:** एफडीआई से स्वदेश से मध्यवर्ती वस्तुओं, घटकों या पूंजीगत उपकरणों की मांग पैदा हो सकती है।
    - **सीखना और अनुभव:** कंपनियां अंतर्राष्ट्रीय परिचालन से नया बाजार ज्ञान, प्रौद्योगिकियां और प्रबंधन कौशल हासिल करती हैं।
    - **प्रतिस्पर्धात्मक लाभ:** फर्म की वैश्विक प्रतिस्पर्धी स्थिति और विविध राजस्व धाराओं को मजबूत करता है।
    - **नये बाजारों/संसाधनों तक पहुंच:** विदेशी बाजारों या दुर्लभ संसाधनों तक पहुंच सुनिश्चित करता है।
  - **लागत:**
    - **नौकरी का नुकसान (ऑफशोरिंग):** यदि उत्पादन या सेवाओं को विदेश में कम लागत वाले स्थानों पर स्थानांतरित किया जाता है, तो घरेलू नौकरियां खत्म हो सकती हैं।
    - **पूंजी बहिर्वाह:** अल्पावधि में घरेलू निवेश के लिए उपलब्ध पूंजी को कम करता है।
    - **उद्योग का "खोखला होना":** चिंता यह है कि व्यापक बाह्य एफडीआई से घरेलू औद्योगिक आधार कमजोर हो सकता है।
    - **कर राजस्व की हानि:** यदि लाभ विदेश में उत्पन्न किया जाता है और उस पर कर लगाया जाता है।

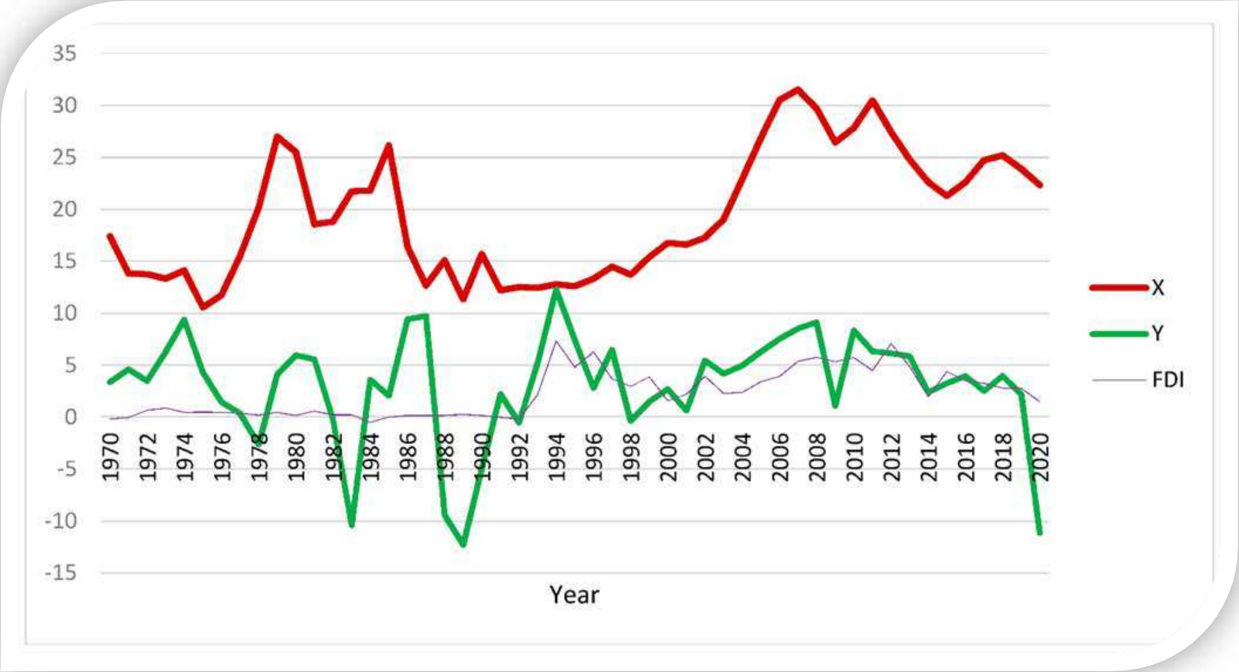

डी. एफडीआई में रुझान:

- **समग्र वृद्धि:** आर्थिक संकटों या भू-राजनीतिक घटनाओं से प्रेरित अल्पकालिक उतार-चढ़ाव के बावजूद, वैश्विक एफडीआई प्रवाह में आम तौर पर दीर्घावधि में वृद्धि हुई है।
- **विकासशील देशों की ओर रुझान:** उभरती अर्थव्यवस्थाएं (जैसे, चीन, भारत, ब्राजील, दक्षिण पूर्व एशिया) एफडीआई के लिए तेजी से आकर्षक गंतव्य बन गई हैं, जो वैश्विक प्रवाह में बढ़ती हिस्सेदारी के लिए जिम्मेदार हैं, जो बड़े घरेलू बाजारों और अपेक्षाकृत कम लागतों से प्रेरित हैं।
- **सेवा क्षेत्र का प्रभुत्व:** सेवाओं (आईटी, वित्त, खुदरा, दूरसंचार) में एफडीआई ने कई क्षेत्रों में विनिर्माण एफडीआई को पीछे छोड़ दिया है।
- **एम एंड ए का उदय:** सीमा पार विलय और अधिग्रहण एफडीआई का प्रमुख तरीका बना हुआ है, जिसे अक्सर बाजार में त्वरित प्रवेश के लिए प्राथमिकता दी जाती है।
- **अंतर-क्षेत्रीय एफडीआई:** क्षेत्रीय आर्थिक ब्लॉकों (जैसे, यूरोपीय संघ, आसियान के भीतर) के भीतर एफडीआई की वृद्धि।
- **डिजिटल अर्थव्यवस्था एफडीआई:** डिजिटल सेवाओं, डेटा केंद्रों और ई-कॉमर्स प्लेटफार्मों से संबंधित एफडीआई के नए रूप।
- **स्थिरता पर ध्यान:** जिम्मेदार निवेश पर जोर देते हुए, एफडीआई निर्णयों में पर्यावरण, सामाजिक और शासन (ईएसजी) कारकों का महत्व बढ़ाना।

भारत की एफडीआई नीति:

- **उद्देश्य:** त्वरित आर्थिक विकास और रोजगार सृजन के लिए घरेलू पूंजी, प्रौद्योगिकी और कौशल को पूरक बनाने हेतु विदेशी निवेश को आकर्षित करना और बनाए रखना।

- **नियामक निकाय:** वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय के तहत उद्योग संवर्धन और आंतरिक व्यापार विभाग (डीपीआईआईटी), [13] आरबीआई के परामर्श से।

- **एफडीआई मार्ग:**
  - **स्वचालित मार्ग:** एफडीआई के लिए सरकार या भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) से पूर्व अनुमोदन की आवश्यकता नहीं होती है। निवेशकों को केवल निवेश के बाद आरबीआई को सूचित करना होता है। अधिकांश क्षेत्र इस मार्ग के अंतर्गत आते हैं, अक्सर 100% तक (जैसे, विनिर्माण, सेवा, निर्माण, अधिकांश बुनियादी ढांचा क्षेत्र)।
  - **सरकारी मार्ग:** एफडीआई के लिए सरकार (डीपीआईआईटी/वित्त मंत्रालय, या क्षेत्र के लिए विशिष्ट प्रशासनिक मंत्रालय) की पूर्व स्वीकृति की आवश्यकता होती है। यह मार्ग रणनीतिक महत्व वाले क्षेत्रों, संवेदनशील क्षेत्रों या जहां क्षेत्रीय सीमाएं मौजूद हैं (जैसे, प्रसारण सामग्री, प्रिंट मीडिया, रक्षा विनिर्माण, मल्टी-ब्रांड खुदरा व्यापार) पर लागू होता है।

- **मुख्य विशेषताएं एवं क्षेत्रीय सीमाएं (उदाहरण):**
  - **स्वचालित मार्ग के तहत 100% एफडीआई:** विनिर्माण, निर्माण, बिजली, सड़क, बंदरगाह, हवाई अड्डे (कुछ संवेदनशील क्षेत्रों को छोड़कर), फार्मास्यूटिकल्स (ग्रीनफील्ड), आईटी सेवाएं, नवीकरणीय ऊर्जा सहित कई क्षेत्र।
  - **रक्षा विनिर्माण:** 74% स्वचालित मार्ग से (नई परियोजनाओं के लिए, विशिष्ट मामलों में सरकारी मार्ग से 100% तक)।
  - **दूरसंचार:** 100% स्वचालित मार्ग के अंतर्गत।
  - **बीमा:** स्वचालित मार्ग के अंतर्गत 74%.
  - **सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक:** सरकारी मार्ग के अंतर्गत 20%।
  - **निजी क्षेत्र के बैंक:** 74% स्वचालित मार्ग के अंतर्गत (49% से अधिक के लिए विशिष्ट शर्तों के साथ)।

All Subject's Complete Study Material KIT available.
Professor Adda Call WhatsApp Now 7690022111 / 9216228788

- **बहु-ब्रांड खुदरा व्यापार:** 51% सरकारी मार्ग के अंतर्गत (कड़ी शर्तों के साथ)।
- **एकल ब्रांड खुदरा व्यापार:** 100% (विशिष्ट शर्तों के साथ 100% तक स्वचालित)।
- **प्रिंट मीडिया:** 26% (समाचार एवं समसामयिक मामले) सरकारी मार्ग के अंतर्गत।
- **निषिद्ध क्षेत्र (किसी भी मार्ग से एफडीआई की अनुमति नहीं):**
    - लॉटरी व्यवसाय (ऑनलाइन लॉटरी सहित)।
    - जुआ और सट्टेबाज़ी (कैसीनो सहित)।
    - निधि कंपनी.
    - चिट फंड.
    - हस्तांतरणीय विकास अधिकार (टीडीआर) में व्यापार।
    - रियल एस्टेट व्यवसाय (निर्माण विकास, टाउनशिप, आवास आदि को छोड़कर)।
    - सिगार, सिगारिलो, सिगारिलो और सिगरेट (तंबाकू उत्पाद) का विनिर्माण।
    - वे गतिविधियाँ/क्षेत्र जो निजी क्षेत्र के निवेश के लिए खुले नहीं हैं (जैसे, परमाणु ऊर्जा, रेलवे परिचालन)।

- **सरकारी पहल:** एफडीआई मानदंडों में निरंतर छूट, प्रक्रियाओं का सरलीकरण, विनिर्माण में एफडीआई को प्रोत्साहित करने के लिए "मेक इन इंडिया" और "आत्मनिर्भर भारत" जैसी पहल, तथा निवेश आकर्षित करने के लिए डिजिटल बुनियादी ढांचे को बढ़ावा देना।

PAID STUDENTS BENEFITS

✓ Access to PYQs of the Upcoming 1 year Exams
✓ Entry into Quiz Group + Premium Materials
✓ 20% Discount on Future Purchases /For Referring a Friend
✓ Access to Current Affairs + Premium Study Group

NOTE: Please share your Fee Receipt or Payment Screenshot for activation.

PROFESSORS ADDA 2025

One Stop Solution for NET / JRF / A. Professor / CUET

Click here to join

Call us/whatapp +91 7690022111 +91 9216228788

All Subject's Complete Study Material KIT available.
Professor Adda Call WhatsApp Now 7690022111 / 9216228788

एफडीआई बनाम एफपीआईः एक तुलनात्मक अवलोकन

विशेषता	प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई)	विदेशी पोर्टफोलियो निवेश (एफपीआई)
परिभाषा	निवेशक की अर्थव्यवस्था के बाहर संचालित किसी उद्यम में स्थायी हित या नियंत्रण प्राप्त करने के लिए किया गया निवेश।	किसी विदेशी देश की वित्तीय परिसंपत्तियों (स्टॉक, बांड) में नियंत्रण हित के बिना निवेश।
प्रकृति	भौतिक परिसंपत्तियों, उत्पादन और प्रबंधन में प्रत्यक्ष	वित्तीय साधनों में अप्रत्यक्ष निवेश।

All Subject's Complete Study Material KIT available.
Professor Adda Call WhatsApp Now 7690022111 / 9216228788

	निवेश।	
नियंत्रण	विदेशी उद्यम पर महत्वपूर्ण प्रभाव या नियंत्रण।	सामान्यतः, कंपनी के प्रबंधन या परिचालन पर कोई प्रत्यक्ष नियंत्रण नहीं होता।
उद्देश्य	दीर्घकालिक रणनीतिक हित, बाजार पहुंच, दक्षता लाभ, संसाधन की तलाश।	आमतौर पर, अल्पकालिक वित्तीय रिटर्न, पोर्टफोलियो विविधीकरण।
निवेश का प्रकार	नये व्यवसाय स्थापित करना, मौजूदा व्यवसायों का अधिग्रहण करना, संयुक्त उद्यम स्थापित करना।	स्टॉक, बांड, म्यूचुअल फंड, ईटीएफ खरीदना।
अवधि	दीर्घकालिक प्रतिबद्धता.	प्रायः अल्पावधि से मध्यम अवधि तक; अधिक आसानी से परिसमाप्त किया जा सकता है।
अस्थिरता	सामान्यतः अधिक स्थिर; शीघ्र उलटफेर की संभावना कम।	अधिक अस्थिर ("हॉट मनी") हो सकता है; बाजार की भावना और त्वरित निकासी के प्रति संवेदनशील हो सकता है।
प्रवेश एवं निकास	अपेक्षाकृत कठिन एवं समय लेने वाला।	अपेक्षाकृत आसान और त्वरित.
जोखिम	उच्चतर, जिसमें मेजबान देश में परिचालन, राजनीतिक और आर्थिक जोखिम शामिल है।	सामान्यतः व्यक्तिगत जोखिम कम होता है, लेकिन बाजार और मुद्रा में उतार-चढ़ाव का जोखिम बना रहता है।
मेजबान अर्थव्यवस्था पर प्रभाव	अक्सर यह प्रौद्योगिकी हस्तांतरण, रोजगार सृजन, बुनियादी ढांचे के विकास और प्रबंधकीय विशेषज्ञता लाता है।	पूंजी बाजार की तरलता और दक्षता में वृद्धि होती है; बाजार विकास में योगदान हो सकता है।
निवेशक का प्रकार	आमतौर पर बहुराष्ट्रीय निगम (एमएनसी), बड़ी कंपनियां।	व्यक्ति, संस्थागत निवेशक (पेंशन फंड, म्यूचुअल फंड)।
उदाहरण	एक विदेशी ऑटोमोबाइल कंपनी किसी अन्य देश में विनिर्माण संयंत्र स्थापित कर रही है।	कोई व्यक्ति या फंड स्टॉक एक्सचेंज में सूचीबद्ध किसी विदेशी कंपनी के शेयर खरीदता है।

All Subject's Complete Study Material KIT available.
Professor Adda Call WhatsApp Now 7690022111 / 9216228788

PAID STUDENTS BENEFITS

- ✓ Access to PYQs of the Upcoming 1 year Exams
- ✓ Entry into Quiz Group + Premium Materials
- ✓ 20% Discount on Future Purchases /For Referring a Friend
- ✓ Access to Current Affairs + Premium Study Group

NOTE: Please share your Fee Receipt or Payment Screenshot for activation.

Click here to join

Call us/whatapp +91 7690022111 +91 9216228788

PROFESSORS ADDA

UGC NET / JRF / A. Professor / CUET

हिंदी English माध्यम उपलब्ध

Paper 1 & All Subject Available

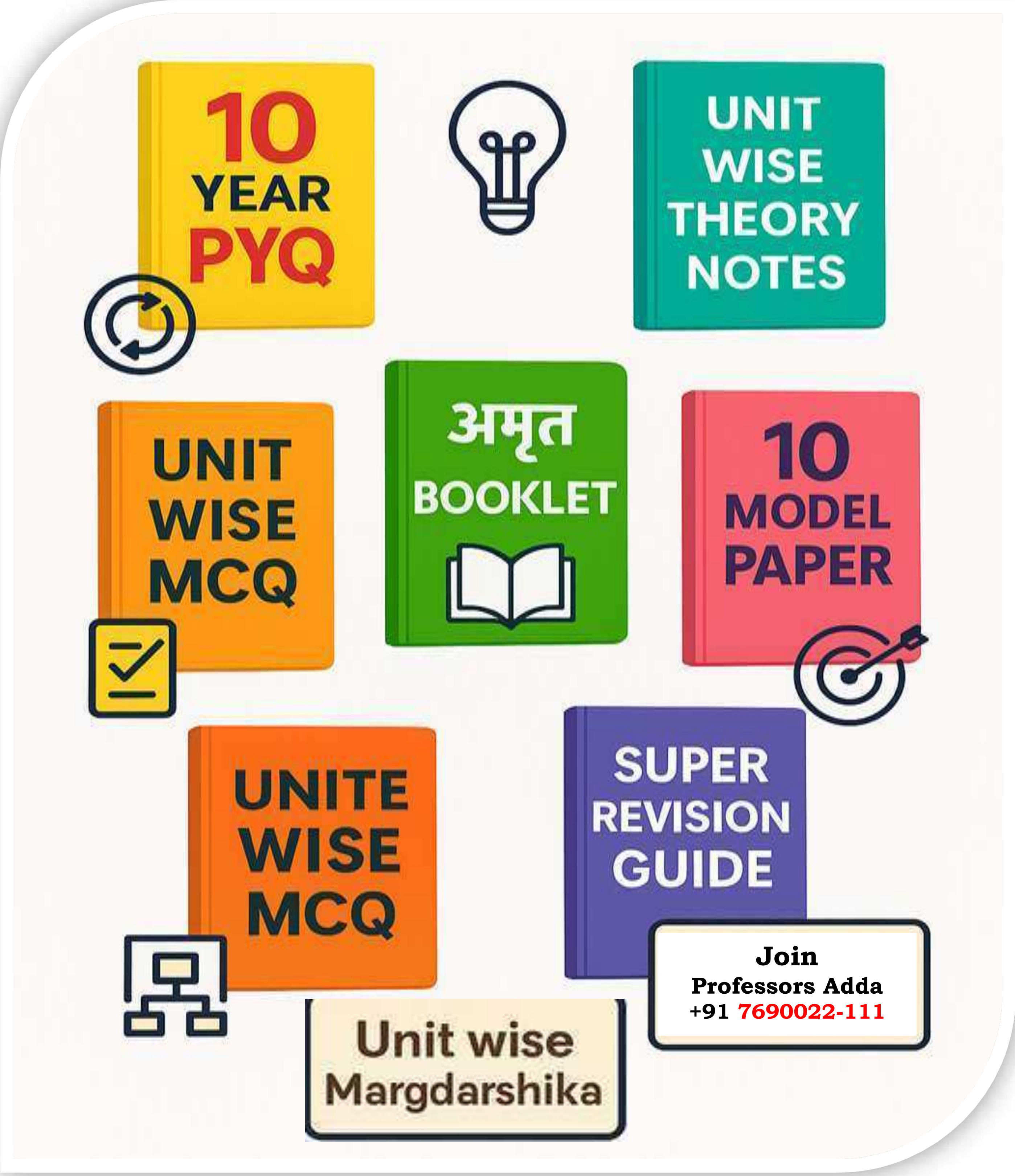

All Subject's Complete Study Material KIT available. Professor Adda
Call WhatsApp Now +91 7690022111 / 9216228788

यूजीसी नेट कॉमर्स यूनिट 1 Mcqs Sample

1. मिलान प्रकार

सूची I को सूची II से सुमेलित करें:

सूची I (अंतर्राष्ट्रीय व्यापार सिद्धांत)	सूची II (प्रस्तावक/अवधारणा)
A. पूर्ण लाभ सिद्धांत	I.आई. रेमंड वर्नोन
B. तुलनात्मक लाभ सिद्धांत	II. माइकल पोर्टर
C. उत्पाद जीवन चक्र सिद्धांत	III. डेविड रिकार्डो
D. राष्ट्रीय प्रतिस्पर्धात्मक लाभ	IV. एडम स्मिथ

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर चुनें:

(1) A-IV, B-III, C-I, D-II

(2) A-III, B-IV, C-II, D-I

(3) A-IV, B-III, C-II, D-I

(4) A-I, B-II, C-III, D-IV

सही उत्तर: (1) A-IV, B-III, CI, D-II

स्पष्टीकरण:

- **पूर्ण लाभ सिद्धांत (एडम स्मिथ):**
  - प्रस्तावक: एडम स्मिथ.
  - प्रमुख कृतियाँ: "द वेल्थ ऑफ नेशंस" (1776).
  - मूल विचार: एक देश उन वस्तुओं का निर्यात करता है जिनका वह अन्य देशों की तुलना में अधिक कुशलता से (कम संसाधनों का उपयोग करके) उत्पादन कर सकता है।
  - फोकस: उच्च उत्पादकता पर आधारित विशेषज्ञता।
- **तुलनात्मक लाभ सिद्धांत (डेविड रिकार्डो):**
  - प्रस्तावक: डेविड रिकार्डो.
  - प्रमुख कार्य: "राजनीतिक अर्थव्यवस्था और कराधान के सिद्धांत" (1817).
  - मुख्य विचार: एक देश उन वस्तुओं का निर्यात करता है, जिनका उत्पादन वह कम अवसर लागत पर कर सकता है, भले ही वे अधिक कुशल न हों।
  - आधार: अधिकांश अंतर्राष्ट्रीय व्यापार सिद्धांत का आधार।
- **उत्पाद जीवन चक्र सिद्धांत (रेमंड वर्नोन):**
  - प्रस्तावक: रेमंड वर्नोन.
  - प्रस्तावित वर्ष: 1966.

All Subject's Complete Study Material KIT available.
Professor Adda Call WhatsApp Now 7690022111 / 9216228788

- मूल विचार: किसी उत्पाद के चरणों (परिचय, विकास, परिपक्वता, गिरावट) और उत्पादन स्थान में तदनुरूप बदलावों (जैसे, नवप्रवर्तनशील से विकासशील देशों की ओर) का पता लगाना।
- गतिशील: समय के साथ निर्मित वस्तुओं के व्यापार पैटर्न की व्याख्या करता है।

- **राष्ट्रीय प्रतिस्पर्धात्मक लाभ (पोर्टर डायमंड):**
  - प्रस्तावक: माइकल पोर्टर.
  - मुख्य कार्य: "राष्ट्रों का प्रतिस्पर्धात्मक लाभ" (1990).
  - मुख्य विचार: यह बताता है कि किसी देश में कुछ उद्योग चार निर्धारकों के आधार पर विश्व स्तर पर प्रतिस्पर्धी क्यों हैं: कारक स्थितियां, मांग स्थितियां, संबंधित और सहायक उद्योग, तथा फर्म की रणनीति, संरचना और प्रतिद्वंद्विता।
  - फ्रेमवर्क: पोर्टर डायमंड के नाम से जाना जाता है।

2. अभिकथन और तर्क (A और R) प्रकार

अभिकथन (A): वैश्वीकरण से घरेलू बाजारों में प्रतिस्पर्धा बढ़ जाती है।

कारण (R): वैश्वीकरण अंतर्राष्ट्रीय सीमाओं के पार वस्तुओं, सेवाओं, पूंजी और श्रम के मुक्त प्रवाह को सुगम बनाता है।

कोड:

(1) (A) और (R) दोनों सत्य हैं और (R), (A) की सही व्याख्या है।

(2) (A) और (R) दोनों सत्य हैं लेकिन (R), (A) का सही स्पष्टीकरण नहीं है।

(3) (A) सत्य है लेकिन (R) असत्य है।

(4) (A) गलत है लेकिन (R) सही है.

सही उत्तर: (1) (A) और (R) दोनों सत्य हैं और (R), (A) का सही स्पष्टीकरण है।

स्पष्टीकरण:

- **वैश्वीकरण का मूल:** वस्तुओं, सेवाओं (जैसे, आईटी, वित्त), पूंजी (एफD-I, एफपीआई) और, कुछ हद तक, श्रम के तीव्र सीमा पार प्रवाह द्वारा अभिलक्षित।
- **प्रतिस्पर्धा का तंत्र:** वैश्वीकरण के अंतर्गत व्यापार बाधाओं (टैरिफ, कोटा) में कमी से विदेशी फर्मों को घरेलू बाजारों तक आसान पहुंच मिलती है।
- **घरेलू फर्मों पर प्रभाव:** स्थानीय कंपनियों को बहुराष्ट्रीय निगमों (एमएनसी) जैसे अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों के साथ प्रतिस्पर्धा करने के लिए दक्षता बढ़ाने, नवाचार करने और उत्पाद/सेवा की गुणवत्ता में सुधार करने के लिए मजबूर करता है।
- **प्रत्यक्ष कारण-कार्य:** मुक्त प्रवाह की सुविधा (कारण R) प्रत्यक्ष तंत्र है जिसके माध्यम से वैश्वीकरण (अभिकथन A) घरेलू अर्थव्यवस्थाओं में प्रतिस्पर्धा को बढ़ाता है।
- **साक्ष्य:** कई देशों में वैश्विक ब्रांडों और सेवाओं का उदय इस बढ़ती प्रतिस्पर्धा को दर्शाता है।

All Subject's Complete Study Material KIT available.
Professor Adda Call WhatsApp Now 7690022111 / 9216228788

3. विवरण प्रकार

विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) के संबंध में निम्नलिखित में से कौन से कथन सही हैं ?

कथन I: विश्व व्यापार संगठन की स्थापना 1 जनवरी, 1995 को हुई थी।

कथन II: विश्व व्यापार संगठन का प्राथमिक उद्देश्य टैरिफ और अन्य व्यापार बाधाओं को कम करके मुक्त व्यापार को बढ़ावा देना है।

कथन III: विश्व व्यापार संगठन का विवाद निपटान तंत्र सदस्य देशों पर बाध्यकारी है।

कथन IV: विश्व व्यापार संगठन का मुख्यालय वाशिंगटन डीसी, संयुक्त राज्य अमेरिका में है।

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर चुनें:

(1) केवल कथन I और II

(2) केवल कथन I, II और III

(3) केवल कथन II और IV

(4) सभी कथन (I, II, III, और IV) सही हैं

सही उत्तर: (2) केवल कथन I, II और III

स्पष्टीकरण:

- **स्थापना (विवरण I):** WTO का आधिकारिक गठन 1 जनवरी, 1995 को मारकेश समझौते (अप्रैल 1994 में हस्ताक्षरित) के परिणामस्वरूप हुआ, जो टैरिफ और व्यापार पर सामान्य समझौते (GATT, स्थापना 1948) का उत्तराधिकारी था।
- **प्राथमिक लक्ष्य (कथन II):** व्यापार समझौतों को प्रशासित करके, व्यापार वार्ता के लिए एक मंच के रूप में कार्य करके और व्यापार बाधाओं को कम करके अंतर्राष्ट्रीय व्यापार को सुचारू रूप से, पूर्वानुमानित और स्वतंत्र रूप से प्रवाहित करना सुनिश्चित करना।
- **विवाद निपटान (विवरण III):** विश्व व्यापार संगठन का विवाद निपटान समझौता (डीएसयू) सदस्य देशों के बीच व्यापार विवादों को हल करने के लिए कानूनी रूप से बाध्यकारी तंत्र प्रदान करता है, जो नियम-आधारित व्यापार प्रणाली को बढ़ाता है।
- **सही कथन:** कथन I, II और III में WTO की स्थापना, प्राथमिक लक्ष्य और इसके विवाद निपटान तंत्र की बाध्यकारी प्रकृति का सटीक वर्णन किया गया है।

4. बहु-विकल्प प्रकार

निम्नलिखित में से किसे किसी देश के भुगतान संतुलन (बीओपी) का घटक माना जाता है?

(ए) चालू खाता

(बी) पूंजी खाता

(C) राजकोषीय घाटा

(D) विदेशी मुद्रा भंडार

(E) मौद्रिक नीति

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर चुनें:

(1) केवल (A), (B), और (C)

(2) केवल (A), (B), और (D)

(3) केवल (B), (C), और (E)

(4) केवल (A), (D), और (E)

सही उत्तर: (2) केवल (A), (B), और (D)

स्पष्टीकरण:

- **बीओपी परिभाषा:** किसी देश के निवासियों और शेष विश्व के बीच एक निश्चित अवधि (आमतौर पर एक वर्ष) के दौरान सभी आर्थिक लेनदेन का व्यवस्थित **विवरण** ।
- **चालू खाता (ए):** इसमें वस्तुओं का व्यापार (निर्यात/आयात), सेवाएँ (जैसे, पर्यटन, आईटी सेवाएँ), प्राथमिक आय (जैसे, लाभ/लाभांश जैसी निवेश आय) और द्वितीयक आय (प्रेषण जैसे चालू हस्तांतरण) शामिल हैं। यह एक मुख्य घटक है।
- **पूंजी खाता और वित्तीय खाता (बी):** पूंजी खाता (संकीर्ण रूप से परिभाषित) में पूंजी हस्तांतरण और गैर-उत्पादित गैर-वित्तीय परिसंपत्तियां शामिल हैं। वित्तीय खाता वित्तीय परिसंपत्तियों और देनदारियों (जैसे, एफDI, एफपीआई, ऋण) में लेनदेन रिकॉर्ड करता है। ये बीओपी के प्रमुख घटक हैं।
- **विदेशी मुद्रा भंडार (D):** आधिकारिक भंडार (विदेशी मुद्राएं, सोना, केंद्रीय बैंक द्वारा रखे गए एसडीआर) में परिवर्तन बीओपी में संतुलन मद के रूप में कार्य करते हैं, जो समग्र अधिशेष या घाटे को दर्शाते हैं और बीओपी विवरण के अभिन्न अंग हैं।

5. मिलान प्रकार

सूची I को सूची II से सुमेलित करें:

सूची I (आर्थिक एकीकरण का स्वरूप)	सूची II (विशेषता विशेषता)
A. मुक्त व्यापार क्षेत्र	I. सामान्य बाह्य टैरिफ और कारकों की मुक्त आवाजाही
B. सीमा शुल्क संघ	II. कोई आंतरिक टैरिफ नहीं, सामान्य बाह्य टैरिफ
C. सामान्य बाजार	III. सदस्यों के बीच टैरिफ हटाना
D. आर्थिक संघ	IV. आर्थिक नीतियों का सामंजस्य, साझा मुद्रा (संभवतः)

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर चुनें:

(1) A-III, B-II, C-I, D-IV

(2) A-II, B-III, C-IV, D-I

(3) A-III, B-I, C-II, D-IV
(4) A-IV, B-II, C-I, D-III

सही उत्तर: (1) A-III, B-II, CI, D-IV
स्पष्टीकरण:

- **मुक्त व्यापार क्षेत्र (एफटीए) - III. सदस्यों के बीच टैरिफ हटाना:**
    - विशेषता: सदस्य देश आपस में टैरिफ समाप्त कर देते हैं।
    - बाह्य नीति: प्रत्येक सदस्य गैर-सदस्य देशों के साथ अपनी स्वयं की व्यापार नीतियां बनाए रखता है।
    - उदाहरण: संयुक्त राज्य अमेरिका-मेक्सिको-कनाडा समझौता (USMCA)।
- **सीमा शुल्क संघ - II. कोई आंतरिक टैरिफ नहीं, सामान्य बाह्य टैरिफ:**
    - विशेषता: आंतरिक टैरिफ को समाप्त करता है तथा गैर-सदस्यों के विरुद्ध एक सामान्य बाह्य टैरिफ (सीईटी) स्थापित करता है।
    - उदाहरण: यूरोपीय संघ (ईयू) शुरू में एक सीमा शुल्क संघ (यूरोपीय आर्थिक समुदाय) के रूप में कार्य करता था। दक्षिणी अफ्रीकी सीमा शुल्क संघ (एसएसीयू)।
- **साझा बाज़ार - I. साझा बाहरी टैरिफ़ और कारकों की मुक्त आवाजाही:**
    - विशेषता: सीमा शुल्क संघ की सभी विशेषताएं तथा सदस्यों के बीच उत्पादन के कारकों (श्रम और पूंजी) का मुक्त आवागमन।
    - उदाहरण: यूरोपीय संघ (ईयू) एक साझा बाज़ार के रूप में काम करता है। मर्कोसुर (दक्षिणी साझा बाज़ार) का लक्ष्य यही है।
- **आर्थिक संघ - IV. आर्थिक नीतियों का सामंजस्य, साझा मुद्रा (संभावित):**
    - विशेषता: एक साझा बाजार की सभी विशेषताएं, साथ ही आर्थिक नीतियों (राजकोषीय, मौद्रिक) में सामंजस्य और संभावित रूप से एक साझा मुद्रा।
    - उदाहरण: यूरोपीय संघ के भीतर यूरोजोन, जिसकी साझा मुद्रा (यूरो) है तथा यूरोपीय केन्द्रीय बैंक (ईसीबी) द्वारा समन्वित मौद्रिक नीति है।

6. अभिकथन और तर्क (A और R) प्रकार

अभिकथन (A): प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफD-I) को आमतौर पर विदेशी पोर्टफोलियो निवेश (एफपीआई) की तुलना में अधिक स्थिर माना जाता है।
कारण (R): एफडीआईमें निवेशक की अर्थव्यवस्था के अलावा किसी अन्य अर्थव्यवस्था में संचालित उद्यम में स्थायी प्रबंधन हित प्राप्त करना शामिल है, जबकि एफपीआई आमतौर पर अल्पकालिक लाभ के लिए होता है।
कोड:
(1) (A) और (R) दोनों सत्य हैं और (R), (A) की सही व्याख्या है।

All Subject's Complete Study Material KIT available.
Professor Adda Call WhatsApp Now 7690022111 / 9216228788

(2) (A) और (R) दोनों सत्य हैं लेकिन (R), (A) का सही स्पष्टीकरण नहीं है।

(3) (A) सत्य है लेकिन (R) असत्य है।

(4) (A) गलत है लेकिन (R) सही है.

सही उत्तर: (1) (A) और (R) दोनों सत्य हैं और (R), (A) का सही स्पष्टीकरण है।

स्पष्टीकरण:

- **एफडीआईविशेषताएं:** इसमें किसी विदेशी उद्यम में पर्याप्त हिस्सेदारी (आमतौर पर ओईसीडी/आईएमएफ परिभाषाओं के अनुसार 10% या उससे अधिक मतदान शक्ति) प्राप्त करना शामिल है, जो दीर्घकालिक प्रतिबद्धता और अक्सर प्रबंधन की भागीदारी या प्रभाव को दर्शाता है।
- **एफपीआई विशेषताएँ:** स्टॉक (10% से कम स्वामित्व), बॉन्ड और मनी मार्केट इंस्ट्रूमेंट जैसी वित्तीय परिसंपत्तियों में निवेश। ये आम तौर पर अधिक तरल होते हैं और इन्हें जल्दी से बेचा जा सकता है, अक्सर अल्पकालिक उपज या पूंजी वृद्धि द्वारा संचालित किया जाता है।
- **स्थिरता कारक:** एफडीआईकम अस्थिर ("चिपचिपा धन") है क्योंकि भौतिक परिसंपत्तियों या महत्वपूर्ण हिस्सेदारी को बेचना पोर्टफोलियो प्रतिभूतियों को बेचने की तुलना में अधिक जटिल और महंगा है।
- **प्रेरणा अंतर:** एफडीआईआमतौर पर रणनीतिक होता है, जिसका उद्देश्य बाजार तक पहुंच, दक्षता में वृद्धि या संसाधन अधिग्रहण होता है। एफपीआई अक्सर सामरिक होता है, जो त्वरित रिटर्न की तलाश करता है, जिससे यह अचानक बहिर्वाह ("हॉट मनी") के लिए अधिक प्रवण होता है।
- **अनुभवजन्य साक्ष्य:** ऐतिहासिक रूप से, एफडीआईप्रवाह, एफपीआई प्रवाह की तुलना में वित्तीय संकटों के दौरान अधिक लचीला होता है, क्योंकि एफपीआई प्रवाह तेजी से उलट सकता है।

7. विवरण प्रकार

अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के बारे में निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:

कथन I: आईएमएफ भुगतान संतुलन की समस्याओं का सामना कर रहे सदस्य देशों को अल्पकालिक वित्तीय सहायता प्रदान करता है।

कथन II: आईएमएफ में सदस्य देशों की मतदान शक्ति पूरी तरह से उनकी जनसंख्या के आकार से निर्धारित होती है।

कथन III: 'विशेष आहरण अधिकार' (एसडीआर) आईएमएफ द्वारा बनाई गई एक अंतरराष्ट्रीय आरक्षित परिसंपत्ति है।

उपरोक्त कथनों में से कौन सा/से सही है/हैं?

(1) केवल **कथन** I

(2) केवल कथन I और III

(3) केवल कथन II और III

(4) सभी कथन (I, II, और III) सही हैं

सही उत्तर: (2) केवल कथन I और III

स्पष्टीकरण:

- **आईएमएफ वित्तीय सहायता (विवरण I):** आईएमएफ (स्थापित 1944, ब्रेटन वुड्स सम्मेलन) की प्राथमिक भूमिका भुगतान संतुलन संबंधी कठिनाइयों का सामना कर रहे सदस्य देशों को अस्थायी वित्तीय सहायता प्रदान करना है, जो अक्सर नीति सुधारों (शर्तों) से जुड़ी होती है।
- **विशेष आहरण अधिकार (एसडीआर) (विवरण III):** 1969 में आईएमएफ द्वारा एक पूरक अंतरराष्ट्रीय आरक्षित परिसंपत्ति के रूप में बनाया गया। इसका मूल्य पांच प्रमुख मुद्राओं की एक टोकरी पर आधारित है: अमेरिकी डॉलर, यूरो, चीनी रेनमिनबी, जापानी येन और ब्रिटिश पाउंड।
- **सही कथन:** कथन I और III आईएमएफ के प्रमुख कार्यों और रचनाओं का सटीक वर्णन करते हैं।

8. बहु-विकल्प प्रकार

निम्नलिखित में से कौन से कारक किसी व्यवसाय के राजनीतिक वातावरण को प्रभावित करते हैं?

(ए) सरकार की स्थिरता

(बी) कराधान नीतियां

(C) सत्तारूढ़ पार्टी की विचारधारा

(D) उपभोक्ता आय स्तर

(E) विदेशी व्यापार विनियमन

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर चुनें:

(1) केवल (A), (B), और (C)

(2) केवल (A), (B), (C), और (E)

(3) केवल (B), (D), और (E)

(4) सभी (A), (B), (C), (D), और (E)

सही उत्तर: (2) केवल (A), (B), (C), और (E)

स्पष्टीकरण:

- **सरकारी स्थिरता (ए): यह** शासन व्यवस्था की स्थिरता और पूर्वानुमेयता को संदर्भित करता है; राजनीतिक अस्थिरता से व्यावसायिक जोखिम बढ़ता है।
- **कराधान नीतियां (बी):** कॉर्पोरेट कर दरों, जीएसटी/वैट, सीमा शुल्क पर सरकार के फैसले सीधे तौर पर व्यापार की लाभप्रदता और निवेश को प्रभावित करते हैं।
- **सत्तारूढ़ पार्टी (C) की विचारधारा:** राजनीतिक पार्टी का दर्शन आर्थिक नीतियों, विनियमनों, निजी उद्यम के प्रति दृष्टिकोण और संपत्ति के अधिकारों को प्रभावित करता है।
- **विदेशी व्यापार विनियम (E):** आयात/निर्यात, टैरिफ, कोटा, प्रतिबंध और व्यापार समझौतों पर सरकार द्वारा

लगाए गए नियम अंतर्राष्ट्रीय व्यापार संचालन को आकार देते हैं।

- **राजनीतिक वातावरण कारक:** ये तत्व (ए, बी, सी, ई) व्यवसाय पर प्रमुख सरकारी और राजनीतिक प्रभाव हैं।

9. विवरण प्रकार

कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) के संबंध में निम्नलिखित में से कौन सा कथन गलत है?

कथन I: CSR एक स्व-विनियमन व्यवसाय मॉडल है जो किसी कंपनी को सामाजिक रूप से जवाबदेह बनने में मदद करता है।

कथन II: भारत में, कंपनी अधिनियम, 2013 कुछ कंपनियों के लिए उनके निवल मूल्य, टर्नओवर या शुद्ध लाभ के आधार पर सीएसआर गतिविधियों को अनिवार्य बनाता है।

कथन III: सीएसआर गतिविधियाँ मुख्य रूप से शेयरधारक लाभ को अधिकतम करने पर केंद्रित हैं।

कथन IV: पर्यावरणीय स्थिरता और नैतिक श्रम प्रथाएँ CSR के सामान्य क्षेत्र हैं।

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर चुनें:

(1) केवल **कथन** I

(2) केवल **कथन** II

(3) केवल **कथन** III

(4) केवल **कथन** IV

सही उत्तर: (3) केवल कथन III

स्पष्टीकरण:

- **सीएसआर का फोकस (कथन III - गलत):** आधुनिक कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) कर्मचारियों, ग्राहकों, समुदायों और पर्यावरण के हितों पर विचार करते हुए व्यापक हितधारक दृष्टिकोण पर जोर देता है।
- **शेयरधारक लाभ अधिकतमीकरण:** यह विचार कि सीएसआर मुख्य रूप से शेयरधारक लाभ को अधिकतम करने पर केंद्रित है, एक पारंपरिक और संकीर्ण दृष्टिकोण है (जिसे अक्सर मिल्टन फ्रीडमैन से जोड़ा जाता है) और यह समकालीन सीएसआर सिद्धांतों के अनुरूप नहीं है।
- **हितधारक सिद्धांत:** सीएसआर हितधारक सिद्धांत के अधिक अनुरूप है, जो यह मानता है कि निगमों को केवल शेयरधारकों के ही नहीं, बल्कि सभी हितधारकों के हितों की सेवा करनी चाहिए।
- **व्यापक जवाबदेही:** सीएसआर में शेयरधारकों के लिए तत्काल लाभ उद्देश्यों से परे सामाजिक जवाबदेही और सतत विकास में योगदान शामिल है। उदाहरण के लिए, आर्ची कैरोल के सीएसआर के पिरामिड में आर्थिक जिम्मेदारियों को आधारभूत माना गया है, लेकिन इसमें कानूनी, नैतिक और परोपकारी जिम्मेदारियां भी शामिल हैं।

All Subject's Complete Study Material KIT available.
Professor Adda Call WhatsApp Now 7690022111 / 9216228788

10. बहु-विकल्प प्रकार

निम्नलिखित में से कौन अंतर्राष्ट्रीय व्यापार में गैर-टैरिफ बाधाओं के उदाहरण हैं?

(ए) आयात कोटा

(बी) टैरिफ

(C) स्वैच्छिक निर्यात प्रतिबंध (वीईआर)

(D) घरेलू उत्पादकों को सब्सिडी

(E) यथामूल्य शुल्क

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर चुनें:

(1) केवल (A), (C), और (D)

(2) केवल (B), (D), और (E)

(3) केवल (A), (B), और (C)

(4) केवल (C), (D), और (E)

सही उत्तर: (1) केवल (A), (C), और (D)

स्पष्टीकरण:

- **गैर-टैरिफ बाधाएं (एनटीबी):** ये आयात पर प्रत्यक्ष करों (टैरिफ) के अलावा अन्य व्यापार प्रतिबंध हैं, जो अक्सर टैरिफ की तुलना में अधिक जटिल और कम पारदर्शी होते हैं।
- **आयात कोटा (ए):** ये किसी विशिष्ट वस्तु की आयात की जा सकने वाली मात्रा पर प्रत्यक्ष मात्रात्मक सीमाएं हैं (उदाहरण के लिए, अमेरिकी चीनी कोटा)।
- **स्वैच्छिक निर्यात प्रतिबंध (वीईआर) (C):** ऐसे समझौते, जिनमें निर्यातक देश अक्सर आयातक देश के दबाव में अपने निर्यात को सीमित कर देता है (उदाहरण के लिए, 1980 के दशक में अमेरिका को जापानी ऑटो वीईआर)।
- **घरेलू उत्पादकों को सब्सिडी (D):** सरकारी वित्तीय सहायता (जैसे, भुगतान, यूरोपीय संघ की सामान्य कृषि नीति के तहत कर छूट) जो घरेलू फर्मों को आयात के मुकाबले अधिक प्रतिस्पर्धी बनाती है।
- **पहचाने गए एन.टी.बी.:** विकल्प ए, सी और डी गैर-टैरिफ तंत्र के स्पष्ट उदाहरण हैं जिनका उपयोग अंतर्राष्ट्रीय व्यापार प्रवाह को प्रतिबंधित या विकृत करने के लिए किया जाता है।

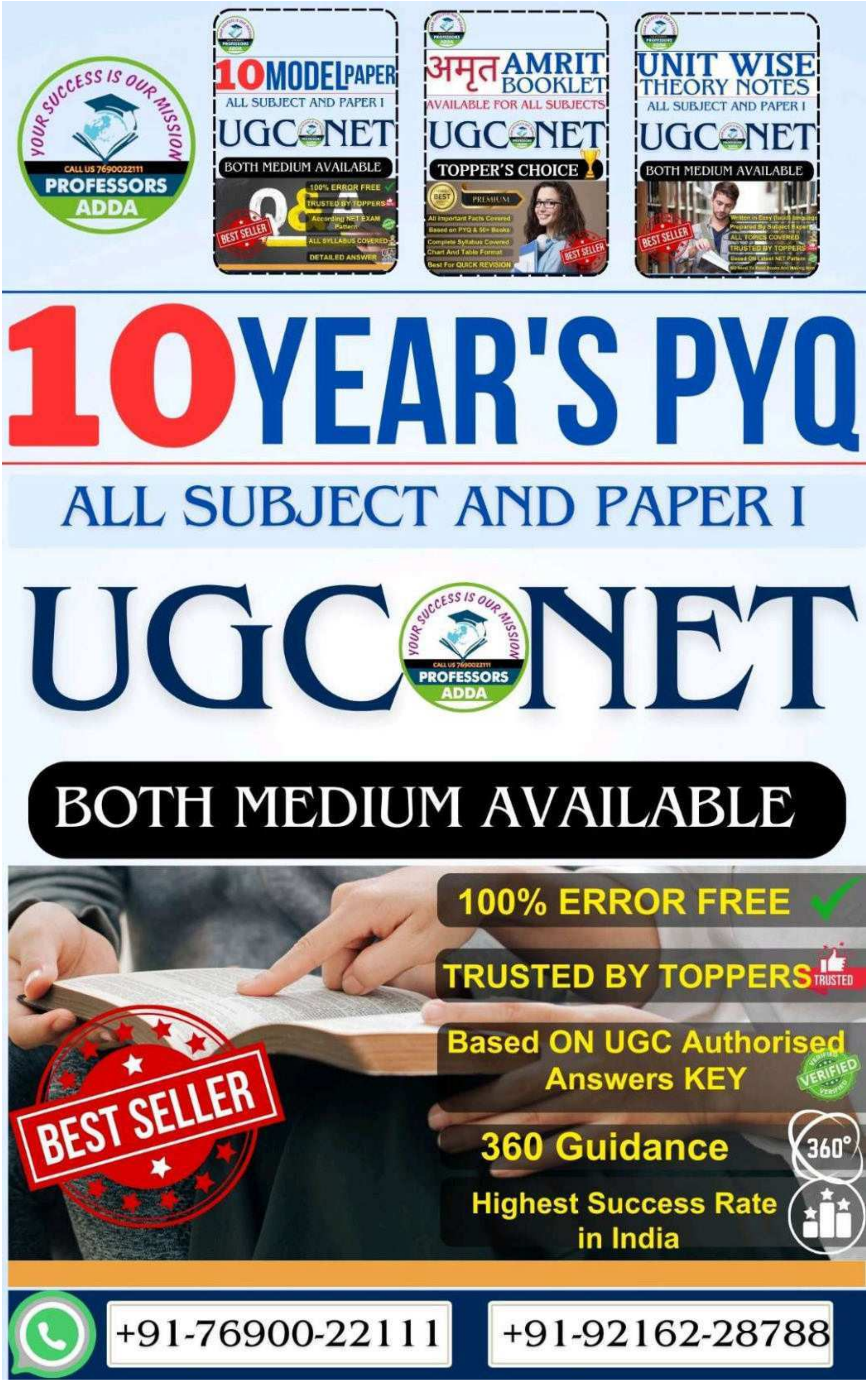
YOUR SUCCESS IS OUR MISSION
CALL US 7690022111
PROFESSORS ADDA
10 MODEL PAPER
ALL SUBJECT AND PAPER I
UGC NET
BOTH MEDIUM AVAILABLE
100% ERROR FREE
TRUSTED BY TOPPERS
According NET EXAM Pattern
ALL SYLLABUS COVERED
DETAILED ANSWER
BEST SELLER
अमृत AMRIT BOOKLET
AVAILABLE FOR ALL SUBJECTS
UGC NET
TOPPER'S CHOICE
PREMIUM
All Important Facts Covered
Based on PYQ & 50+ Books
Complete Syllabus Covered
Chart And Table Format
Best For QUICK REVISION
BEST SELLER
UNIT WISE THEORY NOTES
ALL SUBJECT AND PAPER I
UGC NET
BOTH MEDIUM AVAILABLE
BEST SELLER
10 YEAR'S PYQ
ALL SUBJECT AND PAPER I
UGC NET
YOUR SUCCESS IS OUR MISSION
CALL US 7690022111
PROFESSORS ADDA
BOTH MEDIUM AVAILABLE
100% ERROR FREE
TRUSTED BY TOPPERS
TRUSTED
Based ON UGC Authorised Answers KEY
VERIFIED
360 Guidance
360°
Highest Success Rate in India
BEST SELLER
+91-76900-22111
+91-92162-28788

यू.जी.सी. NET भूगोल 18-06-2024

1. डेविस और पेंक के भू-आकृतिक चक्रों के संदर्भ में सही कथनों को पहचानिए:
A. डेविस ने नदीय प्रक्रम के अपरदन चक्र को 'अपरदन का सामान्य चक्र' माना।
B. डेविस ने गिलबर्ट द्वारा प्रस्तावित 'आधार तल' और पावेल द्वारा प्रतिपादित 'प्रवणित सरिताओं' की संकल्पना का प्रयोग किया तथा 'उद्विकासी पैराडाइम' को लागू किया।
C. पेंक मॉडल के समरूपी दृश्य भूमि विकास के चरण के द्वितीय उप-चरण में निरपेक्ष ऊंचाई में वृद्धि होती है और सापेक्ष उच्चावच में भी इसी दर से वृद्धि होती है।
D. डेविस ने ढाल पतन की अवधारणा का प्रयोग किया।
नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए:
(a) केवल A, B और C
(b) केवल A और D
(c) केवल B, C और D
(d) केवल A और C
Ans. (b):

2. झाँसी के ऊपर एक वर्ष में सूर्य की किरणें कितनी बार ऊर्ध्वाधर होती हैं?
(a) एक बार
(b) दो बार
(c) कभी नहीं
(d) पूरे वर्ष
Ans. (c):

3. भारत में जनसंख्या नीति उपायों के संबंध में सही कथनों की पहचान करें:
A. परिवार नियोजन तरीकों को अपनाए जाने की दर बिहार में केरल की तुलना में दो गुनी है।
B. विस्तार उपागम का उद्देश्य संदेश तथा सेवाओं को देश के दूर-दराज क्षेत्रों में लोगों तक पहुंचाना था।
C. कैफेटेरिया उपागम का अभिप्राय परिवार नियोजन कार्यक्रम को आवश्यक उपाय के रूप में अधिरोपित करना था।
D. नई राष्ट्रीय जनसंख्या नीति (2000) में शिक्षा तथा स्वास्थ्य क्षेत्रों के विकास पर ध्यान दिया गया था।
नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए:
(a) केवल A और B
(b) केवल B और C
(c) केवल A और D
(d) केवल B और D
Ans. (d):

4. निम्नांकित देशों को वर्ष 2022 में उनके जनसंख्या घनत्व के आधार पर आरोही क्रम में व्यवस्थित कीजिए:
A. भूटान
B. बांग्लादेश

PROFESSORS ADDA

जो **Students Paid Notes** और **Courses buy** नहीं सकते है, तो **Free NET/JRF** तैयारी हेतु नीचे दिए **Whats App No.** पर **MESSAGE** करे अपना **SUBJECT**

NET JRF study kit-PDF Buy Now wapp/call 76900-22111

C. स्विटजरलैंड
D. मोनाको
नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए:
(a) B, A, D, C
(b) A, C, B, D
(c) C, D, A, B
(d) D, B, C, A
Ans. (b):

5. सही कथनों की पहचान करें:
A. प्रजाति-केंद्रिकवाद शब्दावली को विलियम ग्राहम समर द्वारा निरूपित किया गया था।
B. ब्लाश ने कहा था: "सांस्कृतिक परिदृश्य संस्कृति समूह द्वारा प्राकृतिक परिदृश्य से निर्मित होता है। संस्कृति कारक है, प्राकृतिक क्षेत्र माध्यम है, सांस्कृतिक परिदृश्य परिणाम है।"
C. भारत में, जनजातीय समाजों की सामाजिक अपवर्जनता के निवारण के लिए पृथकता तथा एकीकरण के बजाए आत्मसात्करण पर बल दिया गया।
D. हैन्सन तथा मैकडोवेल ने लैंगिक संबंधों में असमानताओं को उजागर किया, जो संस्कृति, समाज तथा स्थानों को आधार प्रदान करते हैं।
नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए:
(a) केवल A और D
(b) केवल B, C और D
(c) केवल A, B और C
(d) केवल A और B
Ans. (a):

6. वैश्विक स्तर पर औसत वार्षिक वर्षण लगभग ___ सेमी. है।
(a) 50
(b) 100
(c) 150
(d) 200
Ans. (b):

7. स्ट्रैहलर की विधि के अनुसार चक्रित सरिता के अपवाह क्रम को चिह्नांकित कीजिए:

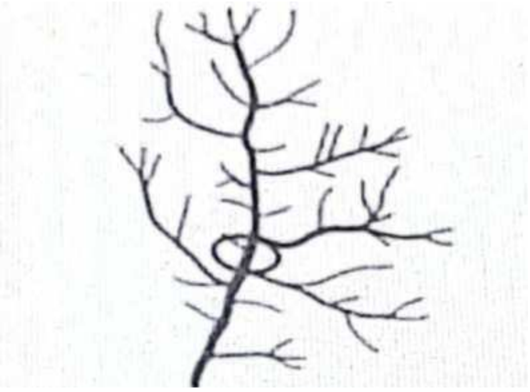

PROFESSORS ADDA

जो **Students Paid Notes** और **Courses buy** नहीं सकते है, तो **Free NET/JRF** तैयारी हेतु नीचे दिए **Whats App No.** पर **MESSAGE** करे अपना **SUBJECT**
NET JRF study kit-PDF Buy Now wapp/call 76900-22111

(a) तृतीय क्रम
(b) चतुर्थ क्रम
(c) पंचम क्रम
(d) द्वितीय क्रम
Ans. (a):

8. $\frac{\sqrt{\sum_{i=j}^{n}(x_i-\bar{x})2}}{N}$ इस सूत्र का प्रयोग किसके परिकलन के लिए किया जाता है:
(a) माध्य विचलन
(b) प्रसरण (परिवर्त्य) गुणांक
(c) मानक विचलन
(d) वैषम्यता
Ans. (c):

Let's Crack #JRF Asst Professor / Phd
ALL UGC NET SUBJECT AVAILABLE
Study group Benefits with privacy ⬇
1. Concept/ Theory pdf Notes
2. MCQ Quiz
3. Latest PYQs
4. Quick Revision Amriut
5. Model Test Papers
6. Current Affairs Focus
7. All India Rank
8. Latest exam Updates
9. Brain Booster facts
Free Free --- Join UGC NET
Subject wise Free study group.
ALL subject available.
send us Subject + medium on this number 7690022111. Our team will add you
Click on link to join
https://wa.link/9r0r0
Don't Miss this opportunity
Join & share........ आज ही जुड़े और अपनी NET / JRF एक बार मे सफलता सुनिश्चित करे .
Contact to team to join +91 769000-22111 +91 92162-28788
पेपर 1 और सभी नेट विषय के संपूर्ण नोट्स नए सिलेबस और पैटर्न के अनुसार उपलब्ध हैं।
निःशुल्क samples के लिए
अभी कॉल या व्हाट्सएप करें 7690022111 / 9216228788

9. सूची-I के साथ सूची-II का मिलान कीजिए:

सूची-I (रोग)	सूची-II (कारण)
A. फेफड़े का कैंसर	I. पारा विषाक्तन
B. ब्लैक फुट रोग	II. धूम्र-कोहरा
C. त्वचा का कैंसर	III. भू-जल में आर्सेनिक की अधिक मात्रा
D. मिनीमाता रोग	IV. पराबैंगनी किरणों के विकिरण में अधिक उद्धाषण

जो Students Paid Notes और Courses buy नहीं सकते है, तो Free NET/JRF तैयारी हेतु नीचे दिए Whats App No. पर MESSAGE करे अपना SUBJECT
NET JRF study kit-PDF Buy Now wapp/call 76900-22111

Choose the correct answer:
(a) A-IV, B-III, C-II, D-I
(b) A-III, B-II, C-I, D-IV
(c) A-II, B-III, C-IV, D-I
(d) A-I, B-II, C-IV, D-III
Ans. (c):

10. दिए गए रेखाचित्र में D की पहचान कीजिए:

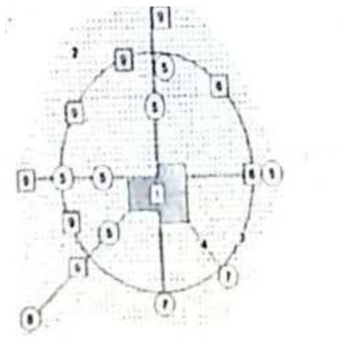

डाउनटाउन तथा एज सिटी मॉडल

(a) केंद्रीय शहर
(b) ऐज सिटी
(c) आवासीय उपनगर
(d) हवाई अड्डा
Ans. (b):

PROFESSORS ADDA

11. सूची-I के साथ सूची-II का मिलान कीजिए:

सूची-I (आर्द्रता)	सूची-II (के रूप में अभिव्यक्त)
A. निरपेक्ष आर्द्रता	I. %
B. विशिष्ट आर्द्रता	II. ग्राम/घन मीटर
C. मिश्रण अनुपात	III. Mass of Dry Air / जलवाष्प का भार / शुष्क वायु का भार
D. सापेक्ष आर्द्रता	IV. ग्राम/किलोग्राम

Choose the correct answer:
(a) A-IV, B-II, C-III, D-I
(b) A-II, B-IV, C-III, D-I
(c) A-II, B-III, C-IV, D-I
(d) A-IV, B-II, C-I, D-III
Ans. (b):

जो **Students Paid Notes** और **Courses buy** नहीं सकते है, तो **Free NET/JRF** तैयारी हेतु नीचे दिए **Whats App No.** पर **MESSAGE** करे अपना **SUBJECT**
NET JRF study kit-PDF Buy Now wapp/call 76900-22111

12. टॉरनेडों के संदर्भ में सही कथनों की पहचान करें:

A. समुद्र में टॉरनेडो जैसी परिघटना को जलस्तंभ कहा जाता है।
B. टॉरनेडो के विकास में मेसोसाइक्लोन का बनना एक पूर्व आवश्यकता है।
C. टॉरनेडो एक घुमावदार कीपाकार वायु स्तंभ को प्रदर्शित करता है जो कपासी वर्षा मेघों से नीचे धरातल तक पहुँचती है।
D. जापान विश्व का सर्वाधिक टॉरनेडो प्रवण क्षेत्र है।
नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए:
(a) केवल B, C तथा D
(b) केवल B तथा D
(c) केवल C तथा D
(d) केवल A, B तथा C
Ans. (d):

13. निम्नलिखित शहरों को ग्रीष्म ऋतु में दिवालोक की अवधि के अवरोही क्रम में व्यवस्थित कीजिए:

A. चेन्नई
B. ढाका
C. मास्को
D. शंघाई
Choose the correct answer from the options given below:
(a) C, D, B, A
(b) D, C, B, A
(c) C, D, A, B
(d) D, C, A, B
Ans. (a):

14. सूची-I के साथ सूची-II का मिलान कीजिए:

सूची-I (सूत्र / समीकरण)	सूची-II (उद्देश्य)
A. (h × r)/H	I. उच्चावच विस्थापन के परिकलन हेतु
B. f / (H - h)	II. वायव चित्र से किसी वस्तु की ऊंचाई के परिकलन हेतु
C. (H - h) × dp/(P + dp)	III. वायव चित्र के मापक के परिकलन हेतु
D. f/d	IV. शटर की गति के परिकलन के लिए

Choose the correct answer from the options given below:
(a) A-I, B-III, C-II, D-IV
(b) A-I, B-II, C-III, D-IV
(c) A-IV, B-III, C-II, D-I
(d) A-IV, B-III, C-I, D-II
Ans. (c):

15. निम्नलिखित भू-पत्रकों को वृहत् मापक से लघु मापक के क्रम में व्यवस्थित कीजिए:

A. 47D/11
B. 63
C. 55J
D. 63K/7/2

PROFESSORS ADDA

जो **Students Paid Notes** और **Courses buy** नहीं सकते है, तो **Free NET/JRF** तैयारी हेतु नीचे दिए **Whats App No.** पर **MESSAGE** करे अपना **SUBJECT**
NET JRF study kit-PDF Buy Now wapp/call 76900-22111

PROFESSORS ADDA
Trusted By Toppers
UGC-NET CSIR PGT SET CUET JRF ASST. PROF

PDF
UGC NET
ALL
SUBJECT
NOTES
click here
SPECIAL PRICE

REGULAR PRICE
~~₹ 2999~~
LIMITED TIME PRICE
₹ **9

+91 7690022111 +91 9216228788

UGC NET भूगोल PYQ/MCQ प्रश्नपत्र विश्लेषण और ट्रेंड पैटर्न (PDF 2016 - JAN 2025 पर आधारित)

1. प्रश्न प्रारूपों में विविधता:

- **बहुविकल्पीय प्रश्न (MCQs):** सभी प्रश्न इसी प्रारूप में हैं, जिनमें चार विकल्प दिए गए हैं।
- **मिलान आधारित प्रश्न (Match List):** ये प्रश्न काफी संख्या में पूछे जा रहे हैं। इनमें दो सूचियाँ (List I और List II) होती हैं, जिनमें अवधारणाओं, विद्वानों, स्थानों, सिद्धांतों, उपकरणों आदि का मिलान करना होता है। यह प्रारूप विभिन्न इकाइयों जैसे भौगोलिक चिंतन, भू-आकृति विज्ञान, जलवायु विज्ञान, समुद्र विज्ञान, आर्थिक भूगोल, भारत का भूगोल और भौगोलिक तकनीकों में आम है।
- **अभिकथन और कारण (Assertion & Reason - A/R):** इन प्रश्नों की संख्या भी महत्वपूर्ण है। इनमें एक अभिकथन (A) और एक कारण (R) दिया जाता है, और परीक्षार्थी को उनके बीच संबंध और सत्यता का मूल्यांकन करना होता है। ये वैचारिक समझ का परीक्षण करते हैं।
- **कथन आधारित प्रश्न (Statement-based):** इनमें एक या अधिक कथन दिए जाते हैं और पूछा जाता है कि कौन सा/से कथन सही है/हैं या गलत है/हैं। ये तथ्यात्मक और वैचारिक दोनों तरह की जानकारी का परीक्षण करते हैं। इनमें अक्सर 4-5 कथन देकर सही/गलत संयोजन चुनने वाले प्रश्न (जैसे A, B सही हैं; C, D, E गलत हैं) शामिल होते हैं।

आगामी UGC NET / JRF परीक्षा के लिए इस दस्तावेज़ को ध्यान से पढ़ें। प्रोफेसर्स अड्डा विषय विशेषज्ञ टीम ने आपकी अध्ययन सहायता के लिए इसे बहुत मेहनत से तैयार किया है। हम अपने छात्रों की अंतिम सफलता तक उनकी मदद करने में हमेशा खुश रहते हैं।

- **कालानुक्रमिक क्रम (Chronological Order):** घटनाओं, विद्वानों, सिद्धांतों, प्रकाशनों या प्रक्रियाओं को उनके घटित होने के क्रम में व्यवस्थित करने वाले प्रश्न भी पूछे जाते हैं, विशेषकर भौगोलिक चिंतन और पर्यावरण भूगोल में।
- **आरोही/अवरोही क्रम (Ascending/Descending Order):** डेटा-आधारित इकाइयों जैसे जनसंख्या भूगोल, आर्थिक भूगोल, भारत का भूगोल में राज्यों/क्षेत्रों/देशों को किसी विशेष संकेतक (जैसे जनसंख्या घनत्व, साक्षरता, उत्पादन, HDI) के आधार पर क्रम में लगाने वाले प्रश्न।

- **परिच्छेद/गद्यांश आधारित प्रश्न (Passage-based):** एक गद्यांश दिया जाता है, जिस पर आधारित 5 प्रश्न पूछे जाते हैं। यह समझ और विश्लेषण क्षमता का परीक्षण करता है। (जैसे जलवायु परिवर्तन, माल्थस के सिद्धांत पर आधारित गद्यांश देखे गए)।

- **आरेख/मानचित्र आधारित प्रश्न (Diagram/Map-based):** किसी आरेख (जैसे ऊर्जा खपत पैटर्न, तापमान वितरण ग्राफ) या मानचित्र (जैसे भारत के दर्रे) के आधार पर प्रश्न पूछे जाते हैं।

2. वैचारिक बनाम तथ्यात्मक प्रश्नों का संतुलन:

- प्रश्नपत्रों में वैचारिक स्पष्टता (Conceptual Clarity) और तथ्यात्मक जानकारी (Factual Knowledge) दोनों का अच्छा संतुलन दिखाई देता है।

- भौगोलिक चिंतन, भू-आकृति विज्ञान, जलवायु विज्ञान, समुद्र विज्ञान, जनसंख्या और अधिवास भूगोल, आर्थिक भूगोल जैसी इकाइयों में सिद्धांतों, मॉडलों और अवधारणाओं की गहरी समझ आवश्यक है।

- वहीं, भारत का भूगोल, संसाधन भूगोल, भौगोलिक तकनीकें और पर्यावरण भूगोल में तथ्यात्मक जानकारी (जैसे जनगणना डेटा, स्थानों के नाम, उपकरणों के नाम, संधियों/सम्मेलनों की तिथियां) का महत्व अधिक है।

3. प्रमुख फोकस क्षेत्र (Recurring Themes):

- **भौगोलिक चिंतन:** विभिन्न विचारधाराएं (नियतिवाद, संभववाद, प्रत्यक्षवाद, मानवतावाद आदि), प्रमुख भूगोलवेत्ता (विशेषकर ग्रीक, रोमन, अरब, जर्मन, फ्रांसीसी, अमेरिकी) और उनकी पुस्तकें/योगदान।

- **भू-आकृति विज्ञान:** अपरदन चक्र (डेविस, पेंक), प्लेट विवर्तनिकी, विभिन्न अपरदन कारकों द्वारा निर्मित स्थलाकृतियाँ।

- **जलवायु विज्ञान:** कोपेन का वर्गीकरण, वायुमंडलीय परिसंचरण, मानसून, जलवायु परिवर्तन और संबंधित समझौते।

- **समुद्र विज्ञान:** महासागरीय धाराएँ, नितल उच्चावच, लवणता और तापमान।

- **पर्यावरण भूगोल:** पारिस्थितिकी तंत्र की अवधारणाएं, जैव विविधता, प्रदूषण, आपदा प्रबंधन, सतत विकास।

All Subject's Complete Study Material KIT available.
Professor Adda Call WhatsApp Now 7690022111 / 9216228788

- **जनसंख्या एवं अधिवास भूगोल:** जनसांख्यिकीय संक्रमण मॉडल, माल्थस का सिद्धांत, प्रवास सिद्धांत, नगरीय संरचना मॉडल, केंद्रीय स्थान सिद्धांत, भारत की जनगणना (2011) के आंकड़े।
- **आर्थिक भूगोल:** कृषि और औद्योगिक अवस्थिति सिद्धांत (वॉन थ्यूनेन, वेबर), संसाधन वितरण (विशेषकर भारत में)।
- **भौगोलिक तकनीकें:** मानचित्रकला (मापनी, प्रक्षेप), सुदूर संवेदन (सेंसर, प्लेटफॉर्म, डेटा व्याख्या), GIS (डेटा मॉडल), सांख्यिकीय विधियाँ (सहसंबंध, प्रतिचयन, निकटतम पड़ोसी विश्लेषण)।
- **भारत का भूगोल:** भौतिक विभाग (पर्वत, नदियाँ, दर्रे), जलवायु, मृदा, वनस्पति, जनसंख्या, कृषि, खनिज।

4. कठिनाई स्तर:

- प्रश्नों का समग्र स्तर मध्यम से कठिन प्रतीत होता है। कई प्रश्नों में बहु-कथनात्मक प्रारूप और मिलान वाले प्रश्न होते हैं, जिनमें सटीक जानकारी और अवधारणाओं की स्पष्ट समझ आवश्यक होती है। अभिकथन-कारण वाले प्रश्न विशेष रूप से चुनौतीपूर्ण हो सकते हैं।

निष्कर्ष:

इन प्रश्नपत्रों के विश्लेषण से यह स्पष्ट है कि UGC NET भूगोल परीक्षा में सफलता के लिए पाठ्यक्रम की सभी इकाइयों की व्यापक और गहरी समझ आवश्यक है। केवल तथ्यों को याद करना पर्याप्त नहीं है, बल्कि अवधारणाओं को समझना, विभिन्न सिद्धांतों की तुलना करना और विश्लेषणात्मक कौशल विकसित करना भी महत्वपूर्ण है। मिलान, अभिकथन-कारण, और कथन-आधारित प्रश्नों के अभ्यास पर विशेष ध्यान देना चाहिए। पिछले वर्षों के प्रश्नों का गहन अध्ययन निश्चित रूप से तैयारी की सही दिशा निर्धारित करने में सहायक होता है।

अंतिम सफलता के लिए प्रोफेसर्स अड्डा का संपूर्ण अपडेटेड अध्ययन सामग्री पैकेज खरीदें।
हम साल में 2 बार NET Exam से पहले अप डेट करते है.

प्रिय स्टूडेंट्स हमारी अमृत नोट्स पुस्तिका छात्रों के बीच बहुत लोकप्रिय है।
आप खुद से, कहीं से,कुछ भी पढ़ें, लेकिन एक बार हमारे स्टडी मटेरियल से जरूर पढ़ें , आपको बहुत फायदा होगा। गुणवत्तापूर्ण संपूर्ण मार्ग दर्शन देना हमारी प्राथमिकता है.
Contact 7690022111 / 9216228788

आगामी UGC NET / JRF परीक्षा के लिए इस दस्तावेज़ को ध्यान से पढ़ें। प्रोफेसर्स अड्डा विषय विशेषज्ञ टीम ने आपकी अध्ययन सहायता के लिए इसे बहुत मेहनत से तैयार किया है। हम अपने छात्रों की अंतिम सफलता तक उनकी मदद करने में हमेशा खुश रहते हैं।

इकाई I: भू-आकृति विज्ञान (Geomorphology)

- **विस्तृत अवधारणाएँ:**
  - **अपरदन के सामान्य चक्र:** डेविस (अवस्थाओं पर जोर), पेंक (ढाल विकास, प्राइमारम्फ, एन्ट्रम्फ), एल.सी. किंग (पेडिप्लेनेशन) के मॉडलों की मूलभूत संकल्पनाएं, मान्यताएं और तुलनात्मक अध्ययन।
  - **स्थलाकृति विकास:** पेनिप्लेन, पैनप्लेन, पेडिप्लेन (इनकी निर्माण प्रक्रिया और अंतर)।
  - **भू-आकृतिक प्रक्रियाएं:** अपक्षय (भौतिक, रासायनिक - जैसे ऑक्सीकरण, कार्बोनेशन, जलयोजन), वृहद् संचलन (प्रकार - मलबा प्रवाह, भूस्खलन, सोलिफ्लक्शन), अपरदन और निक्षेपण।
  - **विभिन्न कारकों द्वारा निर्मित स्थलाकृतियाँ:**
    - **नदीय:** वी-आकार घाटी, जलप्रपात, जलोढ़ पंख, प्राकृतिक तटबंध, विसर्प, गोखुर झील, डेल्टा (चापाकार, पंजाकार, ज्वारनदमुखी, रुण्डित)।
    - **हिमनदीय:** सर्क, अरेत, हॉर्न, यू-आकार घाटी, ड्रमलिन, एस्कर, केम, हिमोढ़ (प्रकार)।
    - **पवन (शुष्क):** यारडांग, ज्यूजेन, इनसलबर्ग, छत्रक शिला, बालुका स्तूप (बरखान, अनुदैर्ध्य, अनुप्रस्थ), लोएस, पेडिमेंट, प्लाया।
    - **कार्स्ट:** लैपीज, घोलरंध्र, डोलाइन, युवाला, पोल्ये, अंधी घाटी, कंदरा, स्टैलेक्टाइट, स्टैलेग्माइट।
    - **सागरीय:** क्लिफ, वेलांचली प्लेटफार्म, स्टैक, स्टंप, मेहराब, कंदरा, रोधिका बीच, स्पिट, हुक, लूप।
  - **प्लेट विवर्तनिकी:** प्लेट सीमाएं (अभिसारी, अपसारी, संरक्षी/रूपांतरण - जैसे सैन एंड्रियास भ्रंश), संबंधित स्थलाकृतियाँ और घटनाएं (वलित पर्वत, भ्रंश घाटी, ज्वालामुखी, भूकंप)।
  - **भ्रंश और वलन:** प्रकार और संबंधित स्थलाकृतियाँ।
  - **भूकंप:** उद्गम केंद्र (फोकस), अधिकेंद्र (एपीसेंटर) का निर्धारण (न्यूनतम आवश्यक स्टेशन), परिमाण और तीव्रता।
  - **ढाल विकास:** डेविस, पेंक, वुड, किंग के विचार, हाइड्रोलिक ढाल सिद्धांत (आर.ई. हॉर्टन)।
  - **भू-आकृतिक जोखिम:** भूस्खलन (कारक, प्रकार, परिणाम), भूकंपीय क्षेत्र (भारत के संदर्भ में)।
  - **क्रमबद्ध स्थलाकृतियाँ:** प्रथम, द्वितीय, तृतीय क्रम की स्थलाकृतियाँ (जैसे सर्क - तृतीय क्रम)।

PROFESSORS ADDA

अमृत बुकलेट

PROFESSORS ADDA

यह क्या है, क्यों पढ़ें इसे?

- **AMRIT Booklet** को विषय की सभी प्रमुख पुस्तको से परीक्षा उपयोगी सार निकाल एक जगह **PYQ** पैटर्न पर बनाया गया है । आपको बुक्स नही पढ़नी अब.
- यह सिर्फ एक सामान्य बुकलेट नहीं, बल्कि एक **Top-Level rstudy Tool** है, जिसे विशेष रूप से उन छात्रों के लिए तैयार किया गया है जो तेज़ रिवीजन, **Exam-Time Recall** और **Concept Clarity** चाहते हैं।
- इसमें आपको मिलेगा हर जरूरी टॉपिक का "अमृत निचोड़" — यानी वही बातें जो परीक्षा में बार-बार पूछी जाती हैं।
- यह **Booklet** हर विषय के **Core Concepts, Keywords, Thinkers, Definitions** और **Chronology** को एक जगह समेटती है — और वो भी एकदम **crisp** तरीके से प्रश्न और उत्तर शैली मे ।

लाभ और विशेषताएँ:

- ✓ Super Quick Revision Tool
- ✓ Exam Time Confidence Booster
- ✓ High Retention Format –
- ✓ 100% Exam-Oriented – No Extra, No Fluff

ALL INDIA RANK

कैसे करें सर्वोत्तम उपयोग?

✅ पहले गाइड से टॉपिक का अमृत पेज पढ़ें
✅ Concepts के साथ-साथ Keywords को याद करें
✅ उसी दिन उस टॉपिक से MCQs हल करें
✅ परीक्षा से पहले सिर्फ इसी से रिवीजन करें — Time Saving, Score Boosting

Bonus Insides

यह किनके लिए है?

- ✅ NET / SET/ PGT
- ✅ Assistant Professor Candidates
- ✅ जिन्हे समय कम है लेकिन **Result** चाहिए **Strong** और **SYLLABUS** भी पूरा हो

यह **Booklet** उन सभी के लिए है जो सिर्फ पढ़ना नहीं, "सही पढ़ना" चाहते हैं।

क्या-क्या मिलेगा इसमें?

- **One Page One Topic Format –** हर पेज पर एक पूरा टॉपिक क्लियर
- **2025** के नवीनतम बदलावों के अनुसार अपडेटेड

PROFESSORS ADDA

Available in Digital PDF + Print Format

अभी बुक करें | DM करें | WhatsApp करें | Link से डाउनलोड करें

sample Notes/
Expert Guidance/Courier Facility Available

Download PROFESSORS ADDA APP

+91 7690022111 +91 9216228788

वाणिज्य वनलाइनर SAMPLE

1. प्रश्न: वैज्ञानिक प्रबंधन (Scientific Management) का जनक किसे माना जाता है?
   उत्तर: एफ.डब्ल्यू. टेलर (F.W. Taylor).
2. प्रश्न: एडम स्मिथ ने 'अदृश्य हाथ' (invisible hand) की अवधारणा का वर्णन मूल रूप से किस पुस्तक में किया था?
   उत्तर: The Theory of Moral Sentiments (1759), हालांकि यह The Wealth of Nations (1776) के साथ अधिक प्रसिद्ध रूप से जुड़ा हुआ है।
3. प्रश्न: "विपणन मायोपिया" (Marketing Myopia) की अवधारणा 1960 में हार्वर्ड बिजनेस रिव्यू के एक लेख में किस विचारक द्वारा पेश की गई थी?
   उत्तर: थियोडोर लेविट (Theodore Levitt).
4. प्रश्न: एफ.डब्ल्यू. टेलर द्वारा शुरू की गई वह अवधारणा क्या है, जिसमें किसी कार्य को उसके घटक भागों में तोड़ना और प्रत्येक भाग का समय निर्धारण करना शामिल है?
   उत्तर: समय और गति अध्ययन (Time and Motion Study).
5. प्रश्न: फिलिप कोटलर द्वारा लिखित मार्केटिंग रणनीति पर प्रभावशाली पुस्तक का नाम बताइए।
   उत्तर: मार्केटिंग मैनेजमेंट (Marketing Management).
6. प्रश्न: 'आवश्यकताओं के पदानुक्रम' (Hierarchy of Needs) प्रेरणा सिद्धांत का श्रेय किस मनोवैज्ञानिक को दिया जाता है?
   उत्तर: अब्राहम मास्लो (Abraham Maslow).
7. प्रश्न: एफ.डब्ल्यू. टेलर की किस 1911 की पुस्तक में उनके वैज्ञानिक प्रबंधन के सिद्धांत का विस्तृत वर्णन है?
   उत्तर: द प्रिंसिपल्स ऑफ साइंटिफिक मैनेजमेंट (The Principles of Scientific Management).

All Subject's Complete Study Material KIT available.
Professor Adda Call WhatsApp Now 7690022111 / 9216228788

PROFESSORS ADDA 2025

One Stop Solution for NET / JRF / A. Professor / CUET

8. प्रश्न: प्रसिद्ध हॉथोर्न अध्ययन (Hawthorne Studies), जिसने मानव संबंध आंदोलन को जन्म दिया, किस शोधकर्ता के साथ सबसे निकटता से जुड़ा हुआ है?

उत्तर: एल्टन मेयो (Elton Mayo).

9. प्रश्न: उद्योग प्रतिस्पर्धा का विश्लेषण करने के लिए माइकल ई. पोर्टर द्वारा विकसित ढाँचे का क्या नाम है?

उत्तर: पोर्टर का फाइव फोर्सेस मॉडल (Porter's Five Forces Model).

10. प्रश्न: वर्तमान भारतीय कंपनी अधिनियम किस वर्ष लागू किया गया, जिसने 1956 के अधिनियम की जगह ली?

उत्तर: 2013.

PAID STUDENTS BENEFITS

- ✓ Access to PYQs of the Upcoming 1 year Exams
- ✓ Entry into Quiz Group + Premium Materials
- ✓ 20% Discount on Future Purchases /For Referring a Friend
- ✓ Access to Current Affairs + Premium Study Group

NOTE: Please share your Fee Receipt or Payment Screenshot for activation.

Click here to join

Call us/whatapp +91 7690022111 +91 9216228788

11. प्रश्न: प्रबंधन की foundational पुस्तक, द प्रैक्टिस ऑफ मैनेजमेंट (1954) के लेखक कौन हैं?

उत्तर: पीटर एफ. ड्रकर (Peter F. Drucker).

12. प्रश्न: 'नौकरशाही प्रबंधन' (Bureaucratic Management) का सिद्धांत, जो औपचारिक संरचना और नियमों पर जोर देता है, किसके द्वारा प्रस्तावित किया गया था?

उत्तर: मैक्स वेबर (Max Weber).

All Subject's Complete Study Material KIT available.
Professor Adda Call WhatsApp Now 7690022111 / 9216228788

13. प्रश्न: फ्रेडरिक हर्ज़बर्ग के उस सिद्धांत का क्या नाम है जो नौकरी की संतुष्टि को नौकरी की असंतुष्टि से अलग करता है?

उत्तर: द्वि-कारक सिद्धांत (Two-Factor Theory) या प्रेरक-स्वच्छता सिद्धांत (Motivator-Hygiene Theory).

14. प्रश्न: किस प्रबंधन विचारक ने अपनी 1960 की पुस्तक, द ह्यूमन साइड ऑफ एंटरप्राइज में थ्योरी X और थ्योरी Y की अवधारणाओं को पेश किया?

उत्तर: डगलस मैकग्रेगर (Douglas McGregor).

15. प्रश्न: उस लेखांकन अवधारणा का नाम बताइए जो यह निर्धारित करती है कि व्ययों को उसी अवधि में दर्ज किया जाना चाहिए जिसमें उन्होंने राजस्व उत्पन्न करने में मदद की।

उत्तर: मिलान सिद्धांत (Matching Principle).

16. प्रश्न: प्रबंधन के 14 सिद्धांत (14 Principles of Management) 1916 की पुस्तक जनरल एंड इंडस्ट्रियल मैनेजमेंट में किस लेखक द्वारा उल्लिखित किए गए थे?

उत्तर: हेनरी फेयोल (Henri Fayol).

17. प्रश्न: किस वर्ष टैरिफ और व्यापार पर सामान्य समझौते (GATT) को विश्व व्यापार संगठन (WTO) द्वारा प्रतिस्थापित किया गया?

उत्तर: 1995.

18. प्रश्न: किसी कंपनी की 'मुख्य क्षमता' (Core Competency) की अवधारणा 1990 के हार्वर्ड बिजनेस रिव्यू लेख में किन दो विचारकों द्वारा विकसित की गई थी?

उत्तर: सी.के. प्रहलाद और गैरी हैमेल (C.K. Prahalad and Gary Hamel).

19. प्रश्न: किसी संपत्ति पर अपेक्षित रिटर्न का निर्धारण करने के लिए विलियम एफ. शार्प द्वारा विकसित मॉडल का वित्तीय नाम क्या है?

उत्तर: पूंजी परिसंपत्ति मूल्य निर्धारण मॉडल (Capital Asset Pricing Model - CAPM).

All Subject's Complete Study Material KIT available.
Professor Adda Call WhatsApp Now 7690022111 / 9216228788

20. प्रश्न: बाजार विभाजन के लिए VALS (मूल्य और जीवन शैली) ढाँचा स्टैनफोर्ड रिसर्च इंस्टीट्यूट में किस विचारक द्वारा विकसित किया गया था?

उत्तर: अर्नोल्ड मिशेल (Arnold Mitchell).

21. प्रश्न: 'उत्पाद जीवन चक्र' (Product Life Cycle) की अवधारणा, जो एक उत्पाद के विभिन्न चरणों का वर्णन करती है, किस मार्केटिंग विद्वान द्वारा लोकप्रिय की गई थी?

उत्तर: थियोडोर लेविट (Theodore Levitt).

22. प्रश्न: अपनी 1938 की पुस्तक, द फंक्शन्स ऑफ द एग्जीक्यूटिव में, किस विचारक ने "अनौपचारिक संगठन" (informal organization) की अवधारणा पेश की?

उत्तर: चेस्टर बर्नार्ड (Chester Barnard).

23. प्रश्न: 'उद्देश्यों द्वारा प्रबंधन' (Management by Objectives - MBO) के प्रबंधन दर्शन को सबसे पहले किस विचारक द्वारा लोकप्रिय बनाया गया था?

उत्तर: पीटर एफ. ड्रकर (Peter F. Drucker).

24. प्रश्न: आंतरिक और बाहरी कारकों का आकलन करने के लिए अल्बर्ट हम्फ्रे को श्रेय दिए जाने वाले रणनीतिक योजना उपकरण का क्या नाम है?

उत्तर: SWOT विश्लेषण (SWOT Analysis).

25. प्रश्न: अंतर्राष्ट्रीय व्यापार में 'निरपेक्ष लाभ' (Absolute Advantage) का सिद्धांत किस शास्त्रीय अर्थशास्त्री को श्रेय दिया जाता है?

उत्तर: एडम स्मिथ (Adam Smith).

26. प्रश्न: भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (SEBI) को किस वर्ष वैधानिक शक्तियाँ प्रदान की गईं?

उत्तर: 1992.

27. प्रश्न: प्रभावशाली पुस्तक कॉम्पिटिटिव स्ट्रैटेजी: टेक्निक्स फॉर एनालाइजिंग इंडस्ट्रीज एंड कॉम्पिटिटर्स (1980) किसने लिखी?

उत्तर: माइकल ई. पोर्टर (Michael E. Porter).

28. प्रश्न: यह बताने वाला आर्थिक सिद्धांत कि "खराब पैसा अच्छे पैसे को चलन से

बाहर कर देता है" किस नाम से जाना जाता है?

उत्तर: ग्रेशम का नियम (Gresham's Law).

29. प्रश्न: प्रबंधन सिद्धांत पर अपनी कई पुस्तकों और लेखों के लिए 'आधुनिक प्रबंधन के पिता' के रूप में किसे व्यापक रूप से माना जाता है?

उत्तर: पीटर एफ. ड्रकर (Peter F. Drucker).

PAID STUDENTS BENEFITS

- ✓ Access to PYQs of the Upcoming 1 year Exams
- ✓ Entry into Quiz Group + Premium Materials
- ✓ 20% Discount on Future Purchases /For Referring a Friend
- ✓ Access to Current Affairs + Premium Study Group

NOTE: Please share your Fee Receipt or Payment Screenshot for activation.

Click here to join

Call us/whatapp +91 7690022111 +91 9216228788

30. प्रश्न: उपभोक्ता सिद्धांत में 'उदासीनता वक्र' (Indifference Curve) विश्लेषण किस अर्थशास्त्री द्वारा विकसित किया गया था?

उत्तर: फ्रांसिस य्सिड्रो एजवर्थ (Francis Ysidro Edgeworth) और बाद में विल्फ्रेडो पेरेटो (Vilfredo Pareto) द्वारा परिष्कृत किया गया।

31. प्रश्न: पूंजी संरचना सिद्धांत में मोदिग्लिआनी-मिलर प्रमेय (1958) यह बताता है कि कंपनी का मूल्य किससे अप्रभावित रहता है?

उत्तर: यह कैसे वित्तपोषित है (इसका ऋण-से-इक्विटी अनुपात)।

32. प्रश्न: 'प्रबंधकीय ग्रिड' (Managerial Grid) मॉडल, जो 'लोगों के लिए चिंता' बनाम 'उत्पादन के लिए चिंता' के आधार पर नेतृत्व शैलियों का रेखांकन करता है, किन दो विचारकों द्वारा विकसित किया गया था?

उत्तर: रॉबर्ट आर. ब्लेक और जेन एस. माउटन (Robert R. Blake and Jane S. Mouton).

33. प्रश्न: बोस्टन कंसल्टिंग ग्रुप (BCG) मैट्रिक्स बाजार हिस्सेदारी और बाजार वृद्धि के आधार पर व्यावसायिक इकाइयों को किन चार श्रेणियों में वर्गीकृत करता है?

उत्तर: सितारे (Stars), नकद गाय (Cash Cows), प्रश्न चिह्न (Question Marks), और कुत्ते (Dogs).

34. प्रश्न: विक्टर व्रूम की प्रेरणा का 'प्रत्याशा सिद्धांत' (Expectancy Theory) तीन तत्वों पर आधारित है: प्रत्याशा (Expectancy), साधन (Instrumentality), और क्या?

उत्तर: संयोजन (Valence).

35. प्रश्न: भारतीय अनुबंध अधिनियम (Indian Contract Act) किस वर्ष अधिनियमित किया गया था?

उत्तर: 1872.

36. प्रश्न: अंतर्राष्ट्रीय व्यापार में 'तुलनात्मक लाभ' (Comparative Advantage) के सिद्धांत को विकसित करने का श्रेय किसे दिया जाता है?

उत्तर: डेविड रिकार्डो (David Ricardo).

37. प्रश्न: 'किंक्ड डिमांड कर्व' (Kinked Demand Curve) मॉडल का उपयोग किस बाजार संरचना में मूल्य की कठोरता की व्याख्या के लिए किया जाता है?

उत्तर: अल्पाधिकार (Oligopoly).

38. प्रश्न: 'उपभोक्ता अधिशेष' (Consumer Surplus) की अवधारणा को किस अर्थशास्त्री ने अपनी 1890 की पुस्तक प्रिंसिपल्स ऑफ इकोनॉमिक्स में परिष्कृत और लोकप्रिय बनाया?

उत्तर: अल्फ्रेड मार्शल (Alfred Marshall).

39. प्रश्न: 'जस्ट-इन-टाइम' (JIT) इन्वेंट्री प्रबंधन रणनीति किस जापानी कंपनी द्वारा शुरू की गई थी?

उत्तर: टोयोटा (Toyota).

40. प्रश्न: नेतृत्व के 'आकस्मिकता सिद्धांत' (Contingency Theory) का प्रस्ताव किसने दिया, जिसमें यह सुझाव दिया गया कि एक नेता की प्रभावशीलता स्थिति

All Subject's Complete Study Material KIT available.
Professor Adda Call WhatsApp Now 7690022111 / 9216228788

पर निर्भर करती है?

उत्तर: फ्रेड फीडलर (Fred Fiedler).

41. प्रश्न: मार्केटिंग में '4 Ps' (Product, Price, Place, Promotion) की अवधारणा किसके द्वारा प्रस्तावित की गई थी?

उत्तर: ई. जेरोम मैकार्थी (E. Jerome McCarthy).

42. प्रश्न: कौन सा लेखांकन सिद्धांत कहता है कि एक व्यवसाय अपने मालिकों से एक अलग कानूनी और वित्तीय इकाई है?

उत्तर: व्यावसायिक इकाई अवधारणा (Business Entity Concept).

43. प्रश्न: अंतर्राष्ट्रीय व्यापार का हेक्शर-ओहलिन मॉडल (Heckscher-Ohlin model) यह तर्क देता है कि देश उन वस्तुओं का निर्यात करेंगे जो किन कारकों का गहन उपयोग करते हैं?

उत्तर: वे कारक जो स्थानीय रूप से प्रचुर मात्रा में हैं।

44. प्रश्न: 'थ्योरी Z', जो एक जापानी प्रबंधन शैली पर ध्यान केंद्रित करती है जिसमें दीर्घकालिक रोजगार और सामूहिक निर्णय लेना शामिल है, किसके द्वारा विकसित की गई थी?

उत्तर: विलियम ओउची (William Ouchi).

45. प्रश्न: भारत में पहला उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम (Consumer Protection Act) किस वर्ष पारित किया गया था?

उत्तर: 1986.

46. प्रश्न: यूजीन फामा द्वारा विकसित उस वित्तीय सिद्धांत का क्या नाम है जो यह बताता है कि संपत्ति की कीमतें सभी उपलब्ध सूचनाओं को पूरी तरह से दर्शाती हैं?

उत्तर: कुशल बाजार परिकल्पना (Efficient Market Hypothesis - EMH).

47. प्रश्न: पुस्तक ब्लू ओशन स्ट्रैटेजी (2004), जो निर्विरोध बाजार स्थान बनाने की वकालत करती है, किन दो लेखकों द्वारा लिखी गई थी?

उत्तर: डब्ल्यू. चान किम और रेनी माउबोर्गने (W. Chan Kim and Renée

Mauborgne).

48. प्रश्न: कार्ल पियर्सन द्वारा विकसित कौन सा सांख्यिकीय माप दो चरों के बीच एक रैखिक संबंध की ताकत और दिशा को इंगित करता है?

उत्तर: पियर्सन सहसंबंध गुणांक (Pearson Correlation Coefficient).

49. प्रश्न: 'एंसॉफ मैट्रिक्स' (Ansoff Matrix) चार विकास रणनीतियों की पहचान के लिए एक रणनीतिक योजना उपकरण है। वे क्या हैं?

उत्तर: बाजार भेदन (Market Penetration), बाजार विकास (Market Development), उत्पाद विकास (Product Development), और विविधीकरण (Diversification).

50. प्रश्न: परक्राम्य लिखत अधिनियम (Negotiable Instruments Act) भारत में किस वर्ष अधिनियमित किया गया था?

उत्तर: 1881.

All Subject's Complete Study Material KIT available.
Professor Adda Call WhatsApp Now 7690022111 / 9216228788

Topper's Tool Kit 2025

PROFESSORS ADDA

Topper's Tool Kit 2025

🧠 Benefits & Features:

- ✅ **Core Concepts –** हर टॉपिक का सार, आसान भाषा में
- ✅ **Key Thinkers & Theories –** नाम + विचार + साल = सब याद रहेगा
- ✅ **Important Books –** वही किताबें, जो **exams** मे आती **year** सहित
- ✅ **Flow Charts –** हर जटिल टॉपिक को **1** पेज में समझो
- ✅ **Mind Maps –** तेज़ रिविजन के लिए **Visual Recall Hack**

Topper बनने और "Smart Study का असली formula"

🧠क्यों महत्वपूर्ण है

विषय की नींव और आधार होते है विचारक और **concepts.** हर बार जरूर सवाल बनते है **UGC NET exam** से **interview** तक

ALL INDIA RANK

📢 Topper बनना है? Toolkit है जवाब!

📦 Format: Digital PDF + Optional Print

📅 Latest Update: May 2025 तक

🚀 टॉपर्स इस पर भरोसा क्यों करते हैं?

- **No Guesswork –** सिर्फ **Exam-Oriented** कंटेंट
- **Visual Learning =** तेज़ **Revision**
- टाइम बचे, स्कोर बढ़े
- घर बैठे **Smart Preparation**

PROFESSORS ADDA

📦 Available in Digital PDF + Print Format

📤 Book Now | DM | WhatsApp | Download from the link

sample Notes/
Expert Guidance/Courier Facility Available

Download PROFESSORS ADDA APP

📞 +91 7690022111 +91 9216228788

वाणिज्य विचारक टूल किट SAMPLE

1. एडम स्मिथ (1723-1790)

परिचय

- एक स्कॉटिश अर्थशास्त्री और दार्शनिक, जिन्हें "आधुनिक अर्थशास्त्र का जनक" माना जाता है।
- स्कॉटिश ज्ञानोदय के दौरान एक प्रमुख व्यक्ति के रूप में उनके कार्य ने शास्त्रीय मुक्त-बाज़ार आर्थिक सिद्धांत की नींव रखी।
- उन्होंने अपने समय के प्रचलित आर्थिक सिद्धांत, 'व्यापारवाद' के विरुद्ध तर्क दिया, जो सरकारी विनियमन और संरक्षणवाद की वकालत करता था।
- श्रम विभाजन, मुक्त व्यापार और "अदृश्य हाथ" पर उनके विचारों ने व्यावसायिक वातावरण की समझ को गहराई से आकार दिया है।
- उनके सिद्धांत पूंजीवाद की आधारशिला हैं और इनका अंतर्राष्ट्रीय व्यापार पर सीधा असर पड़ता है।

महत्वपूर्ण अवधारणाएं

- **पूर्ण लाभ का सिद्धांत:** यह अंतर्राष्ट्रीय व्यापार में उनका आधारशिला सिद्धांत है। उन्होंने तर्क दिया कि एक देश को उन वस्तुओं के उत्पादन और निर्यात में विशेषज्ञता हासिल करनी चाहिए जिन्हें वह अन्य देशों की तुलना में अधिक कुशलता से (कम संसाधनों का उपयोग करके) उत्पादित कर सकता है।[1]
- **लेसेज-फेयर:** यह सिद्धांत कि सरकारों को अर्थव्यवस्था के कामकाज में हस्तक्षेप नहीं करना चाहिए। उनका मानना था कि सरकार के हस्तक्षेप के बिना मुक्त बाजार सबसे अच्छे परिणाम देते हैं।
- **"अदृश्य हाथ":** मुक्त बाजार अर्थव्यवस्था को चलाने वाली अदृश्य शक्तियों के लिए एक रूपक। उन्होंने तर्क दिया कि अपने स्वार्थ में काम करने वाले व्यक्ति अनजाने में पूरे समाज की आर्थिक भलाई को बढ़ावा देते हैं।
- **श्रम विभाजन:** स्मिथ ने कहा कि उत्पादन प्रक्रिया को कई छोटे, विशिष्ट कार्यों में विभाजित करने से उत्पादकता और दक्षता बढ़ती है। यह अवधारणा आधुनिक व्यावसायिक संचालन के लिए मौलिक है।
- **मुक्त व्यापार:** वे राष्ट्रों के बीच मुक्त व्यापार के प्रबल समर्थक थे, उनका मानना था कि इससे सभी देशों को लाभ होगा क्योंकि वे जो सबसे अच्छा करते हैं उसमें विशेषज्ञता हासिल करेंगे तथा बाकी देशों के लिए व्यापार करेंगे।
- **मूल्य का विरोधाभास:** उन्होंने "उपयोग में मूल्य" (किसी वस्तु की उपयोगिता, जैसे पानी) और "विनिमय में मूल्य" (हीरे जैसी अन्य वस्तुओं को खरीदने की शक्ति) के बीच अंतर बताया, जो मूल्य सिद्धांत में एक आधारभूत अवधारणा है।
- **सरकार की सीमित भूमिका:** तर्क दिया गया कि सरकार की भूमिका राष्ट्रीय सीमाओं की रक्षा करने, कानूनी अधिकारों को लागू करने और सार्वजनिक कार्य प्रदान करने तक सीमित होनी चाहिए जो निजी उद्यम के लिए लाभदायक नहीं हैं।
- **प्रेरक के रूप में स्व-हित:** यह माना जाता है कि स्व-हित आर्थिक गतिविधि का प्राथमिक प्रेरक है, जो

प्रतिस्पर्धा और नवाचार को जन्म देता है।

प्रमुख प्रकाशन पुस्तकें

- **नैतिक भावनाओं का सिद्धांत (1759):** उनकी पहली प्रमुख रचना, जो उनके समय की नैतिक सोच की जांच करती है और चर्चा करती है कि कैसे मनुष्य सामाजिक संपर्क और सहानुभूति के माध्यम से नैतिकता की भावना विकसित करते हैं।
- **राष्ट्रों की संपत्ति की प्रकृति और कारणों की जांच (1776): अक्सर** द वेल्थ ऑफ नेशंस के नाम से संक्षिप्त , यह उनकी महान कृति है और शास्त्रीय अर्थशास्त्र का एक आधारभूत पाठ है। इसमें श्रम विभाजन, मुक्त बाजार और पूर्ण लाभ पर उनके सिद्धांतों का विवरण दिया गया है।

तथ्य

- एडम स्मिथ ने अपने जीवन के अंतिम वर्षों में सीमा शुल्क आयुक्त के रूप में काम किया, जो मुक्त व्यापार के विश्व के सबसे प्रसिद्ध समर्थक के लिए एक विडंबनापूर्ण कार्य था।

2. डेविड रिकार्डो (1772-1823)

परिचय

- एक प्रभावशाली अंग्रेजी शास्त्रीय अर्थशास्त्री और ब्रिटिश संसद के सदस्य।
- वे शास्त्रीय अर्थशास्त्र के विकास में सबसे महत्वपूर्ण व्यक्तियों में से एक थे, जिन्होंने एडम स्मिथ के कार्य को आगे बढ़ाया और कभी-कभी उन्हें चुनौती भी दी।
- अंतर्राष्ट्रीय व्यापार सिद्धांत में उनका सबसे महत्वपूर्ण योगदान तुलनात्मक लाभ का सिद्धांत है।
- किराया, मजदूरी और मुनाफे पर उनके सिद्धांतों ने अर्थव्यवस्था के भीतर आय के वितरण को समझने के लिए एक रूपरेखा प्रदान की।
- उनके कठोर, अमूर्त तर्क ने आर्थिक विश्लेषण के लिए एक नया मानक स्थापित किया।

महत्वपूर्ण अवधारणाएं

- **तुलनात्मक लाभ का सिद्धांत:** रिकार्डो ने एडम स्मिथ के सिद्धांत को परिष्कृत करते हुए तर्क दिया कि व्यापार पारस्परिक रूप से लाभकारी हो सकता है, भले ही किसी एक देश को सभी वस्तुओं के उत्पादन में पूर्ण लाभ हो। किसी देश को उन वस्तुओं में विशेषज्ञता हासिल करनी चाहिए जहाँ उसकी सापेक्ष दक्षता सबसे अधिक हो या अवसर लागत सबसे कम हो।
- **अवसर लागत:** अवसर लागत की अवधारणा तुलनात्मक लाभ के लिए केंद्रीय है। यह किसी विशेष वस्तु के उत्पादन के लिए दिए गए मूल्य को संदर्भित करता है। व्यापार इस लागत को कम करने पर आधारित होना चाहिए।
- **मूल्य का श्रम सिद्धांत:** उन्होंने काफी हद तक स्मिथ का अनुसरण करते हुए यह माना कि किसी वस्तु का मूल्य उसके उत्पादन के लिए आवश्यक श्रम की मात्रा से निर्धारित होता है।
- **घटते प्रतिफल का नियम:** रिकार्डो ने इस नियम को कृषि पर लागू किया, तथा तर्क दिया कि जब एक निश्चित भूमि पर अधिक श्रम और पूंजी लगाई जाती है, तो सीमांत उत्पादन अंततः कम हो जाएगा।

सभी विषयों की सम्पूर्ण अध्ययन सामग्री किट उपलब्ध है।
प्रोफेसर अड्डा कॉल व्हाट्सएप अभी 7690022111 / 9216228788

- **लगान का सिद्धांत:** उन्होंने लगान को "मिट्टी की मूल और अविनाशी शक्तियों" के उपयोग के लिए भूमि मालिक को दिए जाने वाले भुगतान के रूप में परिभाषित किया, तथा तर्क दिया कि यह भूमि की भिन्न-भिन्न उर्वरता से उत्पन्न होता है।
- **"मजदूरी का लौह नियम":** रिकार्डो ने कहा कि, दीर्घकाल में, मजदूरी स्वाभाविक रूप से जीवन निर्वाह के लिए आवश्यक न्यूनतम स्तर की ओर बढ़ेगी।
- **सकारात्मक-योग खेल के रूप में अंतर्राष्ट्रीय व्यापार:** तुलनात्मक लाभ के उनके सिद्धांत ने प्रदर्शित किया कि अंतर्राष्ट्रीय व्यापार शून्य-योग खेल नहीं है (जहां एक देश का लाभ दूसरे के लिए हानि है) बल्कि एक सकारात्मक-योग खेल है जहां सभी भाग लेने वाले देश लाभान्वित हो सकते हैं।

प्रमुख प्रकाशन पुस्तकें

- **राजनीतिक अर्थव्यवस्था और कराधान के सिद्धांतों पर (1817):** यह रिकार्डो का सबसे महत्वपूर्ण काम है। इसमें तुलनात्मक लाभ, मूल्य का श्रम सिद्धांत और किराया, मजदूरी और लाभ पर उनके सिद्धांतों सहित उनके प्रमुख सिद्धांतों को प्रस्तुत किया गया है।

तथ्य

- डेविड रिकार्डो ने 30 वर्ष की आयु से पहले ही स्टॉकब्रोकर और ऋण ब्रोकर के रूप में अपार संपत्ति अर्जित कर ली थी, जिससे उन्हें सेवानिवृत्त होने और अपना शेष जीवन अर्थशास्त्र के अध्ययन और लेखन के लिए समर्पित करने का अवसर मिला।

3. माइकल ई. पोर्टर (जन्म 1947)

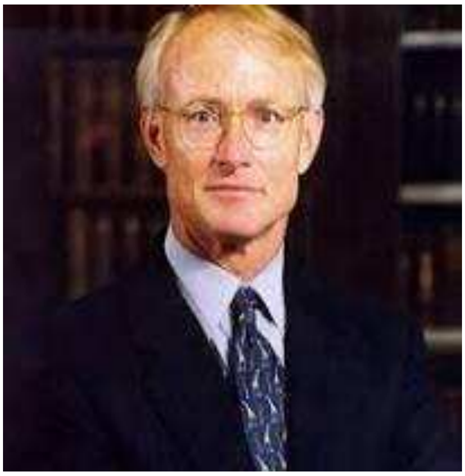

परिचय

- हार्वर्ड बिजनेस स्कूल में कार्यरत एक अमेरिकी शिक्षाविद, अर्थशास्त्री और व्यापार रणनीतिकार।
- वह व्यापार रणनीति और प्रतिस्पर्धा के क्षेत्र में सबसे प्रभावशाली विचारकों में से एक हैं।
- उनका कार्य अर्थशास्त्र और व्यवसाय प्रबंधन के बीच की खाई को पाटता है, तथा उद्योगों और प्रतिस्पर्धियों के विश्लेषण के लिए व्यावहारिक रूपरेखा प्रदान करता है।
- उनके सिद्धांत यह समझने के लिए मौलिक हैं कि कंपनियां और राष्ट्र अंतर्राष्ट्रीय कारोबारी माहौल में प्रतिस्पर्धात्मक लाभ कैसे प्राप्त कर सकते हैं।
- उन्होंने व्यवसायों और सरकारों के लिए व्यापक रूप से उपयोग किये जाने वाले रणनीतिक उपकरण विकसित किये हैं।

महत्वपूर्ण अवधारणाएं

- **पोर्टर की पाँच शक्तियाँ:** किसी उद्योग में प्रतिस्पर्धा के स्तर का विश्लेषण करने के लिए एक रूपरेखा। पाँच शक्तियाँ हैं:
  1. नए प्रवेशकों का खतरा
  2. खरीदारों की सौदेबाजी की शक्ति
  3. आपूर्तिकर्ताओं द्वारा सौदेबाजी करने की क्षमता

4. स्थानापन्न उत्पादों या सेवाओं का खतरा[2]
5. मौजूदा प्रतिस्पर्धियों के बीच प्रतिद्वंद्विता[3]

- **पोर्टर का डायमंड मॉडल (राष्ट्रीय प्रतिस्पर्धात्मक लाभ का सिद्धांत):** यह मॉडल यह समझाने के लिए डिज़ाइन किया गया है कि किसी विशेष राष्ट्र के भीतर कुछ उद्योग अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रतिस्पर्धी क्यों हैं। इसमें चार निर्धारक शामिल हैं:
  1. कारक स्थितियाँ (जैसे, कुशल श्रम, बुनियादी ढाँचा)
  2. मांग की स्थितियाँ (घरेलू बाजार की मांग की प्रकृति)
  3. संबंधित एवं सहायक उद्योग
  4. फर्म की रणनीति, संरचना और प्रतिद्वंद्विता
- **सामान्य रणनीतियाँ:** पोर्टर ने तीन सामान्य रणनीतियों की पहचान की है जिनका उपयोग कोई फर्म प्रतिस्पर्धात्मक लाभ प्राप्त करने के लिए कर सकती है:
  1. **लागत नेतृत्व** (सबसे कम लागत वाला उत्पादक होना)
  2. **विभेदीकरण** (ग्राहकों द्वारा मूल्यवान समझे जाने वाले तरीके से अद्वितीय होना)
  3. **फोकस** (एक संकीर्ण बाजार खंड पर ध्यान केंद्रित करना)
- **मूल्य शृंखला विश्लेषण:** एक अवधारणा जो फर्म की गतिविधियों को मूल्य-वर्धक चरणों (जैसे, इनबाउंड लॉजिस्टिक्स, संचालन, विपणन, सेवा) की एक श्रृंखला में विभाजित करती है। एक फर्म इन गतिविधियों को अधिक कुशलतापूर्वक या विशिष्ट रूप से निष्पादित करके प्रतिस्पर्धात्मक लाभ प्राप्त करती है।
- **क्लस्टर:** उन्होंने किसी विशेष क्षेत्र में परस्पर जुड़ी कंपनियों और संस्थाओं के भौगोलिक क्लस्टरों की भूमिका पर जोर दिया, जो नवाचार और प्रतिस्पर्धा को बढ़ावा देते हैं।

प्रमुख प्रकाशन पुस्तकें

- **प्रतिस्पर्धी रणनीति: उद्योगों और प्रतिस्पर्धियों का विश्लेषण करने की तकनीकें (1980):** इस पुस्तक में उनकी प्रसिद्ध पांच बल रूपरेखा और उनकी तीन सामान्य रणनीतियों का परिचय दिया गया।
- **प्रतिस्पर्धात्मक लाभ: बेहतर प्रदर्शन बनाना और उसे बनाए रखना (1985):** इस कार्य ने मूल्य श्रृंखला की अवधारणा पेश की।
- **राष्ट्रों का प्रतिस्पर्धात्मक फ़ायदा (1990):** इस प्रभावशाली पुस्तक में राष्ट्रीय लाभ के उनके डायमंड मॉडल का विस्तार से वर्णन किया गया है।

तथ्य

- यद्यपि वे एक बिजनेस स्कूल में प्रोफेसर हैं, लेकिन माइकल पोर्टर की प्रारंभिक शिक्षा एयरोस्पेस इंजीनियरिंग में थी, उसके बाद वे बिजनेस और अर्थशास्त्र में आ गए।

4. हेक्स्चर-ओहलिन (सिद्धांत)

परिचय

- यह कोई एक विचारक नहीं बल्कि दो स्वीडिश अर्थशास्त्रियों, एली हेक्शर (1879-1952) और उनके छात्र बर्टिल ओहलिन (1899-1979) द्वारा विकसित एक संयुक्त सिद्धांत है।
- उनका कार्य अंतर्राष्ट्रीय व्यापार पैटर्न की अधिक उन्नत व्याख्या प्रदान

करता है, जो रिकार्डो के तुलनात्मक लाभ के सिद्धांत से भी आगे जाता है।

- हेक्स्चर-ओहलिन (HO) सिद्धांत को "कारक अनुपात सिद्धांत" या "2x2x2 मॉडल" (2 देश, 2 वस्तुएं, उत्पादन के 2 कारक) के रूप में भी जाना जाता है।
- यह इस बात पर केंद्रित है कि किसी देश के उत्पादन कारकों (जैसे भूमि, श्रम और पूंजी) का उसके व्यापार पैटर्न पर क्या प्रभाव पड़ता है।
- इस सिद्धांत के लिए बर्टिल ओहलिन को 1977 में आर्थिक विज्ञान में नोबेल मेमोरियल पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

महत्वपूर्ण अवधारणाएं

- **कारक संपदा:** एचओ मॉडल का मानना है कि विभिन्न देशों में उत्पादन के कारकों की संपदा अलग-अलग होती है (उदाहरण के लिए, भारत में श्रम प्रचुर है, जबकि अमेरिका में पूंजी प्रचुर है)।
- **हेक्स्चर-ओहलिन प्रमेय:** इस सिद्धांत का सार यह है कि एक देश उन वस्तुओं का निर्यात करेगा जो उत्पादन के उन कारकों का गहन उपयोग करती हैं जो उसके पास प्रचुर मात्रा में हैं। उदाहरण के लिए, एक पूंजी-प्रचुर देश पूंजी-गहन वस्तुओं का निर्यात करेगा।
- **कारक-मूल्य समतुल्यता प्रमेय:** एक संबंधित प्रमेय जो यह सुझाव देता है कि उत्पादन के समान कारकों (जैसे मजदूरी दर या पूंजी पर वापसी) की कीमतें मुक्त व्यापार के परिणामस्वरूप धीरे-धीरे सभी देशों में समान हो जाएंगी।
- **स्टॉपर-सैमुएलसन प्रमेय:** यह प्रमेय HO मॉडल को आगे बढ़ाते हुए दिखाता है कि व्यापार के लिए खुलापन किसी देश के भीतर आय के वितरण को कैसे प्रभावित करता है। यह बताता है कि मुक्त व्यापार किसी देश के प्रचुर कारक पर रिटर्न बढ़ाएगा और उसके दुर्लभ कारक पर रिटर्न घटाएगा।
- **'क्यों' पर ध्यान केन्द्रित करें:** जबकि रिकार्डो का सिद्धांत यह स्पष्ट करता है कि तुलनात्मक लाभ मौजूद है, एचओ मॉडल यह समझाने का प्रयास करता है कि यह क्यों मौजूद है, तथा इसे राष्ट्रीय कारक संपदाओं में अंतर से जोड़ता है।
- **लियोन्टीफ विरोधाभास:** 1953 में वासिली लियोन्टीफ द्वारा HO मॉडल के एक प्रसिद्ध अनुभवजन्य परीक्षण से पता चला कि अमेरिका (विश्व का सबसे अधिक पूंजी-प्रचुर देश) श्रम-प्रधान वस्तुओं का निर्यात करता है और पूंजी-प्रधान वस्तुओं का आयात करता है, जो HO सिद्धांत का खंडन करता है।

प्रमुख प्रकाशन पुस्तकें

- **एली हेक्शेर का प्रारंभिक लेख, "विदेशी व्यापार का आय के वितरण पर प्रभाव" (1919):** इसने सिद्धांत के लिए आधार तैयार किया।
- **बर्टिल ओहलिन की पुस्तक, *अंतर्क्षेत्रीय और अंतर्राष्ट्रीय व्यापार* (1933):** इस पुस्तक ने सिद्धांत को विस्तृत और लोकप्रिय बनाया, जिससे यह अंतर्राष्ट्रीय व्यापार अर्थशास्त्र का एक केंद्रीय हिस्सा बन गया।

तथ्य

- बर्टिल ओहलिन स्वीडन के एक प्रमुख राजनीतिक व्यक्ति थे, जो दो दशकों से अधिक समय तक लिबरल पीपुल्स पार्टी के नेता तथा द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान व्यापार मंत्री रहे।

5. एफटी नाइकरबॉकर (1973 - सिद्धांत)

परिचय

- यह फ्रेडरिक टी. नाइकरबॉकर द्वारा 1973 के अध्ययन के आधार पर विकसित सिद्धांत को संदर्भित करता है।
- उनका कार्य अल्पाधिकार उद्योगों के प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) पैटर्न को समझाने पर केंद्रित है।
- अल्पाधिकार एक बाजार संरचना है जिसमें कुछ बड़ी कंपनियों का प्रभुत्व होता है।
- नाइकरबॉकर का सिद्धांत एफडीआई का एक व्यवहारिक सिद्धांत है, जो फर्मों के बीच रणनीतिक अंत:क्रियाओं और प्रतिद्वंद्विता पर केंद्रित है।
- इसे अक्सर "नेता का अनुसरण करें" सिद्धांत या "ओलिगोपोलिस्टिक प्रतिक्रिया" का सिद्धांत कहा जाता है।

महत्वपूर्ण अवधारणाएं

- **अल्पाधिकार प्रतिक्रिया:** मूल विचार यह है कि अल्पाधिकार वाली फर्मों द्वारा किया गया प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) अक्सर उनके प्रतिद्वंद्वियों के निवेश निर्णयों की प्रतिक्रिया होती है।
- **"नेता का अनुसरण करें":** यह सिद्धांत बताता है कि यदि अल्पाधिकार वाली एक फर्म (नेता) विदेशी बाजार में निवेश करती है, तो उसी उद्योग की अन्य फर्में (अनुयायी) अपनी प्रतिस्पर्धी स्थिति बनाए रखने के लिए तुरंत उस बाजार में समान निवेश करेंगी।
- **रक्षात्मक रणनीति:** यह "नेता का अनुसरण करें" व्यवहार एक रक्षात्मक रणनीति है। फ़र्म ज़रूरी नहीं कि मुनाफ़े के अवसर का फ़ायदा उठाने के लिए निवेश करें, बल्कि वे किसी प्रतिद्वंद्वी को विदेशी बाज़ार में प्रतिस्पर्धात्मक लाभ हासिल करने से रोकने के लिए निवेश करती हैं, जिसका इस्तेमाल वैश्विक स्तर पर उन्हें चुनौती देने के लिए किया जा सकता है।
- **अनुकरणीय व्यवहार:** यह सिद्धांत अल्पाधिकार उद्योगों में एफडीआई की अनुकरणीय प्रकृति पर प्रकाश डालता है। पीछे छूट जाने के जोखिम को कम करने के लिए कंपनियाँ एक-दूसरे के कदमों की नकल करती हैं।
- **निवेशों का समूहन:** इस सिद्धांत की एक प्रमुख भविष्यवाणी यह है कि किसी विशेष उद्योग में किसी विशेष देश से आने वाला प्रत्यक्ष विदेशी निवेश समय के साथ एक साथ "समूहित" हो जाएगा, क्योंकि कंपनियां एक-दूसरे के कदमों पर त्वरित प्रतिक्रिया करती हैं।
- **'कब' पर ध्यान दें:** निकरबॉकर का सिद्धांत एफडीआई निर्णयों के समय को समझाने के लिए विशेष रूप से उपयोगी है, तथा उन्हें प्रतिस्पर्धियों की रणनीतिक कार्रवाइयों से सीधे जोड़ता है।
- **सीमाएं:** यह सिद्धांत प्रारंभिक एफडीआई निर्णय (प्रथम स्थान पर "नेता" ने क्यों निवेश किया) को समझाने में कम प्रभावी है, लेकिन निवेश की बाद की लहर को समझाने में बहुत मजबूत है।

प्रमुख प्रकाशन पुस्तकें

- **अल्पाधिकार प्रतिक्रिया और बहुराष्ट्रीय उद्यम (1973):** यह नाइकरबॉकर द्वारा हार्वर्ड डॉक्टरेट शोध प्रबंध और पुस्तक है, जो प्रमुख अमेरिकी निगमों के एफडीआई पैटर्न के अध्ययन पर आधारित उनके

सिद्धांत को प्रस्तुत करता है।

तथ्य

- नाइकरबॉकर का सिद्धांत यह समझाने में मदद करता है कि, उदाहरण के लिए, जब एक प्रमुख टायर कंपनी किसी उभरते बाजार में कारखाना स्थापित करती है, तो अन्य प्रमुख टायर कंपनियां अक्सर अल्प अवधि के भीतर ऐसा ही करने की योजना की घोषणा करती हैं।

एडम स्मिथ (1723-1790)

विचारधारा	मुख्य योगदान	पुस्तक का शीर्षक एवं वर्ष	पुस्तक की विषय-वस्तु/महत्व
शास्त्रीय अर्थशास्त्र	पूर्ण लाभ का सिद्धांत एवं "अदृश्य हाथ" अवधारणा।	*द वेल्थ ऑफ नेशंस* (1776)	आधारभूत पाठ; मुक्त बाजार, श्रम विभाजन और पूर्ण लाभ के सिद्धांतों का विवरण।

डेविड रिकार्डो (1772-1823)

विचारधारा	मुख्य योगदान	पुस्तक का शीर्षक एवं वर्ष	पुस्तक की विषय-वस्तु/महत्व
शास्त्रीय अर्थशास्त्र	तुलनात्मक लाभ का सिद्धांत (अवसर लागत पर आधारित)।	*राजनीतिक अर्थव्यवस्था और कराधान के सिद्धांतों पर* (1817)	तुलनात्मक लाभ, मूल्य, किराया, मजदूरी और लाभ के सिद्धांतों का विवरण।

माइकल ई. पोर्टर (जन्म 1947)

विचारधारा	मुख्य योगदान	पुस्तक का शीर्षक एवं वर्ष	पुस्तक की विषय-वस्तु/महत्व
कूटनीतिक प्रबंधन	उद्योग प्रतिस्पर्धा और राष्ट्रीय लाभ के लिए रूपरेखाएँ .	*प्रतिस्पर्धी रणनीति* (1980) *प्रतिस्पर्धी लाभ* (1985) *राष्ट्रों का प्रतिस्पर्धी लाभ* (1990)	पांच बलों और सामान्य रणनीतियों का परिचय। मूल्य श्रृंखला अवधारणा का परिचय। डायमंड मॉडल का विवरण।

हेक्स्चर-ओहलिन (एचओ) सिद्धांत

सिद्धांत प्रकार	मुख्य योगदान	प्रमुख प्रकाशन एवं वर्ष	प्रकाशन की सामग्री/महत्व
नवशास्त्रीय व्यापार सिद्धांत	**कारक निधियों** में अंतर के माध्यम से व्यापार की व्याख्या करता है। **इसे कारक अनुपात सिद्धांत** भी कहा जाता है।	ओहलिन का *अंतरक्षेत्रीय और अंतर्राष्ट्रीय व्यापार* (1933)	एचओ सिद्धांत को विस्तृत और लोकप्रिय बनाया, जिससे यह व्यापार अर्थशास्त्र का केन्द्र बन गया।

एफटी निकरबॉकर (1973 - सिद्धांत)

सिद्धांत प्रकार	मुख्य योगदान	प्रमुख प्रकाशन एवं वर्ष	प्रकाशन की सामग्री/महत्व
एफडीआई का व्यवहार सिद्धांत	प्रतिद्वंद्वियों के बीच एक अनुकरणात्मक **"ओलिगोपोलिस्टिक प्रतिक्रिया" के रूप में समझाया गया है।**	*ओलिगोपोलिस्टिक प्रतिक्रिया और बहुराष्ट्रीय उद्यम* (1973)	अमेरिकी निगमों के एफडीआई पैटर्न के अध्ययन के आधार पर यह सिद्धांत प्रस्तुत किया गया है।

सभी विषयों की सम्पूर्ण अध्ययन सामग्री किट उपलब्ध है।
प्रोफेसर अड्डा कॉल व्हाट्सएप अभी 7690022111 / 9216228788

वाणिज्य महत्वपूर्ण पुस्तकें एवं तालिका

1. **मार्केटिंग मैनेजमेंट** (1967) - फिलिप कोटलर : "मार्केटिंग की बाइबिल" मानी जाने वाली यह पुस्तक विभाजन और लक्ष्यीकरण से लेकर ब्रांडिंग और मार्केटिंग चैनलों तक सभी मौलिक अवधारणाओं को कवर करती है।
2. **वैज्ञानिक प्रबंधन के सिद्धांत** (1911) - एफ डब्ल्यू टेलर : वैज्ञानिक प्रबंधन स्कूल के लिए आधारभूत पाठ, जो दक्षता, समय और गति अध्ययन और मानकीकरण पर केंद्रित है।
3. **जनरल एंड इंडस्ट्रियल मैनेजमेंट** (1916) - हेनरी फेयोल : प्रबंधन के प्रसिद्ध 14 सिद्धांतों और प्रबंधन के पांच कार्यों (योजना, आयोजन, आदेश, समन्वय, नियंत्रण) की रूपरेखा।
4. **प्रबंधन का अभ्यास** (1954) - पीटर ड्रकर : एक क्लासिक कार्य जिसने उद्देश्यों द्वारा प्रबंधन (एमबीओ) जैसी प्रमुख प्रबंधन अवधारणाओं और एक आधुनिक संगठन में प्रबंधकों की भूमिका को पेश किया।
5. **वित्तीय प्रबंधन** - आईएम पांडे : पूंजी बजट से लेकर कार्यशील पूंजी तक वित्तीय प्रबंधन के सभी प्रमुख पहलुओं को कवर करने वाली एक व्यापक भारतीय पाठ्यपुस्तक।
6. **परियोजनाएं: योजना, विश्लेषण, चयन, वित्तपोषण, कार्यान्वयन और समीक्षा** - प्रसन्ना चंद्रा : भारतीय संदर्भ में परियोजना प्रबंधन और पूंजी बजट पर एक अग्रणी पाठ।
7. **प्रतिस्पर्धी रणनीति: उद्योगों और प्रतिस्पर्धियों के विश्लेषण के लिए तकनीकें** (1980) - माइकल ई. पोर्टर : उद्योग विश्लेषण और सामान्य प्रतिस्पर्धी रणनीतियों के लिए पांच बल मॉडल जैसे विश्लेषणात्मक ढांचे का परिचय देता है।
8. **द वेल्थ ऑफ नेशंस** (1776) - एडम स्मिथ : शास्त्रीय अर्थशास्त्र का आधारभूत ग्रंथ, जो "अदृश्य हाथ", श्रम विभाजन और पूर्ण लाभ सिद्धांत जैसी अवधारणाओं को प्रस्तुत करता है।
9. **मोदिग्लिआनी-मिलर प्रमेय** (पत्र, 1958, 1963) - फ्रेंको मोदिग्लिआनी और मेर्टन मिलर : मौलिक पत्रों की एक श्रृंखला जिसने पूंजी संरचना अप्रासंगिकता के संबंध में आधुनिक कॉर्पोरेट वित्त सिद्धांत का आधार बनाया।
10. **कुशल पूंजी बाजार: सिद्धांत और अनुभवजन्य कार्य की समीक्षा** (पेपर, 1970) - यूजीन फामा : कुशल बाजार परिकल्पना (ईएमएच) के लिए आधारभूत पेपर, जो आधुनिक वित्त की आधारशिला है।
11. **पूंजी परिसंपत्ति मूल्य निर्धारण मॉडल (सीएपीएम)** (पत्र, 1960) - विलियम एफ. शार्प, जॉन लिंटर , आदि: एक मॉडल जो परिसंपत्तियों के लिए व्यवस्थित जोखिम और अपेक्षित प्रतिफल के बीच संबंध का वर्णन करता है।
12. **हेक्स्चर-ओहलिन सिद्धांत** (1933) - एली हेक्स्चर और बर्टिल ओहलिन : एक प्रमुख अंतर्राष्ट्रीय व्यापार सिद्धांत जो कहता है कि देश उन उत्पादों का निर्यात करते हैं जो उनके उत्पादन के प्रचुर और सस्ते कारकों का उपयोग करते हैं।
13. **उत्पाद जीवन-चक्र सिद्धांत** (पेपर, 1966) - रेमंड वर्नोन : एक व्यापार सिद्धांत जो उत्पाद के जीवन चक्र से गुजरने के दौरान अंतर्राष्ट्रीय व्यापार के देखे गए पैटर्न की व्याख्या करता है।
14. **हॉथोर्न अध्ययन** (1924-1932) - एल्टन मेयो : प्रयोगों की एक श्रृंखला जिसने प्रबंधन के मानव संबंध स्कूल को जन्म दिया, जिसमें उत्पादकता में सामाजिक कारकों पर जोर दिया गया।

सभी विषयों की सम्पूर्ण अध्ययन सामग्री किट उपलब्ध है।
प्रोफेसर अड्डा कॉल व्हाट्सएप अभी 7690022111 / 9216228788

तालिका 1: व्यावसायिक वातावरण के घटक

पर्यावरण प्रकार	अवयव	विवरण / उदाहरण
आंतरिक पर्यावरण	(संगठन के भीतर नियंत्रणीय कारक)	**मूल्य प्रणाली/मिशन, कॉर्पोरेट संस्कृति, संगठनात्मक संरचना, मानव संसाधन, भौतिक संसाधन।** ये संगठन के भीतर ताकत और कमजोरियों को परिभाषित करते हैं।
बाह्य - सूक्ष्म वातावरण	(प्रदर्शन को प्रभावित करने वाले तात्कालिक बाह्य कारक)	**ग्राहक, आपूर्तिकर्ता, प्रतिस्पर्धी, विपणन मध्यस्थ, जनता।** ये संगठन के करीब होते हैं और सीधे तौर पर उसके कामकाज को प्रभावित करते हैं।
बाह्य - मैक्रो वातावरण	(व्यापक सामाजिक शक्तियां, काफी हद तक अनियंत्रित)	**राजनीतिक** (सरकारी नीतियाँ), **आर्थिक** (जीडीपी, मुद्रास्फीति), **सामाजिक** (सामाजिक-सांस्कृतिक रुझान), **तकनीकी** (नवाचार), **पारिस्थितिकी** (पर्यावरण नियम), **कानूनी** (व्यावसायिक कानून)। इसे PESTEL विश्लेषण के रूप में भी जाना जाता है।

तालिका 2: भारत की प्रमुख आर्थिक नीतियां

नीति	वर्ष / अवधि	प्राथमिक ऑब्जेक्ट	प्रमुख विशेषताऐं
औद्योगिक नीति संकल्प	1956	औद्योगिक विकास में तेजी लाना और "समाज का समाजवादी स्वरूप" स्थापित करना।	उद्योगों को तीन श्रेणियों में वर्गीकृत करना, सार्वजनिक क्षेत्र को अग्रणी भूमिका देना, लघु उद्योगों को बढ़ावा देना।
नई आर्थिक नीति (एलपीजी)	1991	अर्थव्यवस्था को अधिक बाजारोन्मुख बनाकर आर्थिक संकट पर काबू पाना।	**उदारीकरण** , **निजीकरण** और **वैश्वीकरण** । लाइसेंस राज का उन्मूलन।
मौद्रिक नीति	(चल रहे)	मुद्रा आपूर्ति को नियंत्रित करना, मुद्रास्फीति का प्रबंधन करना और मुद्रा को स्थिर करना।	आरबीआई द्वारा प्रबंधित। उपकरण: रेपो दर, रिवर्स रेपो दर, सीआरआर, एसएलआर, खुले बाजार परिचालन।
राजकोषीय नीति	(वार्षिक बजट)	अर्थव्यवस्था को प्रभावित करने के लिए सरकारी राजस्व (कर) और व्यय का प्रबंधन करना।	वित्त मंत्रालय द्वारा प्रबंधित। उपकरण: कर (प्रत्यक्ष/अप्रत्यक्ष), सार्वजनिक व्यय, सार्वजनिक ऋण।

तालिका 3: अंतर्राष्ट्रीय व्यापार के सिद्धांत

लिखित	प्रस्तावक	वर्ष (लगभग)	मूल विचार / सिद्धांत
वणिकवाद	(विभिन्न विचारक)	16वीं-18वीं शताब्दी	किसी देश की संपत्ति का आकलन उसके सोने और चांदी के भंडार से होता है। इससे निर्यात को बढ़ावा मिलता है और आयात को हतोत्साहित किया जाता है।

सभी विषयों की सम्पूर्ण अध्ययन सामग्री किट उपलब्ध है।

प्रोफेसर अड्डा कॉल व्हाट्सएप अभी 7690022111 / 9216228788

पूर्ण लाभ	एडम स्मिथ	1776	किसी देश को उन वस्तुओं का उत्पादन और निर्यात करना चाहिए जिन्हें वह दूसरों की तुलना में अधिक कुशलता से (कम लागत पर) बना सकता है।
तुलनात्मक लाभ	डेविड रिकार्डो	1817	भले ही कोई देश सभी वस्तुओं के उत्पादन में कम कुशल हो, फिर भी उसे उन वस्तुओं का उत्पादन और निर्यात करना चाहिए जिनमें उसका तुलनात्मक नुकसान सबसे कम है।
हेक्स्चर-ओहलिन सिद्धांत	एली हेक्स्चर और बर्टिल ओहलिन	1933	देशों को ऐसे उत्पादों का निर्यात करना चाहिए जो उनके उत्पादन के प्रचुर और सस्ते कारकों (जैसे श्रम या पूंजी) का उपयोग करते हों।
उत्पाद जीवन-चक्र सिद्धांत	रेमंड वर्नोन	1966	जैसे-जैसे कोई उत्पाद अपने जीवन चक्र (नया, परिपक्व, मानकीकृत) से गुजरता है, अंतर्राष्ट्रीय व्यापार का स्वरूप बदलता जाता है।
पोर्टर का राष्ट्रीय हीरा	माइकल ई. पोर्टर	1990	किसी राष्ट्र की प्रतिस्पर्धात्मकता चार कारकों पर निर्भर करती है: कारक स्थितियां, मांग स्थितियां, संबंधित और सहायक उद्योग, तथा फर्म रणनीति, संरचना [1] और प्रतिद्वंद्विता।

तालिका 4: अंतर्राष्ट्रीय आर्थिक संस्थाएं एवं समझौते

संस्था / समझौता	स्थापना (वर्ष)	मुख्यालय	प्राथमिक ऑब्जेक्ट
आईएमएफ (अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष)	1944	वाशिंगटन, डीसी, संयुक्त राज्य अमेरिका	वैश्विक मौद्रिक सहयोग को बढ़ावा देना, वित्तीय स्थिरता सुनिश्चित करना, तथा भुगतान संतुलन (बीओपी) संकट में देशों की सहायता करना।
विश्व बैंक (आईबीआरडी)	1944	वाशिंगटन, डीसी, संयुक्त राज्य अमेरिका	विकास परियोजनाओं के लिए विकासशील देशों को वित्तीय और तकनीकी सहायता प्रदान करके गरीबी को कम करना।
विश्व व्यापार संगठन (डब्लू.टी.ओ.)	1995 (GATT, 1948 का उत्तराधिकारी)	जिनेवा, स्विटजरलैंड	अंतर्राष्ट्रीय व्यापार के लिए नियम निर्धारित करना, व्यापार बाधाओं को कम करना और सदस्य देशों के बीच व्यापार विवादों का निपटारा करना।
यूएनसीटीएडी	1964	जिनेवा, स्विटजरलैंड	विकासशील देशों के व्यापार, निवेश और विकास के अवसरों को अधिकतम करना तथा विश्व अर्थव्यवस्था में उनके एकीकरण में सहायता करना।
आसियान	1967	जकार्ता, इंडोनेशिया	दक्षिण पूर्व एशियाई देशों के बीच आर्थिक, राजनीतिक, सुरक्षा और सामाजिक-

			सांस्कृतिक सहयोग को बढ़ावा देना।
सार्क	1985	काठमांडू, नेपाल	दक्षिण एशियाई देशों के बीच आर्थिक और क्षेत्रीय एकीकरण को बढ़ावा देना।
यूरोपीय संघ (ईयू)	1993 (मास्ट्रिच संधि)	ब्रुसेल्स, बेल्जियम	सदस्य देशों के बीच एक आर्थिक और राजनीतिक संघ बनाना, जिसमें एक साझा बाज़ार और एक साझा मुद्रा (यूरो) शामिल हो।

सभी विषयों की सम्पूर्ण अध्ययन सामग्री किट उपलब्ध है।

प्रोफेसर अड्डा कॉल व्हाट्सएप अभी 7690022111 / 9216228788

भूगोल मॉडल पेपर (यूजीसी नेट पैटर्न)

1. सूची I (भौगोलिक अवधारणा/सिद्धांत) को सूची II (संबद्ध विद्वान) के साथ सुमेलित करें।

सूची I (अवधारणा/सिद्धांत)	सूची II (विद्वान)
ए. हार्टलैंड सिद्धांत	आईडीएम स्मिथ
बी. लाभप्रदता का स्थानिक मार्जिन	II. एच.जे. मैकिंडर
सी. सांस्कृतिक परिदृश्य	III. डब्लू. क्रिस्टालर
डी. केंद्रीय स्थान सिद्धांत	IV. कार्ल ओ. सॉयर

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर चुनें:

1. ए-II, बीआई, सी-IV, डी-III
2. ए-II, बी-IV, सीआई, डी-III
3. एआई, बी-II, सी-III, डी-IV
4. ए-III, बीआई, सी-IV, डी-II

उत्तर: 1. A-II, BI, C-IV, D-III

स्पष्टीकरण:

- **हार्टलैंड सिद्धांत:** हेलफोर्ड जे. मैकिंडर द्वारा प्रतिपादित , यूरेशियन भूभाग के सामरिक महत्व पर ध्यान केंद्रित करता है।
- **लाभप्रदता के स्थानिक मार्जिन:** डीएम स्मिथ द्वारा शास्त्रीय स्थान सिद्धांतों के विस्तार/आलोचना के रूप में विकसित, उन क्षेत्रों पर विचार करते हुए जहां फर्म लाभप्रद रूप से काम कर सकती हैं।
- **सांस्कृतिक परिदृश्य: सांस्कृतिक** भूगोल में एक केंद्रीय अवधारणा , जो कार्ल ओ. सॉयर से दृढ़तापूर्वक जुड़ी हुई है, जो प्राकृतिक पर्यावरण पर मानवीय छाप पर जोर देती है।
- **केंद्रीय स्थान सिद्धांत:** वाल्टर क्रिस्टालर द्वारा वस्तुओं और सेवाओं के प्रावधान के आधार पर बस्तियों के आकार, संख्या और वितरण की व्याख्या करने के लिए तैयार किया गया।
- ये जोड़ियां भौगोलिक विचार के अंतर्गत मौलिक अवधारणाओं और उनके प्रवर्तकों का प्रतिनिधित्व करती हैं।

PROFESSORS ADDA

2. अभिकथन (A): महासागरीय जल का घनत्व सामान्यतः ध्रुवीय क्षेत्रों से भूमध्य रेखा की ओर घटता जाता है।
कारण (R): भूमध्य रेखा के पास उच्च तापमान और संभावित रूप से उच्च वर्षा/मीठे पानी का इनपुट ठंडे, नमकीन ध्रुवीय जल की तुलना में सतही जल के घनत्व को कम करता है।
उपरोक्त कथनों के आधार पर, सबसे उपयुक्त उत्तर चुनिए।
विकल्प :

1. (A) और (R) दोनों सही हैं और (R), (A) की सही व्याख्या है।
2. (A) और (R) दोनों सही हैं लेकिन (R), (A) का सही स्पष्टीकरण नहीं है।
3. (A) सही है लेकिन (R) सही नहीं है।
4. (A) सही नहीं है लेकिन (R) सही है।

उत्तर: 1. (A) और (R) दोनों सही हैं और (R), (A) की सही व्याख्या है।

स्पष्टीकरण:

- **अभिकथन (A):** महासागरीय जल का घनत्व मुख्य रूप से तापमान और लवणता से प्रभावित होता है। ठंडा पानी सघन होता है, और खारा पानी सघन होता है। ध्रुवीय जल आम तौर पर ठंडा होता है और नमकीन भी हो सकता है (नमक को छोड़कर बर्फ के निर्माण के कारण), जिससे वे गर्म भूमध्यरेखीय जल की तुलना में सघन हो जाते हैं।
- **कारण (R):** भूमध्यरेखीय क्षेत्रों में उच्च सौर विकिरण का अनुभव होता है , जिससे सतह का पानी गर्म होता है (कम घनत्व)। उन्हें अक्सर महत्वपूर्ण वर्षा और नदी का निर्वहन भी मिलता है, जिससे मीठा पानी मिलता है जो लवणता और घनत्व को और कम करता है।
- (R) में उल्लिखित कारक सीधे तौर पर (A) में वर्णित घनत्व पैटर्न का कारण बनते हैं।
- इसलिए, दोनों कथन सही हैं, और कारण कथन को स्पष्ट करता है।

3. निम्नलिखित में से कौन सा कथन भूगोल में मात्रात्मक क्रांति की विशेषताओं या परिणामों का सटीक वर्णन करता है?

A. इसमें सांख्यिकीय विधियों और गणितीय मॉडलों के उपयोग पर जोर दिया गया।
B. इसका उद्देश्य भूगोल को अधिक वैज्ञानिक और वस्तुनिष्ठ बनाना था।
C. इससे क्षेत्रीय भूगोल दृष्टिकोण को पूरी तरह से अस्वीकार कर दिया गया।
D. प्रमुख समर्थकों में शेफ़र, हैगेट , चोर्ले और बंगे शामिल थे।
ई. यह मुख्य रूप से अद्वितीय स्थानों के गुणात्मक वर्णन पर केंद्रित था।

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर चुनें:

PROFESSORS ADDA

1. केवल A, B, और D
2. केवल A, C, और E
3. केवल B, C, और D
4. केवल A, B, और E

उत्तर: 1. केवल A, B, और D

स्पष्टीकरण:

- **उत्तर (सही):** मात्रात्मक क्रांति का मूल स्थानिक पैटर्न का विश्लेषण करने के लिए सांख्यिकीय तकनीकों और गणितीय मॉडलिंग को अपनाना था।
- **बी (सही):** एक प्रमुख लक्ष्य भूगोल को अधिक कठोर, वैज्ञानिक अनुशासन की ओर ले जाना था, जिसमें मुहावरेदार वर्णन की अपेक्षा वस्तुनिष्ठता और कानून की खोज पर जोर दिया गया।
- **C (गलत):** यद्यपि इसने पारंपरिक क्षेत्रीय भूगोल के प्रभुत्व को चुनौती दी, परन्तु इससे उसका पूर्णतः परित्याग नहीं हुआ; क्षेत्रीय अध्ययनों ने इसे अपनाया और जारी रखा।
- **डी (सही):** फ्रेड के. शेफ़र की अपवादवाद की आलोचना ने आधार तैयार किया, जबकि पीटर हैगेट , रिचर्ड चोर्ले और विलियम बंगे मात्रात्मक तरीकों को लागू करने वाले प्रमुख व्यक्ति थे।
- **E (गलत):** गुणात्मक विवरण से ध्यान हटाकर सामान्य स्थानिक नियमों और पैटर्न की पहचान करने की ओर केन्द्रित हो गया।

4. वॉन थुनेन के कृषि भूमि उपयोग मॉडल के अनुसार , समदैशिक मैदान को मानते हुए, कौन सी गतिविधि आम तौर पर केंद्रीय बाजार के सबसे करीब स्थित होगी?

1. पशुपालन
2. अनाज की खेती (तीन-क्षेत्र प्रणाली)
3. जलाऊ लकड़ी और इमारती लकड़ी का उत्पादन
4. बाज़ार बागवानी और डेयरी फार्मिंग

उत्तर: 4. बाज़ार बागवानी और डेयरी फार्मिंग

स्पष्टीकरण:

- वॉन थुनेन का मॉडल भूमि किराया, परिवहन लागत और उत्पाद की खराब होने की क्षमता के आधार पर एक केंद्रीय बाजार के चारों ओर संकेंद्रित वलयों में कृषि गतिविधियों की व्यवस्था करता है ।
- **बाज़ार बागवानी और डेयरी फार्मिंग:** ये खराब होने वाले और भारी सामान (जैसे दूध, फल, सब्जियाँ) का उत्पादन करते हैं, जिन्हें लंबी दूरी तक ले जाना महंगा होता है और उन्हें बाज़ार तक जल्दी पहुँचाना पड़ता है। वे उच्च कीमतों पर बिक सकते हैं, जो शहर के पास उच्च भूमि किराए को उचित ठहराता है।

PROFESSORS ADDA

- **जलाऊ लकड़ी और इमारती लकड़ी:** भारी और परिवहन के लिए महंगी, दूसरे रिंग में स्थित।
- **अनाज की खेती:** डेयरी/सब्जी की तुलना में कम शीघ्र खराब होने वाली तथा प्रति इकाई भार के हिसाब से परिवहन में कम महंगी होती है, क्योंकि यह खेती दूर स्थित होती है।
- **पशुपालन:** इसके लिए व्यापक भूमि की आवश्यकता होती है और यह सबसे कम खराब होता है, यह बाजार से सबसे दूर स्थित होता है, जहां भूमि का किराया सबसे कम होता है।

5. अभिकथन (A): 'हार्टलैंड' सिद्धांत बताता है कि वैश्विक भूभाग पर नियंत्रण के लिए पूर्वी यूरोप पर नियंत्रण महत्वपूर्ण है।
कारण (R): मैकिण्डर ने यूरेशियाई भूभाग को, विशेष रूप से इसके दुर्गम 'पिवट क्षेत्र' या 'हार्टलैंड' को, इसकी संसाधन क्षमता और समुद्री शक्ति से सुरक्षा के कारण विश्व प्रभुत्व के लिए प्रमुख भौगोलिक आधार के रूप में देखा।
उपरोक्त कथनों के आधार पर, नीचे दिए गए विकल्पों में से सबसे उपयुक्त उत्तर चुनिए:

1. (A) और (R) दोनों सही हैं और (R), (A) की सही व्याख्या है।
2. (A) और (R) दोनों सही हैं लेकिन (R), (A) का सही स्पष्टीकरण नहीं है।
3. (A) सही है लेकिन (R) सही नहीं है।
4. (A) सही नहीं है लेकिन (R) सही है।

उत्तर: 1. (A) और (R) दोनों सही हैं और (R), (A) की सही व्याख्या है।

स्पष्टीकरण:

- **अभिकथन (A):** मैकिंडर की प्रसिद्ध उक्ति कहती है: "जो पूर्वी यूरोप पर शासन करता है, वह हृदयस्थल पर शासन करता है; जो हृदयस्थल पर शासन करता है, वह विश्व-द्वीप पर शासन करता है; जो विश्व-द्वीप पर शासन करता है, वह विश्व पर शासन करता है।" यह हृदयस्थल के प्रवेशद्वार के रूप में पूर्वी यूरोप के सामरिक महत्व को उजागर करता है।
- **कारण (R):** सिद्धांत का मुख्य विचार विशाल, संसाधन-समृद्ध यूरेशियाई आंतरिक क्षेत्र (हार्टलैंड) का रणनीतिक महत्व है, जो समुद्री शक्ति के हमले से काफी हद तक प्रतिरक्षित था, जिससे यह एक प्रमुख स्थलीय शक्ति के लिए संभावित आधार बन गया।
- हार्टलैंड का रणनीतिक महत्व, जैसा कि (आर) में बताया गया है, इस बात का आधार है कि इसके प्रवेशद्वार (पूर्वी यूरोप) को नियंत्रित करना, जैसा कि (ए) में बताया गया है, महत्वपूर्ण क्यों माना जाता है।
- इसलिए, दोनों कथन सही हैं और (R) (A) के लिए अंतर्निहित तर्क प्रदान करता है।

6. एडवर्ड उलमैन के अनुसार निम्नलिखित में से कौन से स्थानिक अंतःक्रिया को प्रभावित करने वाले प्रमुख तत्व माने

All Subject's Complete Study Material KIT available.
Professor Adda Call WhatsApp Now 7690022111 / 9216228788

जाते हैं ?

A. संपूरकता
बी. हस्तांतरणीयता
सी. हस्तक्षेप का अवसर
डी. संकुलन अर्थव्यवस्थाएं
ई. डीग्लोमरेशन प्रभाव

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर चुनें:

1. केवल A, B, और C
2. केवल A, C, और D
3. केवल B, D, और E
4. केवल A, B, और E

उत्तर: 1. केवल A, B, और C

स्पष्टीकरण:

- एडवर्ड उलमैन ने स्थानिक अंतःक्रिया के लिए तीन आवश्यक आधारों की पहचान की:
- **क. संपूरकता :** एक स्थान पर आपूर्ति दूसरे स्थान पर मांग से मेल खानी चाहिए।
- **बी. हस्तांतरणीयता:** वह आसानी और लागत जिसके साथ किसी वस्तु या व्यक्ति को एक स्थान से दूसरे स्थान पर ले जाया जा सकता है। बातचीत केवल तभी होती है जब आवागमन की लागत निषेधात्मक न हो।
- **C. मध्यवर्ती अवसर:** आपूर्ति या मांग के निकटवर्ती, वैकल्पिक स्रोत की उपस्थिति अधिक दूरस्थ स्थानों के बीच परस्पर क्रिया को कम कर देती है।
- **डी एंड ई (गलत):** एग्लोमरेशन और डीग्लोमरेशन अर्थव्यवस्थाएं स्थानिक अंतःक्रिया के लिए उलमैन की प्राथमिक स्थितियों की तुलना में औद्योगिक स्थान कारकों (वेबर, हूवर) से अधिक संबंधित हैं ।

7. भूवैज्ञानिक प्रक्रियाओं को समझने के लिए मौलिक ' एकरूपतावाद का सिद्धांत ' सबसे प्रसिद्ध रूप से किस विद्वान से जुड़ा है?

1. डब्ल्यूएम डेविस
2. जेम्स हटन
3. चार्ल्स लेयेल
4. जीके गिल्बर्ट

उत्तर: 2. जेम्स हटन (अक्सर चार्ल्स लेल द्वारा लोकप्रिय/विस्तारित)

PROFESSORS ADDA

स्पष्टीकरण:

- **जेम्स हटन (सही):** अपने "थ्योरी ऑफ़ द अर्थ" (1788/1795) में हटन ने प्रस्तावित किया कि आज पृथ्वी को आकार देने वाली भूवैज्ञानिक प्रक्रियाएँ वही हैं जो अतीत में संचालित होती थीं ("वर्तमान अतीत की कुंजी है")। यह एकरूपतावाद का सार है ।
- **चार्ल्स लेल:** हटन के विचारों को उनके "भूविज्ञान के सिद्धांतों" में लोकप्रिय और परिष्कृत किया, जिससे एकरूपतावाद व्यापक रूप से स्वीकार्य हो गया। महत्वपूर्ण होने के बावजूद हटन ने मूल अवधारणा की शुरुआत की।
- **डब्ल्यूएम डेविस:** "भौगोलिक चक्र" या क्षरण चक्र के लिए जाने जाते हैं, जो एकरूपतावादी सिद्धांतों पर आधारित है लेकिन एक अलग मॉडल है।
- **जी.के. गिल्बर्ट:** भू-आकृति विज्ञान, विशेष रूप से नदी प्रक्रियाओं और लैकोलिथ निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान दिया, तथा एकरूपतावादी विचारों को लागू किया।

8. सूची I (जलवायु का प्रकार - कोपेन प्रतीक) को सूची II (विशिष्ट वनस्पति/क्षेत्र) के साथ सुमेलित करें।

सूची I (जलवायु प्रकार)	**सूची II (विशेषता/क्षेत्र)**
ए.एफ	I. भूमध्यसागरीय स्क्रब (चैपरल)
बी. सीएसए	II. उष्णकटिबंधीय वर्षावन
सी. डीएफसी	III. टुंड्रा
डी. ई.टी.	IV. बोरियल वन (टैगा)

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर चुनें:

1. ए-II, बीआई, सी-IV, डी-III
2. ए-II, बी-IV, सीआई, डी-III
3. एआई, बी-II, सी-III, डी-IV
4. ए-III, बीआई, सी-IV, डी-II

उत्तर: 1. A-II, BI, C-IV, D-III

स्पष्टीकरण:

- **अफ (उष्णकटिबंधीय वर्षावन जलवायु):** वर्ष भर उच्च तापमान और वर्षा की विशेषता, जो घने उष्णकटिबंधीय वर्षावन वनस्पति को बढ़ावा देती है।
- **सीएसए (भूमध्यसागरीय जलवायु - गर्म ग्रीष्मकाल):** गर्म, शुष्क ग्रीष्मकाल और हल्की, गीली सर्दियां, जो चैपरल (भूमध्यसागरीय झाड़ी) जैसी सूखा-प्रतिरोधी झाड़ीदार वनस्पति को बढ़ावा देती हैं।

PROFESSORS ADDA

- **डीएफसी (उप-आर्कटिक जलवायु - ठंडी ग्रीष्म ऋतु):** इसमें लंबी, ठंडी सर्दियां और छोटी, ठंडी ग्रीष्म ऋतु होती है, जो विशाल शंकुधारी वनों को सहारा देती है, जिन्हें बोरियल वन या टैगा के नाम से जाना जाता है।
- **ईटी (टुंड्रा जलवायु):** वर्ष के अधिकांश समय में शून्य से नीचे तापमान के साथ अत्यंत ठंडी परिस्थितियां, कम उगने वाली टुंड्रा वनस्पति (काई, लाइकेन, बौनी झाड़ियां) को बढ़ावा देती हैं।
- ये युग्मन कोपेन जलवायु प्रकारों को उनके विशिष्ट संबद्ध वनस्पति बायोम से मेल खाते हैं।

9. अभिकथन (A): शहरी ताप द्वीप (UHI) की विशेषता यह है कि शहरी क्षेत्रों में उनके आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों की तुलना में, विशेष रूप से रात में तापमान काफी अधिक होता है।
कारण (R): शहरी सतहें (कंक्रीट, डामर) अधिक सौर विकिरण को अवशोषित करती हैं और धीरे-धीरे गर्मी छोड़ती हैं, साथ ही वनस्पति आवरण कम होता है और मानवीय गतिविधियों से उत्पन्न अपशिष्ट गर्मी शहरी तापमान को बढ़ाने में योगदान देती है।
उपरोक्त कथनों के आधार पर, नीचे दिए गए विकल्पों में से सबसे उपयुक्त उत्तर चुनिए:

1. (A) और (R) दोनों सही हैं और (R), (A) की सही व्याख्या है।
2. (A) और (R) दोनों सही हैं लेकिन (R), (A) का सही स्पष्टीकरण नहीं है।
3. (A) सही है लेकिन (R) सही नहीं है।
4. (A) सही नहीं है लेकिन (R) सही है।

उत्तर: 1. (A) और (R) दोनों सही हैं और (R), (A) की सही व्याख्या है।

स्पष्टीकरण:

- **अभिकथन (A):** शहरी ऊष्मा द्वीप प्रभाव एक अच्छी तरह से प्रलेखित घटना है जहां शहर आस-पास के ग्रामीण क्षेत्रों की तुलना में अधिक गर्म होते हैं, और तापमान का अंतर अक्सर सूर्यास्त के बाद शांत रातों के दौरान सबसे अधिक स्पष्ट होता है।
- **कारण (R):** यह कथन प्राथमिक कारणों की सही पहचान करता है: शहरी सामग्रियों की कम एल्बिडो और उच्च तापीय क्षमता के कारण अधिक ऊष्मा अवशोषण और अवधारण होता है; कम वनस्पति के कारण कम वाष्पोत्सर्जन होता है ; और इमारतों, वाहनों और उद्योग से मानवजनित ऊष्मा का उत्सर्जन होता है।
- (R) में सूचीबद्ध कारक प्रत्यक्ष भौतिक तंत्र हैं जो (A) में वर्णित तापमान अंतर का कारण बनते हैं।
- इसलिए, दोनों कथन सही हैं और (R) (A) को स्पष्ट करता है।

10. निम्नलिखित में से कौन सी भौगोलिक विशेषताएँ सामान्यतः हिमानी अपरदन से निर्मित होती हैं?
ए. ड्रमलिंस

PROFESSORS ADDA

बी. सर्कस (कोरीस)
सी. एस्कर्स
डी. एरेटेस
ई. मोरेन्स

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर चुनें:
1. केवल A, C, और E
2. केवल B और D
3. केवल A, B, और D
4. केवल C, D, और E

उत्तर: 2. केवल B और D

स्पष्टीकरण:
- **ए. ड्रमलिंस (गलत):** बर्फ की चादर के नीचे हिमनद *जमाव* द्वारा निर्मित सुव्यवस्थित पहाड़ियाँ ।
- **बी. सर्कस (कोरीज़) (सही):** घाटी के ग्लेशियर के शीर्ष पर हिमनदीय अपरदन द्वारा निर्मित कटोरे के आकार के गड्ढे।
- **सी. एस्कर्स (गलत):** ग्लेशियरों के भीतर, नीचे या ऊपर बहने वाली पिघली हुई जल धाराओं द्वारा निर्मित रेत और बजरी की लकीरें (*निक्षेपण*)।
- **डी. एरेट्स (सही):** दो समीपवर्ती सर्कों के एक-दूसरे से सटे होने के कारण हिमनदीय अपरदन के कारण बनी तीखी, चाकू जैसी धार वाली लकीरें।
- **ई. हिमोढ़ (गलत):** हिमोढ़ (अनसॉर्टेड मलबे) का संचय जो ग्लेशियरों द्वारा *जमा किया जाता है* (जैसे, पार्श्व, मध्यवर्ती, टर्मिनल हिमोढ़)।

11. जनसांख्यिकी संक्रमण मॉडल के किस चरण की विशेषता कम जन्म दर और कम मृत्यु दर है, जिसके परिणामस्वरूप स्थिर या धीमी गति से बढ़ती जनसंख्या होती है?
1. चरण 1 (उच्च स्थिर)
2. चरण 2 (प्रारंभिक विस्तार)
3. चरण 3 (देर से विस्तार)
4. चरण 4 (निम्न स्थिर)

उत्तर: 4. चरण 4 (निम्न स्थिर)

स्पष्टीकरण:

PROFESSORS ADDA

TESTIMONIALS

Nikita Sharma
UGC NET (PAPER 1)
Delhi

"The premium course by Professors Adda gave me everything in one place – structured notes, MCQ banks, PYQs, and trend analysis. The way it was aligned with the syllabus helped me stay organized and confident."

Ravindra Yadav
UGC NET (Commerce)
Jaipur

"Joining the premium group was the best decision I made. The daily quiz challenges, mentor guidance, and focused discussions kept me disciplined and exam-ready."

Priya Mehta
UGC NET (Education)
Banglore

"Professors Adda's study course is like a personal roadmap to success. The live sessions and targeted revision plans were crucial in helping me clear my exam on the first attempt."

Swati Verma
UGC NET (English Literature)
Kolkata

"What makes the Professors Adda premium course unique is the combination of high-quality content and a dedicated support group. It kept me motivated and accountable throughout."

Aman Joshi
UGC NET (Sociology)
Prajagraj

"The premium group gave me access to serious aspirants and mentors who guided me every step of the way. The peer learning, doubt sessions, and motivation from the group were unmatched."

Riya Sharma
UGC NET (Psychology)
Hyderabad

"What really kept me going was the constant encouragement from Professors Adda's mentors. Their support helped me stay motivated even when I felt overwhelmed by the syllabus."

Anjali Singh
UGC NET (Political Science)
Indore

"Professors Adda taught me that smart preparation is as important as hard work. Their strategic study plans and motivational talks made all the difference in my success."

Aditya Verma
UGC NET (History)
Guwahati

"The institute not only provides excellent study resources but also builds your confidence. The motivational sessions helped me overcome exam anxiety and keep a positive mindset."

*IMAGES ARE IMAGINARY

+91 7690022111 +91 9216228788

PROFESSORS ADDA

Trusted By Toppers

GET BEST SELLER HARD COPY NOTES

PROFESSORS ADDA

CLICK HERE TO GET

+91 7690022111 +91 9216228788

PROFESSORS ADDA

Trusted By Toppers

Our Toppers

+91 723[redacted]
online

Today

Hello Sir 5:39 pm

Congratulations 🏆🏆🔥🔥🌹🌹
Please tell us about your result & score card.
Team Professors Adda 👉 7690022111
5:41 pm

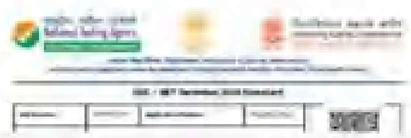

University Grants Commission (UGC)-NET _India-1.pdf

ProfessorsAdda's Paper 1 & Subject notes were crisp, well-structured, and exam-relevant

Topic-wise quizzes helped reinforce my learning effectively

High-quality mock tests mirrored the actual exam pattern

Complete syllabus coverage without unnecessary content

Motivating personal mentorship and guidance throughout

Regular practice with previous year questions boosted my confidence

ProfessorsAdda's team provided consistent support and encouragement

With ProfessorsAdda's expert help, I cleared UGC NET Paper 1 confidently.

– Priya Sharma
Delhi
JRF with 99.79 Percentile
5:43 am

Congratulations
Your deserve for this SUCCESS 🏆
Stay Coonected. Keep studying
5:08 pm

Message

21 October 2024

Messages and calls are end-to-end encrypted. No one outside of this chat, not even WhatsApp, can read or listen to them. Tap to learn more.

Nikunj JRF Nikunj 🎓 is a contact

I'm qualified for jrf

Congratulations for JRF Nikunj
It's grand success You deserve for this. हम आपके उज्जवल भविष्य की कामना करते है . PROFESSORS ADDA टीम आपके future मे हेल्प के लिए भी साथ रहेगी. Keep studying, Stay connected.

Ab PhD & Asst Professor journey is waiting for you.

Sure

Thanks 👍

+91 7690022111 +91 9216228788

TESTIMONIALS

Nikita Sharma
UGC NET (PAPER 1)
Delhi

"The premium course by Professors Adda gave me everything in one place – structured notes, MCQ banks, PYQs, and trend analysis. The way it was aligned with the syllabus helped me stay organized and confident."

Ravindra Yadav
UGC NET (PAPER 1)
Jaipur

"Joining the premium group was the best decision I made. The daily quiz challenges, mentor guidance, and focused discussions kept me disciplined and exam-ready."

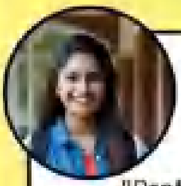

Priya Mehta
UGC NET (PAPER 1)
Banglore

"Professors Adda's study course is like a personal roadmap to success. The live sessions and targeted revision plans were crucial in helping me clear my exam on the first attempt."

Swati Verma
UGC NET (PAPER 1)
Kolkata

"What makes the Professors Adda premium course unique is the combination of high-quality content and a dedicated support group. It kept me motivated and accountable throughout."

Aman Joshi
UGC NET (PAPER 1)
Prajagraj

"The premium group gave me access to serious aspirants and mentors who guided me every step of the way. The peer learning, doubt sessions, and motivation from the group were unmatched."

Riya Sharma
UGC NET (PAPER 1)
Hyderabad

"What really kept me going was the constant encouragement from Professors Adda's mentors. Their support helped me stay motivated even when I felt overwhelmed by the syllabus."

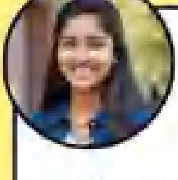

Anjali Singh
UGC NET (PAPER 1)
Indore

"Professors Adda taught me that smart preparation is as important as hard work. Their strategic study plans and motivational talks made all the difference in my success."

Aditya Verma
UGC NET (PAPER 1)
Guwahati

"The Institute not only provides excellent study resources but also builds your confidence. The motivational sessions helped me overcome exam anxiety and keep a positive mindset."

*IMAGES ARE IMAGINARY

+91 7690022111 +91 9216228788

PROFESSORS ADDA
Trusted By Toppers

Our Toppers

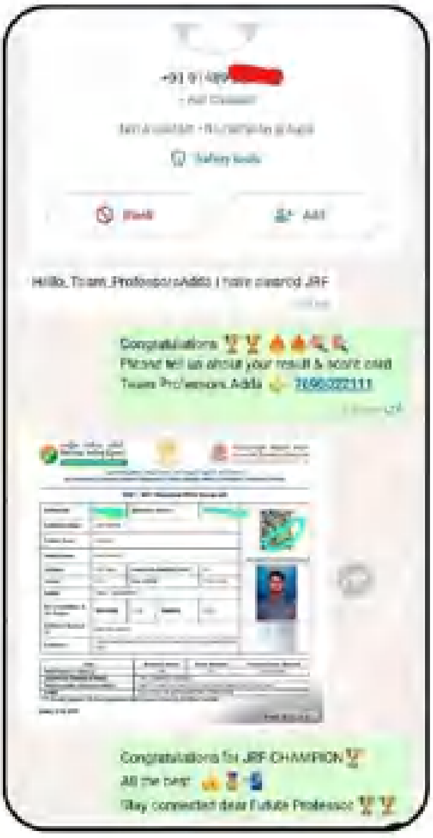

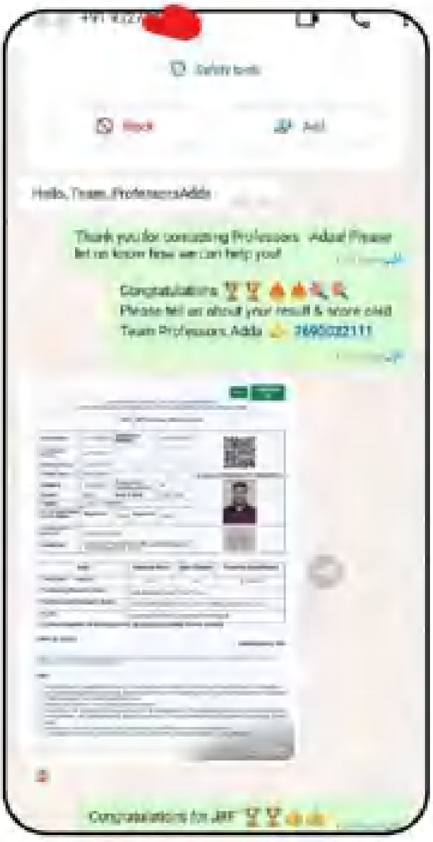

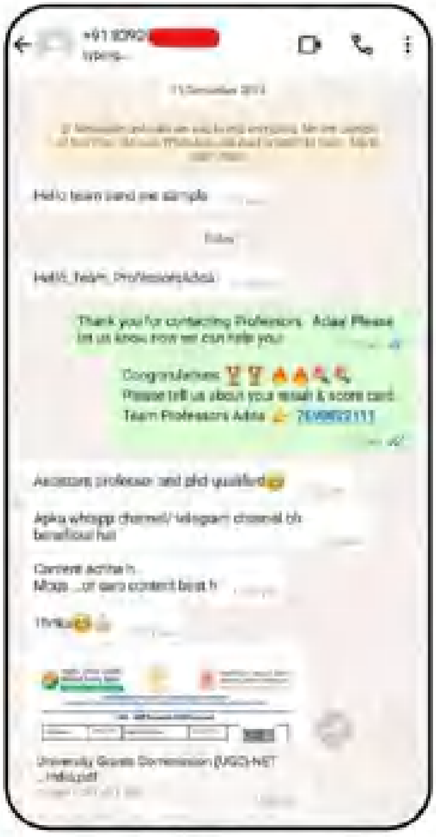

+91 7690022111 +91 9216228788

PROFESSORS ADDA

Trusted By Toppers

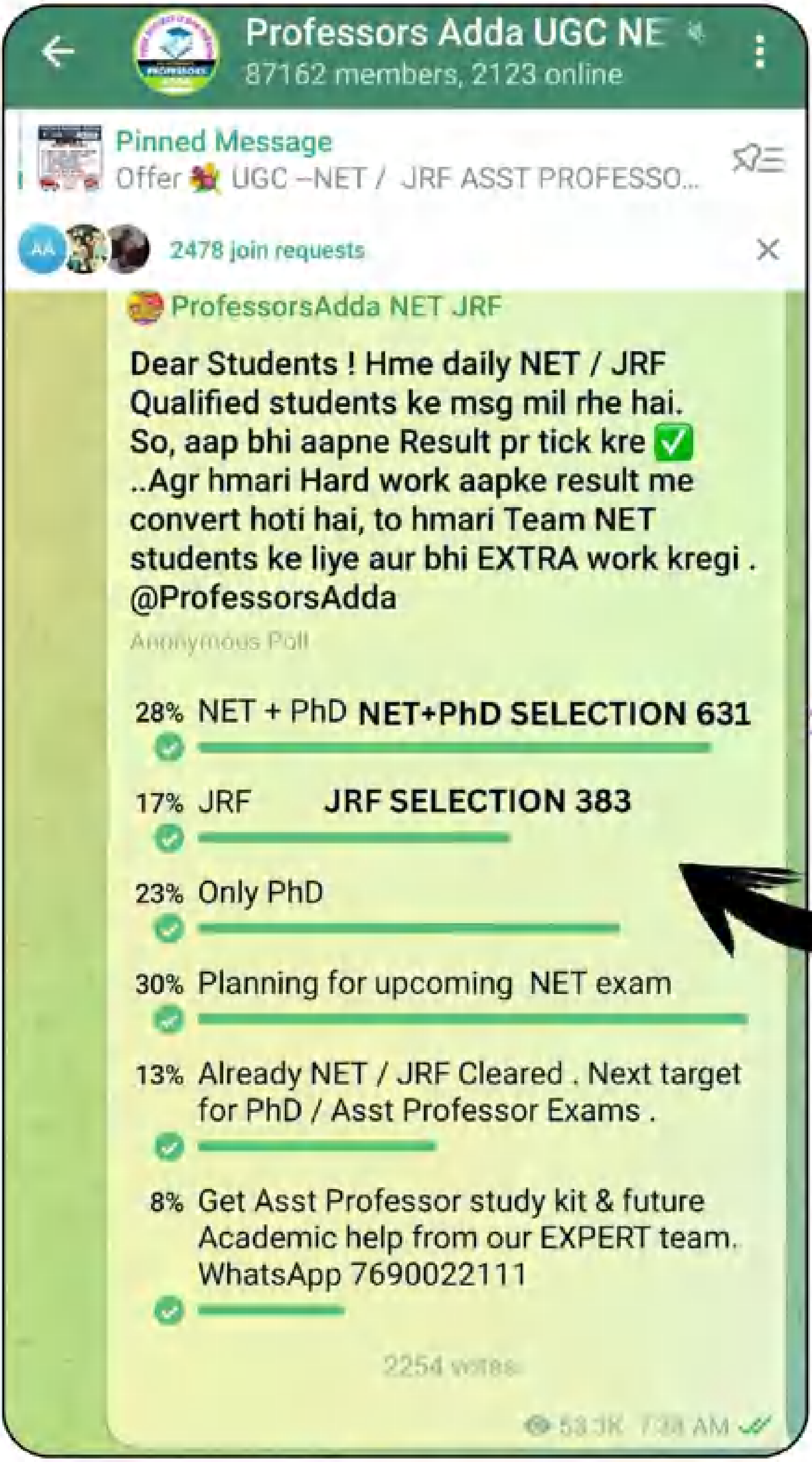

OUR UGC NET SELECTION RESULTS

+91 7690022111 +91 9216228788

PROFESSORS ADDA
Trusted By Toppers

Exclusive English GROUP

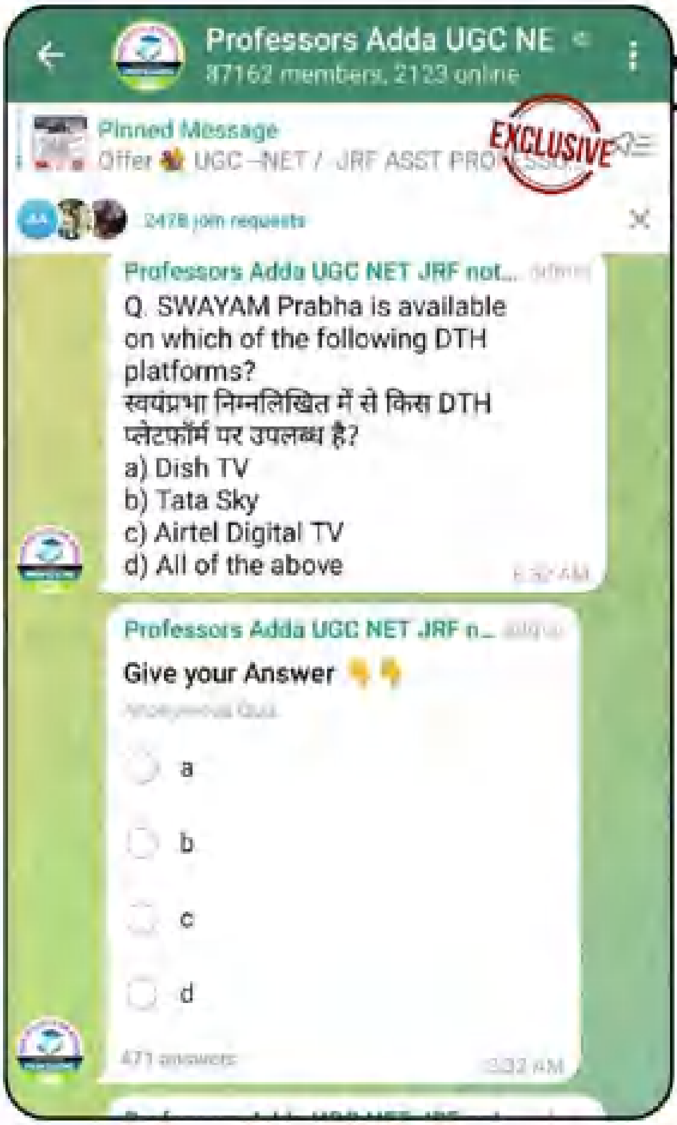

INDIA'S NO 1 UGC NET GROUP

CLICK HERE TO JOIN

+91 7690022111 +91 9216228788

PROFESSORS ADDA

Trusted By Toppers

OUR UGC NET SELECTION RESULTS

MANY MORE SELECTION

+91 7690022111 +91 9216228788

PROFESSORS ADDA

Trusted By Toppers

BOOK YOUR HARD COPY COMPLETE STUDY PACKAGE

Hurry! Limited copies remaining—get yours before they're gone.

- 10 Unit Theory Notes
- Unit Wise MCQ Bank
- Latest 10 YEAR PYQ
- Model Papers
- One Liner Quick Revision Notes
- Premium Group Membership

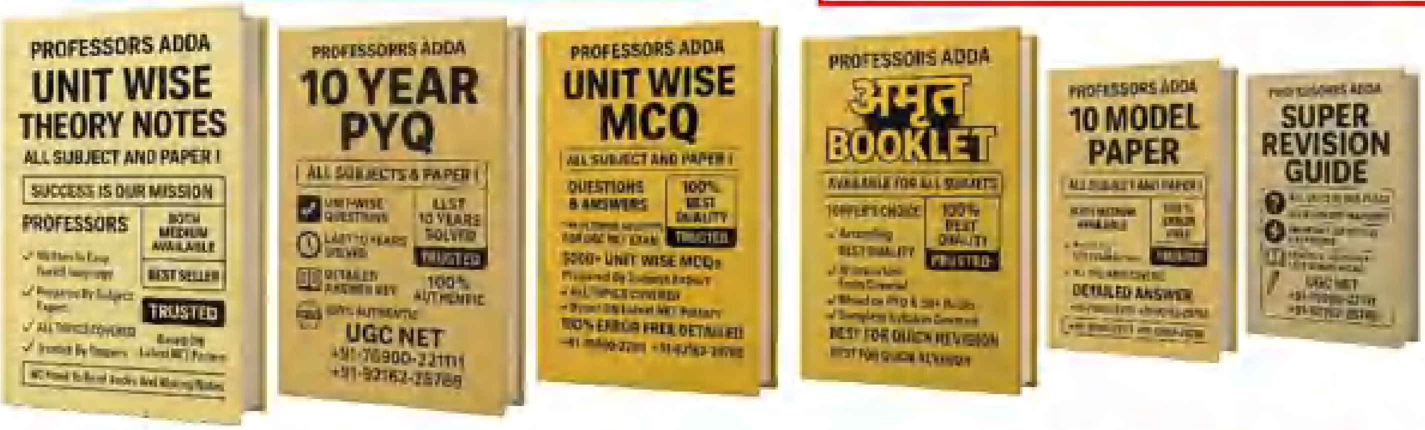

FREE DELIVERY | CASH ON DELIVERY | TRUSTED | LOW PRICE | CUSTOMER SATISFACTION 100 GUARANTEE

FREE sample Notes/
Expert Guidance /Courier Facility Available

Download PROFESSORS ADDA APP

91-76900-22111

PROFESSORS ADDA

Trusted By Toppers

BOOK YOUR HARD COPY COMPLETE STUDY PACKAGE

Hurry! Limited copies remaining—get yours before they're gone.

NEW PRODUCT

- 10 Unit Theory Notes
- Unit Wise MCQ Bank
- Latest PYQ
- Model Papers
- One Liner Quick Revision Notes
- Premium Group Membership

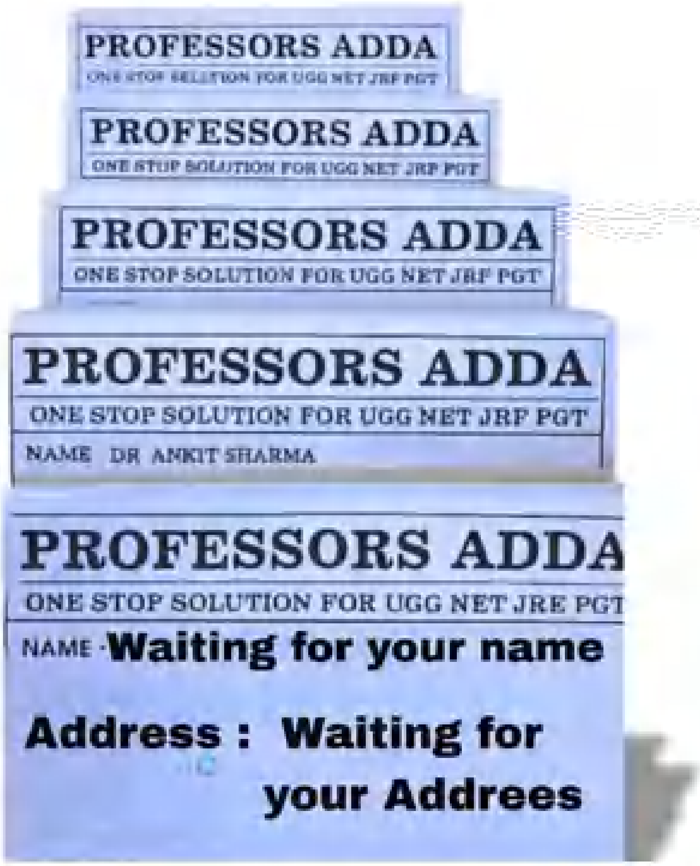

FREE DELIVERY | CASH ON DELIVERY | TRUSTED | LOW PRICE | CUSTOMER SATISFACTION 100 GUARANTEE

FREE sample Notes/
Expert Guidance /Courier Facility Available

Download PROFESSORS ADDA APP

91-76900-22111

OUR ALL PRODUCTS

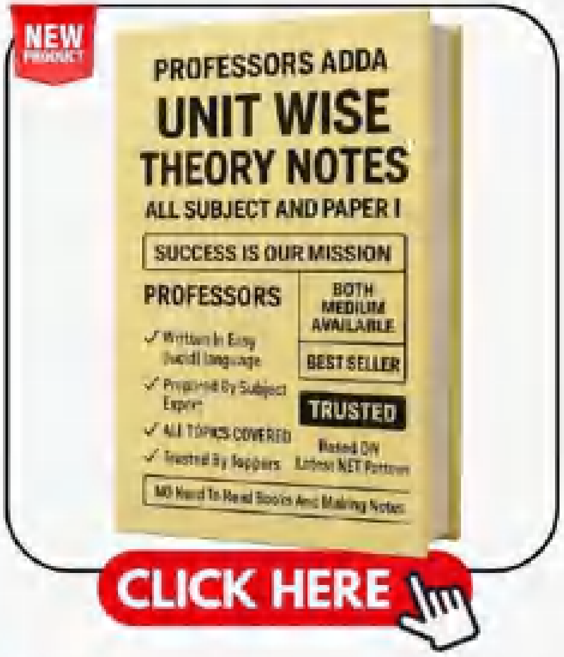

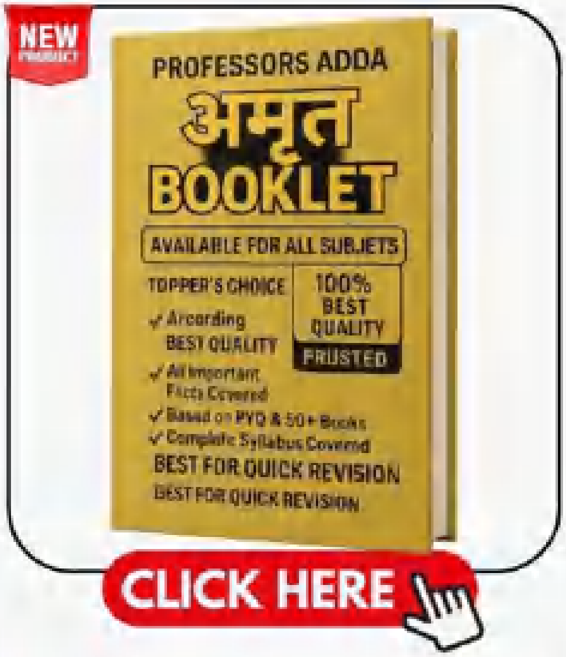

+91 7690022111 +91 9216228788